NA
Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 24 अगस्त, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-6 | अंक-236

सहानुभूति और सद्भावना के साथ राष्ट्रपति जेलेंस्की से मिले पीएम मोदी

जेलेंस्की से गले मिले और कंधे पर हाथ रख कर बातें करते रहे मोदी

युद्ध रोकने में मोदी की भूमिका पर दुनियाभर की निगाह

पीएम मोदी रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने में सहायक होंगे: गुटेरेस

पीएम मोदी का युद्धग्रस्त देश यूक्रेन का ऐतिहासिक दौरा

कीव (यूक्रेन), 23 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से कीव में मुलाकात की। यह मुलाकात युद्धग्रस्त देश की ऐतिहासिक यात्रा का हिस्सा थी। प्रधानमंत्री ने जेलेंस्की को गले लगाया और उनके कंधे पर हाथ रखा। युद्ध में मारे गए बच्चों को मर्टी रोलॉजिस्ट एक्सपोजिशन में श्रद्धांजलि देते वक्त दोनों नेता भावुक हो गए। दोनों नेताओं के बीच उच्च स्तरीय बातचीत हुई। पीएम मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण दिया। जेलेंस्की ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए आश्वस्त किया कि वे जल्द ही भारत का दौरा करेंगे। दुनियाभर की नजरें रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर मोदी की निर्णायक भूमिका पर लगी हैं। पीएम नरेंद्र मोदी के यूक्रेन दौरे को लेकर संयुक्त राष्ट्र की ओर से बयान जारी किया गया। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो मैनुअल डी ओलिवेरा गुटेरेस ने कहा कि पीएम मोदी का यूक्रेन दौरा रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने में मददगार होगा।

प्रधानमंत्री मोदी की पहल से अगर यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध थमता है तो भारत की कूटनीति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना अमिट प्रभाव छोड़ेगी। यूक्रेन की धरती से पीएम मोदी पूरी दुनिया को शांति का संदेश दे रहे हैं, इससे उनकी वैश्विक छवि और ज्यादा सशक्त बन रही है और दुनिया में उनकी हिस्सेदारी के और सक्रिय होने के संकेत मिल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की घोषणा इसका ताजा संकेत है।

राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात के संदर्भ में पीएम मोदी ने कहा, मैंने और राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कीव में मार्टिरोलॉजिस्ट प्रदर्शनी में श्रद्धांजलि अर्पित की। रूस-यूक्रेन संघर्ष विशेष रूप से बच्चों के लिए विनाशकारी है। इस संघर्ष में जान गंवाने वाले बच्चों के परिवारों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि उन्हें इस दुख को सहने की ताकत मिले।

पीएम मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से कहा कि जब युद्ध के शुरुआती दिन थे तो यूक्रेन ने भारतीय नागरिकों और छात्रों को निकालने में मदद की थी। संकट के इस समय में आपकी मदद के लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं। दुनिया यह अच्छी तरह से जानती है कि युद्ध के दौरान हमने दो भूमिकाएं निभाईं। पहली भूमिका मानवीय दृष्टिकोण की थी। मानवीय दृष्टिकोण से चाहे जो भी आवश्यकता हो भारत हमेशा आपके साथ खड़ा रहेगा और दो कदम आगे रहेगा। भारत कभी तटस्थ नहीं रहा। हमने हमेशा शांति का पक्ष लिया।

▶10 पर

पीएम मोदी का यूक्रेन दौरा ऐतिहासिक : जयशंकर

कीव (यूक्रेन), 23 अगस्त (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली यूक्रेन यात्रा को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि इस दौरे के दौरान पीएम मोदी और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच बातचीत द्विपक्षीय संबंधों का एक हिस्सा था। जयशंकर ने बताया कि मोदी और जेलेंस्की के बीच व्यापार, आर्थिक मुद्दे, रक्षा, दवाइयां, कृषि और शिक्षा के क्षेत्रों पर विचार-विमर्श हुआ। विदेश मंत्री ने कहा, पीएम मोदी और जेलेंस्की ने अंतर-सरकारी आयोग को विशेष रूप से व्यापार और आर्थिक संबंधों के पुनर्निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने का जिम्मा सौंपा। जयशंकर ने कहा कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच मुख्य चर्चा यूक्रेन के युद्ध पर थी।

▶10 पर

भारत का पहला अंतरिक्ष दिवस, पीएम मोदी ने दी बधाई

चंद्रयान-3 की सफलता पर पूरे देश को गौरव : मुर्मू

चंद्रयान-3 ने प्रमाणित किया चांद पर जीवन के संकेत

चांद पर 23 जगह मिले ऑक्सीजन समेत जरूरी तत्व

बेंगलुरु, 23 अगस्त (एजेंसियां)। पिछले साल अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत को मिली अभूतपूर्व सफलता के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया जा रहा है। पहले स्पेस डे कार्यक्रमों का आयोजन दिल्ली के भारत मंडपम में हुआ, जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शामिल हुईं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसरो प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार बांटे। इसके बाद उन्होंने यहां मौजूद छात्रों को संबोधित किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, चंद्रयान-3 की सफलता पर मैं भी गौरवान्वित हूं। राष्ट्रपति ने नेशनल स्पेस डे की बधाई दी और इसरो की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने हाल ही में प्रज्ञान रोवर द्वारा भेजी गई जानकारी का उल्लेख भी किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दिन की देश को बधाई देते हुए कहा कि आने वाले दिनों में भारत फिर से चांद पर पहुंचेगा। पीएम मोदी ने भारतीयों के अन्तरिक्ष में जाने की बात भी कही है। पीएम मोदी ने कहा, मंगलयान और चंद्रयान की सफलता और गगनयान की तैयारी ने भारत की युवा पीढ़ी को एक नया मिजाज दिया है। भारत ने हजारों साल पहले ही अन्तरिक्ष में देखना चालू कर दिया था। आने वाले 10 वर्षों में भारत की स्पेस अर्थव्यवस्था 5 गुना बढ़ जाएगी। भारत आने वाले दिनों में एक बड़ा ग्लोबल स्पेस कॉमर्शियल हब बनेगा। आने वाले कुछ वर्षों में हम चन्द्रमा पर फिर जाएंगे। शुक्र भी इसरो का लक्ष्य है। इसी अमृतकाल में भारत का अंतरिक्ष यात्री भारत के ही रॉकेट से चंद्रमा पर उतरेगा। पीएम मोदी ने कहा कि 2035 भारत का अपना स्पेस स्टेशन होगा। इसरो के मुखिया एस सोमनाथ ने भी इसरो के वैज्ञानिकों के साथ-साथ पूरे देश को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जब इसरो की सफलता के बाद 23 अगस्त को नेशनल स्पेस डे घोषित किया तो हमें बहुत प्रसन्नता हुई, हमने पहले ऐसा नहीं सोचा था। एस सोमनाथ ने प्रधानमंत्री को नए स्पेस मिशन को लेकर धन्यवाद भी दिया।

▶10 पर

पीएम मोदी नीतियां बनाते हैं और उन्हें लागू करते हैं : सोमनाथ

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका की जमकर तारीफ की। 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर सोमनाथ ने अंतरिक्ष क्षेत्र को आगे बढ़ाने की दिशा में पीएम मोदी द्वारा किए गए नीतिगत सुधारों की सराहना की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के रूप में पीएम मोदी ने न केवल अंतरिक्ष क्षेत्र में नई नीतियां बनाई हैं बल्कि उन्हें लागू भी किया है।इसरो प्रमुख ने कहा, अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद, हम एक अंतरिक्ष नीति पर काम कर रहे हैं। यह नई नीति अंतरिक्ष विभाग, इसरो और न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनए-सआईएल) की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करती है,

▶10 पर

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद का खुलासा

20% गरीब लोगों के पास भी है अपना वाहन

11 वर्षों में कितने बदले वाहन स्वामित्व के आंकड़े

राज्य	ग्रामीण इलाके		शहरी इलाके	
	11-12	22-23	11-12	22-23
पंजाब	15.5%	62.5%	14%	65.7%
यूपी	3%	34.3%	4.8%	46.4%
एमपी	4.2%	46.8%	7.2%	62%
बिहार	1.8%	19.1%	6.1%	16.8%

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) की सदस्य शमिका रवि ने बताया कि वित्त वर्ष 2012 में भारत की सबसे गरीब 20 प्रतिशत आबादी में से 6 प्रतिशत के पास खुद का वाहन था। वित्त वर्ष 2023 तक यह बढ़कर 40 प्रतिशत हो गया।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) की सदस्य शमिका रवि के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2011-12 (वित्त वर्ष 12) से वित्तीय वर्ष 2022-23 (वित्त वर्ष 23) तक 11 साल की अवधि में वाहन रखने वाले सबसे गरीब भारतीय परिवारों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। शमिका रवि ने बताया कि वित्त वर्ष 2012 में भारत की सबसे गरीब 20 प्रतिशत आबादी में से 6 प्रतिशत के पास खुद का वाहन था। वित्त वर्ष 2023 तक यह बढ़कर 40 प्रतिशत हो गया। शमिका ने राज्यवार आंकड़े भी बताए हैं।

▶10 पर

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024

खून के रिश्तेदारों के बीच फंसा सीटों का पेंच

राहुल ने अब्दुल्लाओं के लिए कहा था, रक्त-संबंधी

क्या बीच का रास्ता निकाल पाएंगे दोनों रिश्तेदार

श्रीनगर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर की यात्रा पर गए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस से गठबंधन की घोषणा के पहले अब्दुल्लाओं को अपना खून का रिश्तेदार बताया था। इसके बाद कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस में गठबंधन भी हो गया। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा भी कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा की सभी 90 सीट पर कांग्रेस के साथ गठबंधन को अंतिम रूप दे दिया गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा अब्दुल्ला के आवास पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व के साथ बैठक के बाद यह घोषणा की गई।

लेकिन रिश्तेदारों के जाते ही कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस में कम से कम 10 सीटों को लेकर मामला फंस गया। कश्मीर के कांग्रेस नेताओं ने घाटी में अपने लिए या पार्टी के लिए वे सीटें मांगी हैं जहां से वे पहले चुनाव लड़ चुके हैं लेकिन एनसी नेता यह कहकर पीछे हट रहे हैं कि पार्टी इन निर्वाचन क्षेत्रों में अपने जमीनी काम में बहुत आगे है। नेशनल कॉन्फ्रेंस उन सीटों को देने का भी विरोध कर रही है जहां उसे लगता है कि कांग्रेस की जीत की उम्मीदें अवास्तविक हैं। कांग्रेस जिन विधानसभा सीटों की मांग कर रही है उनमें श्रीनगर जिले की आठ में से पांच सीटें शामिल हैं। इसमें हजरतबल भी शामिल है, जहां एनसी ने एक उम्मीदवार को शॉर्टलिस्ट किया है। कांग्रेस जो अन्य सीटें चाहती है जिन्हें नेशनल कॉन्फ्रेंस देने में झिझक रही है, वे पुलवामा और अनंतनाग में हैं।

▶10 पर

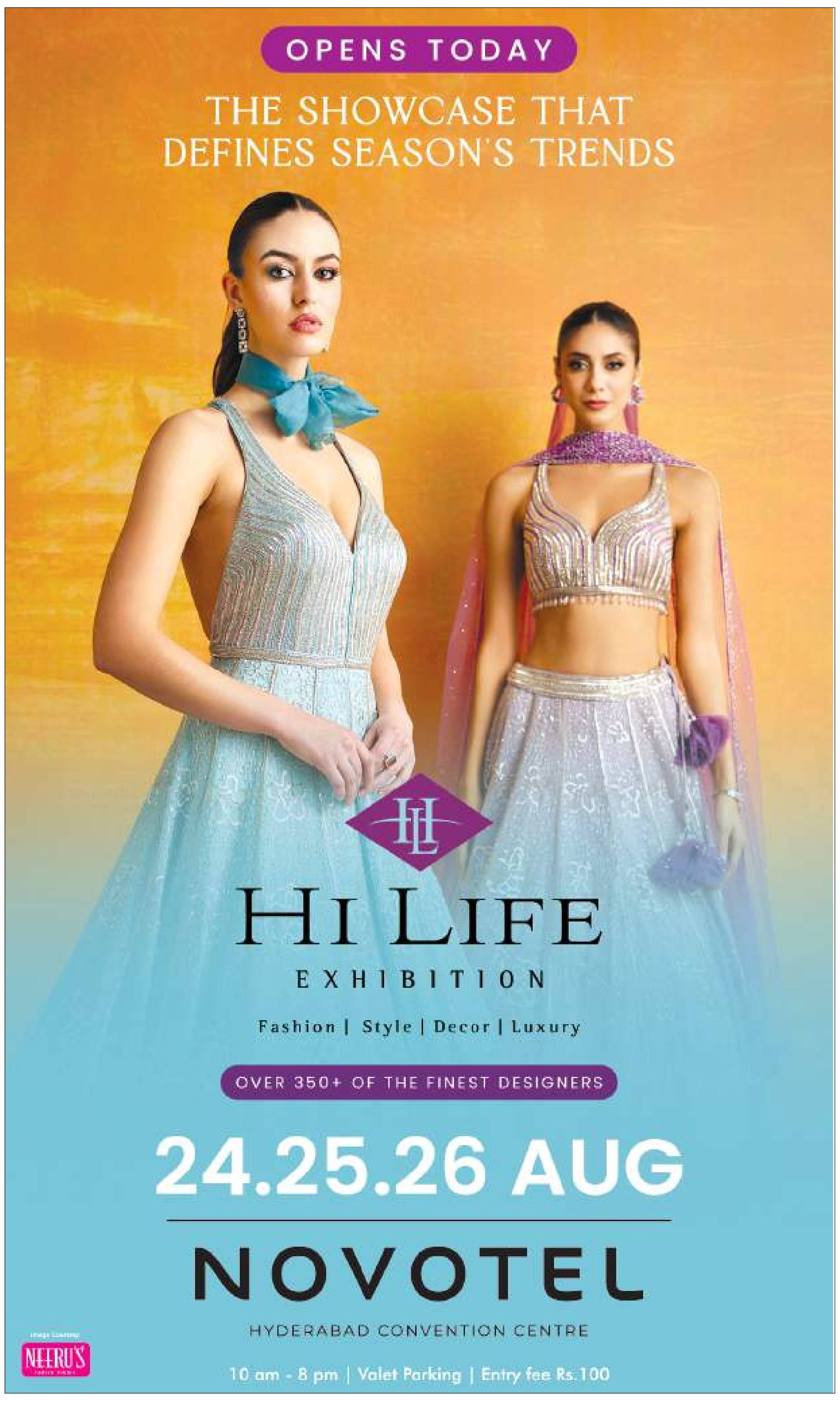

अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी से पूछे 10 सवाल

राहुल गांधी बताएं इस तरफ या उस तरफ...

कश्मीर, आरक्षण और विभाजनकारी सियासत पर घेरा

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं। तीन चरणों में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) सरीखे राजनीतिक दल गठबंधन करने का ऐलान कर चुके हैं। इन सियासी सरगर्मियों के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी से तीखे सवाल किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने भारत की राष्ट्रीय अखंडता को कई बार खतरे में डाला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सत्ता के लालच में कांग्रेस ने एक बार फिर अब्दुल्ला परिवार से गठबंधन किया है। ये दिखाता है कि उनकी नीयत ठीक नहीं है। शाह ने कहा, सत्ता के लालच में बार-बार देश की एकता और सुरक्षा से खेलने वाली कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर चुनाव में अब्दुल्ला परिवार की नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन कर अपने मंसूबों को देश के सामने रखा है। उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणा पत्र के वादों पर कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी से सोशल मीडिया मंच एक्स पर दस सवाल पूछे हैं।

गृह मंत्री शाह ने पूछे 10 सवाल

1. क्या कांग्रेस नेशनल कॉन्फ्रेंस के जम्मू-कश्मीर में फिर से अलग झंडे के वादे का समर्थन करती है?
2. क्या राहुल गांधी और कांग्रेस अनुच्छेद 370 और 35ए को वापस लाकर जम्मू-कश्मीर को फिर से अशांति और आतंकवाद के युग में धकेलने के नेशनल कॉन्फ्रेंस के निर्णय का समर्थन करती है?
3. क्या कांग्रेस कश्मीर के युवाओं के बदले पाकिस्तान के साथ वार्ता करके फिर से अलगाववाद को बढ़ावा देने का समर्थन करती है?
4. क्या कांग्रेस और राहुल गांधी पाकिस्तान के साथ सीमा पार व्यापार शुरू करने के नेशनल कांफ्रेंस के निर्णय से फिर से सीमा पार से आतंकवाद और उसके पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण करने का समर्थन करते हैं?
5. क्या कांग्रेस आतंकवाद और पत्थरबाजी की घटनाओं में शामिल लोगों के परिजनों को फिर से सरकारी नौकरी में बहाल करके आतंकवाद, दहशतगर्दी और बंद के दौर को

▶10 पर

पाकिस्तान के पंजाब में घात लगाकर किए गए हमले में 11 पुलिसकर्मियों की मौत

इस्लामाबाद ,23 अगस्त । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में डकैतों द्वारा पुलिस वाहनों पर घात लगाकर किए गए हमले में कम से कम 11 पुलिसकर्मी मारे गए और सात अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

हमला प्रांत के रहीम यार खान जिले के माचका इलाके में हुआ, जब डाकुओं ने 20 से अधिक पुलिसकर्मियों को लेकर जा रही दो पुलिस वैन पर रॉकेट से हमला किया, जो इलाके में एक चेक पोस्ट पर साप्ताहिक ड्यूटी से लौट रहे थे।

पुलिस ने कहा कि अचानक रॉकेट हमला तब हुआ जब वाहन में खराबी आ गई और पुलिसकर्मी ऑटोमोटिव मरम्मत के लिए रुके, जिससे 11 पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए।

हमले के बाद, बचाव और पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया, जहां कम से कम दो पुलिसकर्मियों की हालत गंभीर है।

घटना पर संज्ञान लेते हुए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पुलिस काफिले पर हमले की कड़ी निंदा की और हमलावरों के खिलाफ तत्काल और प्रभावी कार्रवाई का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा, पुलिसकर्मी अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना अपराधियों और आतंकवादियों से भिड़ते हैं। पूरा देश पुलिस बल के बहादुर और समर्पित अधिकारियों और कर्मियों को श्रद्धांजलि देता है।

न्यूज ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया में एयरपोर्ट पर खड़े हवाई जहाज के पंख पर चढ़े युवक ने एयर क्रू से मांगी शराब, गिरफ्तार

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न हवाई अड्डे पर उस समय अजीब हालात पैदा हो गए जब एक युवक वहां खड़े एक जहाज के पंखे पर आपातकालीन दरवाजे से चढ़कर एयर क्रू से शराब मांगने लगा। हालांकि उस युवक को सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन पर स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वह हवाई अड्डे पर खड़े एक विमान के आपातकालीन द्वार से बाहर निकलकर उसके पंख पर चलने लगा और फिर इंजन पर चढ़कर टर्मिनल पर चला गया। अधिकारियों ने कहा कि जेटस्टार फ्लाइट जेक्यू 507 सिडनी से मेलबर्न हवाई अड्डे पर पहुंची थी और टर्मिनल गेट पर खड़ी थी, तभी वह व्यक्ति विमान के निकास द्वार से बाहर चला गया। निकास द्वारा खोले जाने पर स्वचालित रूप से एक स्लाइड खुल गई, लेकिन वह व्यक्ति उससे उतरने की बजाय पंख पर चला गया और एयरबस ए320 के इंजन पर चढ़ गया। यात्री आड्रे वर्गीस ने कहा कि वहां मौजूद लोग चीखने-चिल्लाने लगे क्योंकि उस व्यक्ति ने गेट खोलने से कुछ समय पहले से ही अजीब व्यवहार शुरू कर दिया था। वर्गीस ने कहा कि जैसे ही विमान रुकने लगा वह तुरंत अपनी सीट से उठा और आपातकालीन द्वार की ओर बढ़ा। वह लोगों को धक्का देकर आगे बढ़ने लगा और आपातकालीन द्वार खोल दिया। एक अन्य यात्री ने कहा कि 90 मिनट की उड़ान के दौरान उसने वेपिंग भी पी, जिसकी अनुमति नहीं है। उसने एयर क्रू से शराब उपलब्ध कराने की भी मांग की थी।

मात्र 32 डिग्री के तापमान पर टेक्सास के लोग हुए बेहाल

टेक्सास। एक तरफ हम भारतीय खासकर उत्तर भारतीय 30-32 डिग्री सेल्सियस टेंपरेचर को सुहाना मौसम करार देते हैं, वहीं दूसरी ओर दुनिया के सबसे अमीर और विकसित देश में इतने टेंपरेचर में लोग हैरान परेशान हैं। उनके लिए यह भीषण गर्मी और उमस की स्थिति है। इस भीषण गर्मी की वजह से वहां जनजीवन काफी प्रभावित हुआ है। मांग काफी बढ़ जाने की वजह से वहां बिजली संकट पैदा हो गया है। लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है। यहां रहने वाले लोगों का शरीर इतनी गर्मी झेलने का आदि नहीं है। यहां बुधवार और गुरुवार को औसत से काफी अधिक गर्मी पड़ी। रिपोर्ट के मुताबिक गर्मी और अमस के कारण यहां की स्वास्थ्य व्यवस्था भी चरमारा गई है। इसके साथ ही टेंपरेचर संसेटिव इंडस्ट्री को भी दिक्कत हो रही है। यहां 105 से 110 डिग्री फॉरेनहाइट (करीब 40 से 41 डिग्री सेल्सियस) तक गर्मी पड़ रही है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि एक उच्च दबाव क्षेत्र बना हुआ है। इस कारण इलाके में इतनी भीषण गर्मी पड़ रही है। पूरे टेक्सास में उमस और गर्म हवाएं चल रही हैं। मंगलवार को ह्यूस्टन में तापमान 102 डिग्री फॉरेनहाइट यानी करीब 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ब्रिटेन के प्रमुख उद्योगपति माइक लिंच का शव याट के मलबे से बरामद

पलेरमो। भूमध्य सागर के सबसे बड़े द्वीप इटली के सिसिली तट पर डूबे याट के मलबे से गुरुवार को ब्रिटेन के प्रमुख उद्योगपति माइक लिंच का शव बरामद कर लिया गया। यह याट बवंडर में डूब गया था। लिंच की बेटी हन्नाह अभी भी लापता हैं। याट में चालक दल के 10 सदस्य और 12 यात्री थे। लिंच की पत्नी एंजेला बकारेस और 14 अन्य लोगों को बचा लिया गया। ब्रिटेन और संयुक्त राज्य अमेरिका के अखबारों में इस समुद्री दुर्घटना की व्यापक चर्चा की गई है। सिसिली तट इटली का स्वायत्त क्षेत्र है। इसे ट्यूनीसिया से 90 मील चौड़ा सिसली जलमडरूमध्य अलग करता है। सार्डीनिया से इसकी दूरी 272 किलोमीटर है। संचार माध्यमों के अनुसार, लिंच की लापता बेटी हन्नाह की तलाश की जा रही है। 56 मीटर लंबा यह याट द बेयसियन पोर्टिसेलो के पास खड़ा था। तभी बवंडर आ गया। माइक लिंच को हाल ही में अमेरिका में 11 अरब डालर की धोखाधड़ी मामले में बरी किया गया था। उन्हें ब्रिटेन का बिल गेट्स माना जाता था। फायर ब्रिगेड के प्रवक्ता लुका कैरी ने कहा कि हन्नाह का शव ढूंढने में समय लग सकता है, क्योंकि याट 165 फीट की गहराई पर है। इस आपदा की न्यायिक जांच शुरू कर दी गई है। जांच का नेतृत्व कर रहे एम्ब्रोगियो कार्टोसियो शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

नेपाल में यात्रियों से भरी भारत की बस नदी में गिरी, अब तक 18 की मौत

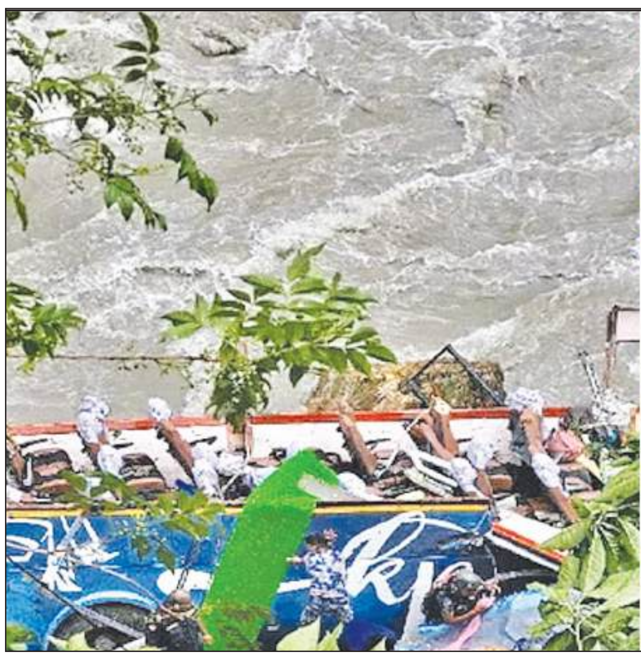

गोरखपुर/काठमांडू, 23 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य नेपाल में शुक्रवार को एक भारतीय यात्री बस के मर्सियांगडी नदी में गिर जाने से कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई। बस में 40 यात्री सवार थे। इस तरह चालक, सहचालक और कंडक्टर को मिलाकर बस में कुल 43 लोग थे। सभी यात्री महाराष्ट्र के बताए जा रहे हैं। बस ने 8 दिन के परमिट के साथ 20 अगस्त को रूपन्देही के बेलहिया चेक-पॉइंट (गोरखपुर) से नेपाल में प्रवेश किया था। दुर्घटना तनहुन जिले के आइना पहाड़ा में हुई।

सशस्त्र पुलिस बल नेपाल आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण विद्यालय के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) माधव पौडेल के नेतृत्व में 45 कर्मियों की एक टीम दुर्घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। बचाव अभियान शुरू किया जा चुका है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, 24 शव बरामद किए गए हैं। 17 को सुरक्षित बचा लिया गया है। आठ लोग अब भी लापता हैं।

जानकारी के मुताबिक, गोरखपुर से यात्रियों को लेकर नेपाल गई एक भारतीय बस शुक्रवार को हादसे का शिकार हो गई। बस पोखरा से काठमांडू जा रही थी। तनहुन के एसपी बीरेंद्र शाही ने हादसे की जानकारी दी है। स्थानीय पुलिस कार्यालय के निरीक्षक अबू खैरेनी मौके पर मौजूद हैं। सेना और सशस्त्र बलों को सूचित कर दिया गया है। बस का नंबर यूपी 53 एफटी 7623 बताया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के राहत आयुक्त ने कहा कि नेपाल की घटना के संबंध में हम यह पता लगाने के लिए संपर्क स्थापित कर रहे हैं कि क्या बस में उत्तर प्रदेश का कोई व्यक्ति था। घटना के बारे में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

इससे पहले इस साल जुलाई में नेपाल में दो बसों में सवार 65 लोग उफनती त्रिशूली नदी में बह गए थे। तब काठमांडू जाने वाली एंजेल बस और गणपति डीलक्स की बस हादसे का शिकार हुई थीं। बसें काठमांडू से रौतहट के गौर जा रही थीं। घटना क्षेत्र में भारी बारिश के बीच हुई थी।

शेख हसीना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द, उनके पूर्व मंत्री व सांसदों पर भी लटकी तलवार

ढाका, 23 अगस्त (एजेंसियां) । बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रहीं हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने हसीना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द कर दिया। शेख हसीना के पासपोर्ट को रद्द करने का कदम अन्य पूर्व नेताओं को संकट में डाल दिया है। यह फैसला उसी दिन लिया गया, जब संयुक्त राष्ट्र की एक टीम यह आकलन करने ढाका पहुंची कि देश में मानवाधिकार का उल्लंघन हो रहा है या नहीं।

मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि शेख हसीना का पासपोर्ट, पूर्व सरकार के मंत्रियों और पूर्व सांसदों के पासपोर्ट को रद्द करना होगा। अंतरिम सरकार का यह फैसला भारत के लिए एक कूटनीतिक दुविधा पैदा करता है। बता दें कि पीएम पद से इस्तीफा देने के बाद शेख हसीना बांग्लादेश से भागकर भारत आ गई थी। जहां एक तरफ भारत सरकार शेख हसीना की मेजबाजी कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ पीएम मोदी ने नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को भी अपना समर्थन देने की पेशकश की है। बता दें कि, इस महीने की शुरुआत में छात्र हिंसा के शुरू होने के बाद शेख हसीना पीएम पद से इस्तीफा देकर भाग गई थी।

इससे पहले शेख हसीना की सरकार पर बड़े पैमाने पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया गया था। संयुक्त राष्ट्र अधिकार कार्यालय ने पिछले सप्ताह एक प्रारंभिक रिपोर्ट में बताया था कि इस मामले में स्वतंत्र जांच की आवश्यकता है कि सुरक्षा बलों ने अनावश्यक बल का इस्तेमाल किया था।

मोहम्मद यूनुस से संयुक्त राष्ट्र को आश्वासन दिया कि वे जांच में हरसंभव मदद करेंगे। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री, उनके सलाहकार, पूर्व कैबिनेट मंत्री और भंग राष्ट्रीय असेंबली के सभी सदस्य अपने पदों के आधार पर राजनयिक पासपोर्ट के पात्र थे। अगर उन्हें पदों से हटाया गया हो या वे सेवानिवृत्त हो गए हैं तो उनके और उनके जीवनसाथी के पासपोर्ट रद्द करने होंगे।

ढाका के नए अधिकारियों ने कहा कि शेख हसीना और उनके कार्यकाल के पूर्व शीर्ष अधिकारी स्टैंडर्ड पासपोर्ट के लिए आवेदन कर सकते थे। बता दें कि बांग्लादेश की हिंसा में 450 से अधिक लोग मारे गए।

अमेरिका को न्यूक्लियर वॉर का डर, बाइडन ने दिया मिसाइल रेडी रखने का आदेश

न्यूयॉर्क, 23 अगस्त (एजेंसियां) । रूस,चीन और नार्थ कोरिया से अमेरिका डरा हुआ है। उसे लग रहा है कि ये तीन देशों की तिगड़ी कहीं अमेरिका पर बमों की बरिश न कर दे। यही वजह है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने परमाणु मिसाइल रेडी रखने का आदेश दिया है। इस बाबत अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मार्च महीने में ही एक बेहद गोपनीय परमाणु रणनीति योजना को मंजूरी दी थी। इसे न्यूक्लियर एम्प्लॉयमेंट गाइडेंस के नाम से जाना जाता है। रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। हालांकि, इस रिपोर्ट पर चीन ने अमेरिका को कोसा है। चीन का कहना है कि अमेरिका बार-बार चीन से परमाणु खतरे का राग अलाप रहा है, मगर हकीकत तो यह है कि दुनिया के लिए सबसे बड़ा परमाणु खतरा तो वह खुद है।

अमेरिकी की परमाणु रणनीति योजना के तहत पहली बार अमेरिका ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। माना जा रहा है कि चीन के बढ़ते परमाणु हथियारों के जखीरों से पैदा होने वाले संभावित खतरे को देखते हुए अमेरिका ने यह फैसला लिया है। अमेरिका का मानना है कि अगले एक दशक में चीन का परमाणु जखीरा अमेरिका को टक्कर देगा। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने साफ-साफ कहा है कि अमेरिका को केवल चीन, रूस और नॉर्थ कोरिया से ही न्यूक्लियर जंग का खतरा है। उसमें भी अमेरिका की सबसे बड़ी चिंता चीन है। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद अब अमेरिका और चीन में तू-तू, मैं-मैं होने लगी है। चीन को परमाणु खतरा बताए जाने पर बीजिंग ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चीनी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका खुद दुनियाभर में परमाणु खतरे का प्राइमरी सोर्स है। चीनी सरकार के मुखपत्र ने लिखा, 'अमेरिका भले ही चीन के परमाणु खतरे का रोना रो रहा है, मगर हकीकत तो यह है कि वह खुद अपना परमाणु जखीरा बढ़ा रहा है। अमेरिका अपने परमाणु जखीरे को बनाए रखने के लिए बार-बार बहाने के रूप में चीन का नाम लेता रहता है। अमेरिका चाहता है कि वह दुनियाभर में सबसे ताकतवर रहे, ताकि वह बिना किसी डर और अपनी मर्जी से दुनिया भर के देशों को धमका सके और उस पर प्रेशर बनाकर रखे। अमेरिका यह सब अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए कर रहा है।

पाकिस्तान की फिर किरकिरी, जर्मनी की मंत्री ने पीएम से मिलने से किया इनकार

इस्लामाबाद, 23 अगस्त । पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के घर पर अफरा-तफरी का माहौल दिखा। पाकिस्तान और जर्मनी के बीच एक राजनयिक तनाव पैदा होते-होत बच गया। दरअसल पीएम शहबाज अपने आधिकारिक घर पर जर्मनी की संघीय आर्थिक सहयोग और विकास मंत्री स्वेनजा शुल्जे से मिलने वाले थे। जब मंत्री शुल्जे पाकिस्तानी पीएम शहबाज के घर में जाने वाली थीं, तभी उन्हें सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों ने रोक लिया और उनसे उनका बैग वहीं छोड़ने को कहा गया ताकि वह उसे चेक कर सकें।

इस घटना का एक पत्रकार ने वीडियो बना लिया। जर्मनी की मंत्री ने इसका विरोध किया और किसी भी तरह की जांच से इनकार कर दिया। वीडियो में पाकिस्तानी अधिकारी को यह कहते हुए सुना गया कि यह प्रोटोकॉल है। जर्मनी की मंत्री इसे लेकर नाराज हो गईं और उन्होंने पाकिस्तान में जर्मन राजदूत अल्फ्रेड ग्रैनस के साथ इस मामले पर चर्चा की। फिर दोनों वहां से वापस लौटने लगे, जो दिखाता है कि जर्मनी की मंत्री शुल्जे को पीएम शहबाज से मिलने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखी।

जर्मनी के राजदूत वहां से थैंक्यू वेरी मच बाय-बाय कहकर जाने लगे। जर्मनी की मंत्री के चेहरे पर हैरानी साफ नजर आ रही थी। इसे देख पाकिस्तानी अधिकारी भी परेशान हो गए। अधिकारियों ने नरम रुख अपनाया और मंत्री को उनके बैग के साथ पीएम आवास में जाने दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैठक से पहले पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ विस्तृत बातचीत हुई थी। शुल्जे बैठक में अपने साथ एक फोटोग्राफर ले जाना चाहती थीं, लेकिन पाकिस्तानी ने इससे इनकार कर दिया था लेकिन जब पाकिस्तानी अधिकारियों ने मंत्री को अपना बैग रखने को कहा तो उन्होंने सभी रेड लाइन पार की।

पाकिस्तान की इस हरकत से एक राजनयिक संकट पैदा हो गया था लेकिन बाद में सबकुछ योजना के मुताबिक ही हुआ। पीएम शहबाज शरीफ ने करीब पूरी कैबिनेट की मौजूदगी में शुल्जे का डिनर पर इस्तकबाल किया। इस दौरान शुल्जे बैग अपने साथ ही ली हुई थीं। उल्लेखनीय है कि जर्मनी पाकिस्तान की नकदी की कमी से जूझ रही अर्थव्यवस्था के लिए अहम है, क्योंकि यह एक प्रमुख निर्यात गंतव्य है। पाकिस्तान मुख्य रूस से जर्मनी को कपड़ा, चमड़े का सामान, खेल और चिकित्सा उपकरण निर्यात करता है।

अब डोनाल्ड ट्रंप बनाम कमला हैरिस जंग आधिकारिक तौर पर कन्फर्म

डोनाल्ड ट्रंप के सामने डेमोक्रेट्स की ओर से कमला ही ठोकेंगी ताल

शिकागो, 23 अगस्त (एजेंसियां) । अमेरिकी राष्ट्रपति में अब डोनाल्ड ट्रंप बनाम कमला हैरिस जंग आधिकारिक तौर पर कन्फर्म हो गया। डोनाल्ड ट्रंप के सामने डेमोक्रेट्स की ओर से कमला हैरिस ही ताल ठोकेंगी। डेमोक्रेट्स नेशनल कन्वेंशन में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने डेमोक्रेट्स की उम्मीदवारी को स्वीकार कर लिया। कमला हैरिस रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन का सहयोग करने की प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि यदि वह राष्ट्रपति चुनी जाती हैं तो वह यूक्रेन और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के अपने सहयोगियों के साथ मजबूती से खड़ी रहेंगी। बता दें कि हैरिस की मां श्यामला गोपालन भारतीय थीं और उनके पिता डोनाल्ड जैस्पर हैरिस जमैका के नागरिक थे। अगर हैरिस निर्वाचित होती हैं, तो वह अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति होंगी।

भारतीय-अफ्रीकी मूल की कमला हैरिस ने शिकागो में गुरुवार की रात 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन' के दौरान उम्मीदवारी स्वीकार की और इसी के साथ वह राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनने वाली डेमोक्रेटिक पार्टी की दूसरी महिला नेता बन गईं। उन्होंने कहा, 'लोगों की ओर से, प्रत्येक अमेरिकी की ओर से, चाहे वह किसी भी पार्टी, जाति, या भाषा से संबंध रखता हो, मेरी मां की ओर से और उन सभी

लोगों की ओर से जिन्होंने ऐसे अमेरिकियों की ओर से अपनी असंभव यात्रा शुरू की, जिनके साथ मैं बड़ी हुई, जो कड़ी मेहनत करते हैं, अपने सपनों का पीछा करते हैं और एक-दूसरे का ख्याल रखते हैं, उन सभी की ओर से जिनकी कहानी पृथ्वी के सबसे महान राष्ट्र में ही लिखी जा सकती है, मैं उम्मीदवारी स्वीकार करती हूं।'

शिकागो के 'यूनाइटेड सेंटर' में उम्मीदवारी स्वीकार करने के लिए मंच पर आईं कमला हैरिस (59) ने कहा कि उनके लिए असंभव यात्राएं कोई नयी बात नहीं हैं। कमला हैरिस ने कहा कि उनके प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप धीर-गंभीर व्यक्ति नहीं हैं और उन्हें फिर से राष्ट्रपति बनाने के परिणाम बेहद गंभीर होंगे।इस दौरान उन्होंने सभी अमेरिकियों की राष्ट्रपति बनने की कसम खाई। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप पर तंज कसा और कहा कि वह सीरियस आदमी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वह एक ऐसी राष्ट्रपति बनेंगी, जो देश के लोगों को एकजुट करेंगी। उन्होंने कहा कि आगामी राष्ट्रपति चुनाव एक नया रास्ता बनाने का मौका है। यह किसी एक पार्टी या गुट के सदस्य के रूप में नहीं, बल्कि अमेरिकियों के रूप में आगे बढ़ने का मौका है। बता दें कि अमेरिका में 5 नवंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव है। चुनाव में कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार एवं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ी टक्कर है।

इस्लामिक उन्मादियों को उकसा रहा था कांग्रेस नेता

मिट्टी में मिला दिया गया कांग्रेस नेता हाजी अली का महल

छतरपुर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर में इस्लाम के पैगंबर मुहम्मद की बेअदबी के नाम कट्टरपंथियों की भीड़ ने बुधवार 21 अगस्त 2024 को जमकर हिंसा की। यह भीड़ बेअदबी के मामले में थाने में ज्ञापन देने गई थी, लेकिन वहां पहुंचते ही थाने पर पथराव कर दिया। इस हमले में थाना प्रभारी सहित तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। हिंसा में शामिल लोगों पर प्रशासन ने बुलडोजर की कार्रवाई की है।

हिंसा में शामिल कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व सदर मोहम्मद हाजी शहजाद अली के आलीशान बंगले को बुलडोजर लगाकर ढहा दिया गया। इसकी अनुमानित कीमत 5 करोड़ रुपए से अधिक है। हिंसा में शामिल लोगों का नेतृत्व हाजी अली ही कर रहा था। इस मामले में पुलिस ने हाजी अली सहित 50 लोगों और 200 अज्ञात लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट लिखी है। छतरपुर की अंजुमन इस्लामिया कमिटी के सदर हाजी अली के नेतृत्व में मुस्लिम भीड़ 21 अगस्त को सिटी कोतवाली थाना पहुंची थी। वहां महाराष्ट्र के अहमदनगर में महंत रामगिरि महाराज द्वारा पैगंबर पर की गई टिप्पणी के विरोध में ज्ञापन सौंपा गया। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने महंत रामगिरि पर कार्रवाई करते हुए तत्काल गिरफ्तारी की मांग की थी।

इतना ही नहीं, ज्ञापन में चेतावनी भी दी गई थी। कहा गया था कि अगर महंत रामगिरि को गिरफ्तार करके उन पर कार्रवाई नहीं की गई तो महाराष्ट्र के साथ-साथ मध्य प्रदेश में भी शांति भंग की आशंका है। इस दौरान बड़ी संख्या में मुस्लिम भीड़ कोतवाली थाने का घेराव किया। फिर भीड़ हिंसक हो गई और थाने एवं पुलिसकर्मियों पर पथराव कर दिया। इस पथराव में कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद कुजूर सहित तीन पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। इसके अलावा, थाने के वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। आखिरकार हिंसक भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। घटना सामने आने के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से बात करके आरोपितों पर कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

महाराष्ट्र के नासिक में प्रवचन के दौरान सरला द्वीप के महंत रामगिरि ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार की बात कही थी। मुस्लिम कट्टरपंथियों ने इसे ईशनिंदा और उनके पैगंबर मुहम्मद का अपमान बताकर उनके खिलाफ कई जगहों पर एफआईआर दर्ज करवाई है। इतना ही नहीं, अहमदनगर और नासिक सहित महाराष्ट्र के कई इलाकों में कट्टरपंथी मुस्लिमों की भीड़ ने सड़कों पर निकल कर हिंसा फैलाई। उन्होंने जगह लोगों पर हमला किया, दुकानों में तोड़फोड़ की और वाहनों में तोड़फोड़ एवं आग लगाई। इसको देखते हुए महाराष्ट्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अब नूपुर शर्मा मामले की तरह इसे भी कट्टरपंथियों द्वारा देश के अन्य हिस्सों फैलाने की कोशिश की जा रही है।

जिस मुद्दे पर मोदी को घेर रही थी कांग्रेस

वह रायता कांग्रेस ने ही फैलाया था

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपीएसी के उस विज्ञापन पर रोक लगाने का फैसला किया जिसके जरिए लेटरल एंट्री की अनुमति दी गई थी। असल में बिना यूपीएसी की परीक्षा दिए ही कुछ पदों पर अधिकारियों की भर्ती होनी थी। लेकिन विपक्ष ने इसे आरक्षण विरोधी फैसला बताया, एनडीए के कुछ सहयोगियों ने भी आपत्ति जाहिर की और उसी वजह से फैसला वापस लेना पड़ा। अब एनडीए सरकार को तो जरूर घेरा जा रहा है, लेकिन कांग्रेस अपने कार्यकाल को भूल चुकी है या उसे याद नहीं करना चाहती है।

असल में यूपीए 2 के दौरान ही लेटरल एंट्री के जरिए 10 फीसदी जूनियर पदों पर नियुक्ति की बात कही गई थी। यानी कि तब मनमोहन सरकार खुद ऐसा मानती थी कि इस लेटरल भर्ती के जरिए कम समय में जरूरी नियुक्तियां हो सकती हैं। उस समय तो न आरक्षण विरोधी वाला कोई नेरेटिव था और न ही कोई दूसरा बड़ा बवाल देखने को मिला। जब पुराने रिकॉर्ड खंगाले गए तो पता चला कि 2011 में मनमोहन सरकार ने ज्वाइंट सेक्रेटरी के 10 फीसदी पदों को भरने के लिए लेटरल एंट्री के जरिए भर्ती को पूरा करने का प्रस्ताव दिया था। तब छठे वेतन आयोग ने ही सुझाव दिया था कि छोटे पदों पर लेटरल एंट्री के जरिए भर्तियां की जा सकती हैं।

इसके बाद दो साल तक यह मामला ठंडा रहा, लेकिन फिर 2013 में सरकार ने छठे वेतन आयोग के सुझावों पर मंथन किया और उसी आधार पर नियुक्तियां करने पर विचार किया। सरकार के ही पुराने आंकड़े बताते हैं कि लोगों ने उस योजना को लेकर ज्यादा उत्साह नहीं दिखाया और उस समय यह लेटरल एंट्री वाली प्रक्रिया ठंडे बस्ते में चली गई। इसके बाद 2017 में फिर यही लेटरल एंट्री वाला मुद्दा सुर्खियों में आया।

मोदी सरकार ने भी इस योजना पर विचार किया और इस तरह से नियुक्तियों को हरी झंडी दिखाने का फैसला लिया। बताया गया कि 2017 में पीएमओ की एक अहम मीटिंग हुई और उसमें ही हर पहलू पर मंथन हुआ। शुरुआती दिनों में फैसला लिया गया कि इन नियुक्तियों को यूपीएसी से बाहर रखा जाएगा। यहां तक कहा गया था कि कैबिनेट सेक्रेट्री अपनी कमेटी बनाएंगे जो इस तरह की हायरिंग करेंगे। लेकिन फिर एक कानूनी पेच फंसा और सरकार को बताया गया कि नियमावली में बदलाव करने पड़ेंगे। ऐसे में मंथन करने के बाद लेटरल एंट्री के जरिए भर्ती की जिम्मेदारी यूपीएसी को ही सौंप दी गई।

2018 तक में तो ऐसे प्रपोजल चल रहे थे कि यूपीएसी एक बार में सिर्फ किसी एक ही व्यक्ति की सिफारिश ऐसी नियुक्तियों के लिए करेगी और दो अन्य को रिजर्व रखा जाएगा। लेकिन अभी के लिए ना उस योजना को हरी झंडी मिली है और ना ही लेटरल एंट्री के जरिए भर्तियां हो पाई हैं।

अयोग्य पाइलटों ने उड़ान भरी एयर इंडिया पर 90 लाख जुर्माना

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। विमानन नियामक ने टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया पर अयोग्य पायलट्स के साथ उड़ान संचालित करने के लिए 90 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

इसके अलावा इस भीषण चूक के जिम्मेदार एयर इंडिया के संचालन निदेशक पंकुल माथुर और प्रशिक्षण निदेशक मनीष वासवदा पर क्रमशः 6 लाख रुपए और 3 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा कि संबंधित पायलट को भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सावधानी बरतने की चेतावनी दी गई है। एयर इंडिया लिमिटेड ने एक गैर-प्रशिक्षित लाइन कैप्टन द्वारा संचालित एक उड़ान का संचालन कराया। उसके साथ एक गैर प्रशिक्षित प्रथम अधिकारी भी भेजा गया। नियामक ने इसे सुरक्षा की दृष्टि से एक गंभीर चूक के रूप में देखा है।

उल्लंघन के लिए, डीजीसीए ने एयर इंडिया पर 90 लाख रुपए, संचालन निदेशक पर 6 लाख रुपए और प्रशिक्षण निदेशक पर 3 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। 10 जुलाई को एयरलाइन की ओर से प्रस्तुत स्वैच्छिक रिपोर्ट के जरिए घटना के संज्ञान में आने के बाद, नियामक ने दस्तावेजों की जांच और शेड्यूलिंग सुविधा की मौके पर जांच के साथ एयरलाइन के संचालन की भी जांच की। नियामक की ओर से बताया गया कि जांच के आधार पर पता चला कि कई पदधारकों और कर्मचारियों द्वारा विनियामक प्रावधानों का उल्लंघन किया गया, जो सुरक्षा को काफी हद तक प्रभावित कर सकते हैं। डीजीसीए ने यह भी कहा कि फ्लाइट के कमांडर और एयरलाइन के पदधारकों को 22 जुलाई को जारी कारण बताओ नोटिस के जरिए अपनी स्थिति स्पष्ट करने का अवसर दिया गया था।

त्रिपुरा में बाढ़-भूस्खलन से बुरा हाल

सेना ने बचाई 330 लोगों की जान

अगरतला, 23 अगस्त (एजेंसियां)। त्रिपुरा राज्य इन दिनों भीषण बाढ़ से प्रभावित है। हालात को देखते हुए सेना और एनडीआरएफ के जवानों को राहत और बचाव कार्यों में लगाया गया है। सेना ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि उन्होंने त्रिपुरा में 330 से ज्यादा लोगों को बचाया है। साथ ही बाढ़ प्रभावित इलाकों में असम राइफल्स के जवानों की तैनाती की गई है। त्रिपुरा में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में अब तक 22 लोगों की मौत हुई है। कई लोग अभी भी लापता हैं। बाढ़ के चलते 65 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और ये लोग 450 राहत शिविरों में रह रहे हैं।

भारतीय सेना के प्रवक्ता ने बताया कि त्रिपुरा में ऑपरेशन जल राहत के तहत राहत और बचाव अभियान के दौरान 330 से ज्यादा लोगों को बचाया गया है। असम राइफल्स के 21 सेक्टर मुख्यालय के तहत आने वाली 18 असम राइफल्स की दो टुकड़ियों को बाढ़ प्रभावित अमरपुर, भामपुर, बिशलगढ़ और रामनगर में तैनात किया गया है। सात नागरिकों को चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराई गई है। वहीं बाढ़ग्रस्त इलाकों का आज सीएम माणिक साहा ने हवाई सर्वे किया। मुख्यमंत्री ने त्रिपुरा से बाढ़ग्रस्त गोमती और दक्षिण त्रिपुरा के इलाकों का दौरा किया। बाढ़ के चलते बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित होना पड़ा है। बाढ़ के हालात को देखते हुए सीएम माणिक साहा ने सभी सरकारी, निजी स्कूलों को अगले आदेश तक बंद रखने का निर्देश दिया है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा में बाढ़ की स्थिति पर गुरुवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री माणिक साहा से बात की और हर संभव मदद का भरोसा दिया। गृहमंत्री अमित शाह ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, त्रिपुरा के सीएम से बात की, और राज्य में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। केंद्र सरकार ने राहत और बचाव कार्यों में स्थानीय सरकार की मदद के लिए नावों और हेलीकॉप्टरों के अलावा एनडीआरएफ की टीमों को भेजा है। आवश्यकता पड़ने पर केंद्र से हर संभव सहायता दी जाएगी। मोदी सरकार संकट की इस घड़ी में त्रिपुरा में हमारी बहनों और भाइयों के साथ मजबूती से खड़ी है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने रफीक को नहीं दी जमानत

हिंदू महिला से रेप के बाद कराया जबरन धर्मांतरण

बेंगलुरु, 23 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने हिंदू महिला से बलात्कार करने और उसे जबरन इस्लाम में धर्मांतरण कराने के मामले में गिरफ्तार अभियुक्त को जमानत देने से इन्कार कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि गरीब हिंदू महिला का इस्लाम में धर्मांतरण गंभीर मसला है और कोर्ट ऐसे मामले में काफी मुस्तैद है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने कहा, वर्तमान मामले में, निर्दोष और गरीब महिला को बहला-फुसलाकर जबरन इस्लाम में धर्मांतरित करना एक गंभीर घटना है। इसलिए, इस तरह की घटना

से बचने के लिए, समाज को यह संदेश देना आवश्यक है कि कोर्ट ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए सतर्क हैं और समाज की निर्दोष और वंचित महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा कर रही हैं। रफीक बेपारी नाम के एक शख्स ने एक हिंदू महिला से पहले नजदीकियां बढ़ाईं और उससे दोस्ती कर ली। रफीक हिंदू महिला से कहता रहा कि वह उसे नौकरी दिला देगा। रफीक ने इसके लिए हिंदू महिला से उसके साथ चलने का दबाव डाला।

रफीक ने लगातार महिला का यौन शोषण भी किया। रफीक इसके बाद उसे जबरदस्ती अपने साथ बेलगावी ले गया और उसे एक जगह बंद कर दिया। हिंदू महिला कहीं चली ना जाए, इसलिए यहां एक और महिला की चौकीदार के रूप में तैनाती कर दी गई। महिला को यहां कई दिनों तक बंद रखा गया। हिंदू महिला का बेलगावी में भी कई बार रेप हुआ। इसके बाद रफीक निकाह के लिए ने हिंदू महिला का इस्लाम में धर्मांतरण करवा दिया। कुछ समय बाद महिला यहां से किसी तरह भाग निकली और पूरी कहानी अपने पति को बताई। इसके बाद महिला ने रफीक के विरुद्ध रेप और अवैध धर्मांतरण की एफआईआर दर्ज करवाई।

हाईकोर्ट में हिंदू महिला के वकीलों ने रफीक की जमानत याचिका का विरोध किया। उन्होंने कहा कि उसने यह जानते हुए भी महिला को इस्लाम में धर्मांतरित किया कि वह विवाहित है और उसके दो बच्चे भी हैं। कहा गया कि रफीक का महिला को इस्लाम में धर्मांतरित करना असहनीय है। रफीक ने खुद को निर्दोष बता कर जमानत मांगी। हाईकोर्ट ने कहा कि महिला ने उसकी कैद से छूट कर तुरंत ही अपने परिवार को फोन किया। यह दिखाता है कि महिला को किस प्रकार प्रताड़ना दी गई। कोर्ट ने इस मामले में रफीक को जमानत देने से मना कर दिया।

निर्माणाधीन फार्म हाउस की छत गिरने से पांच मजदूरों की मौत

इंदौर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर के पास चोरल में एक फार्म हाउस की निर्माणाधीन छत गिरने से छह मजदूर उसमें दब गए। पांच मजदूरों की मौत की सूचना है। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती करवाया है। आसपास के गांव के ग्रामीण मदद कर रहे हैं।

मौके पर मौजूद पटवारी प्रकाश सोनी ने बताया कि खसरे पर फार्म हाउस मालिक का नाम ममता पति कन्हैया लाल और अनाया पति भरत डेमला दर्ज है। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा- चोरल में निर्माणाधीन इमारत में गुरुवार को ही स्लैब डाली गई थी। रात को मजदूर उसी के नीचे सो गए। पुलिस-प्रशासन के अधिकारी मौके पर हैं। राहत कार्य जारी है। घटनास्थल पर मौजूद एसपी हीतिका वासल ने बताया कि तीन जेसीबी और एक पोकलेन की मदद से मलबा हटाया जा रहा है। अभी तक 5 शव निकाल लिए गए हैं।

इंदौर के एक वकील चोरल में यह फार्म हाउस बनवा रहे थे। फार्म हाउस बनाने के लिए सभी मजदूर इंदौर से ही वहां पर गए थे। कल दिनभर काम करने के बाद मजदूर रात में खाना खाकर निर्माणाधीन छत के नीचे ही सो गए। छत गिरने पर सभी मजदूर दब गए और रात में किसी को पता भी नहीं चला। सुबह जब गांव के कुछ लोग वहां से गुजरे तो उन्हें हादसे की जानकारी मिली। इसके बाद एंबुलेंस को बुलवाया गया और मलबा हटाने का काम शुरू हुआ। छत को लोहे के एंगल पर बनवाया जा रहा था। एंगल झुकने से छत गिर गई। लोहे के एंगल छत के सीमेंट कंक्रीट का भार नहीं सह सके, इस वजह से हादसा हुआ। इंदौर में गुरुवार को रातभर तेज बारिश भी हुई। निर्माणाधीन छत इसी वजह से गिरने की संभावना जताई जा रही है। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने मजदूरों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती करवाया है। कुछ मजदूरों को इंदौर लाया गया। हादसे में मरने वालों में पवन पांचाल, हरिओम रमेश, अजय रमेश, गोपाल बाबूलाल प्रजापति और राजा शामिल हैं।

सीबीआई छापे के नाम पर साइबर ठगों ने किया खेल

साइबर ठगों को डॉक्टर ने चार दिन में दिए 4.4 करोड़

गया, 23 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के गया जिले के चर्चित डॉक्टर से सीबीआई के नाम पर करोड़ों रुपए की ठगी का मामला प्रकाश में आया है। साइबर ठगों को करीब साढ़े चार करोड़ रुपए ट्रांसफर करने के बाद डॉक्टर को समझ में आया कि छापे के नाम पर उसके साथ धोखा हुआ है। डाक्टर ने साइबर थाने में मामला दर्ज कराया।

गया के चर्चित डॉक्टर एएन राय से साइबर ठग गिरोह ने संपर्क किया। गिरोह के सदस्यों ने कहा कि हम लोग सीबीआई से हैं। आपके खाते में बहुत पैसा है। साथ ही गिरोह के सदस्यों ने कहा मुम्बई में भी आपका बैंक अकाउंट है। आप पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज हुआ है। अगर बचना है तो पैसा इस खाता में भेज दो, नहीं तो जेल जाने के लिए तैयार रहो। साइबर गिरोह के इस बात से डॉक्टर एएन राय डर गए। जेल जाने के डर से डॉक्टर एएन राय ने 4 दिनों में 4 करोड़ 40 लाख रुपए साइबर गिरोह के द्वारा दिया गया खाता में ट्रांसफर कर दिया। जब रुपए ट्रांसफर कर दिए, तब पीड़ित डॉक्टर को समझ में आया कि वह ठगी के शिकार हो गए। ठगे जाने के बाद डाक्टर ने साइबर थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

इस संबंध में सीनियर एसपी आशीष भारती ने बताया कि गया जिले के नामचीन डाक्टर एएन राय साइबर ठगी के शिकार हो गए हैं। साइबर ठगों ने सीबीआई बनकर 4 करोड़ 40 लाख रुपए की ठगी की है। साइबर थाने में मामला दर्ज कर एसआईटी का गठन किया गया है। टीम अनुसंधान कर रही है। साइबर ठगों का कनेक्शन आंध्र प्रदेश और दिल्ली समेत अन्य राज्यों से मिल रहा है। एसआईटी टीम कार्रवाई कर रही है। जल्द ही सभी आरोपी पुलिस गिरफ्त में होंगे।

रांची का डॉक्टर इश्तियाक निकला आतंकवादी

भारत को बनाना चाहता था इस्लामिक स्टेट

नई दिल्ली/रांची, 23 अगस्त (एजेंसियां)। देश की सुरक्षा एजेंसियों को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। दिल्ली पुलिस ने रांची से एक कट्टरपंथी मुस्लिम डॉक्टर मोहम्मद इश्तियाक अहमद, को गिरफ्तार किया है, जो भारत को इस्लामिक राज्य बनाने के मंसूबे पाले हुए था। इश्तियाक अहमद को अलकायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) नामक आतंकी गिरोह का सरगना बताया जा रहा है।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, इस आतंकी गिरोह का नेटवर्क झारखंड, राजस्थान, और उत्तर प्रदेश सहित देश के कई हिस्सों में फैला हुआ था। इस बड़े आतंकी नेटवर्क के खिलाफ चलाए गए अभियान में अब तक 14 आतंकियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। डॉ. इश्तियाक अहमद, जो पेशे से एक सम्मानित डॉक्टर था, आतंकवाद की दुनिया में कैसे पहुंचा, यह अब जांच का विषय बन गया है। इश्तियाक अहमद के बारे में बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से अलकायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट के लिए काम कर रहा था और उसके मंसूबे भारत में आतंक फैलाने के साथ-साथ इसे इस्लामिक राज्य में बदलने के थे।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि इश्तियाक अहमद के नेतृत्व में इस आतंकी संगठन ने देशभर में अपने नेटवर्क को मजबूत किया और कई युवाओं को आतंकी गतिविधियों में शामिल किया। इस मामले के खुलासे के बाद, रांची समेत झारखंड और अन्य राज्यों में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां इस गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी हुई हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं– लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आज सोच–समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। अब वक़्त आ गया है कि आप अपना वज़न क़ाबू में करें और स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम का सहारा लें। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी–भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। बहन की शादी की ख़बर आपके लिए ख़ुशी का सबब लेकर आएगी। हालांकि उससे दूर होने का ख़याल आपको उदास भी कर सकता है। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। ग़लतफ़हमी या कोई ग़लत संदेश आपका गर्मजोशी भरा दिन ठण्डा कर सकता है। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

अपनी क्षमताओं को पहचानें, क्योंकि आपके अन्दर ताक़त की नहीं बल्कि इच्छा–शक्ति की कमी है। यह बात भली भांति समझ लें कि दुख की घड़ी में आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। लोगों के साथ ठीक तरह से पेश आएँ, ख़ास तौर पर उनके साथ जो आपसे प्यार करते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

बहुत ज़्यादा रोमांच और दीवानगी की ऊँचाई आपके तंत्रिका–तंत्र को नुक़सान पहुँचा सकती है। इन दिक़्क़तों से बचने के लिए अपने जज़्बात क़ाबू में रखें। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। ग़लत बातों को ग़लत वक़्त पर कहने से बचें। जिन्हें आप चाहते हैं, उनका दिल दुखाने से बचें। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। यह उन कुछ दिनों में से एक है, जब आपकी रचनात्मकता अपने चरम पर होगी। चिट्ठी–पत्री में सावधानी बरतने की ज़रूरत है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ और शिकायत करने का मौक़ा न दें। रोमांटिक मुलाक़ात आपकी ख़ुशी में तड़के का काम करेगी। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़, थोड़ी छेड़–छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अनचाहे ख़यालों को दिमाग़ पर कब्ज़ा न करने दें। शांत और तनाव–रहित रहने की कोशिश करें, इससे आपकी मानसिक दृढ़ता बढ़ेगी। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। अपनी जीवन में एक संगीत पैदा करें। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। आज के इस ख़ूबसूरत दिन प्रेम–संबंध में आपकी सभी शिकायतें ग़ायब हो जाएंगी। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। ख़ुद को एक ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा इंसान बनाएँ, जो ज़िंदगी की राह अपनी मेहनत और काम से बनता है। साथ ही इस राह में आने वाले गड्ढों और दिक़्क़तों से दिल छोटा न करें। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस–पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट–कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और अपनी योजनाओं के लिए आप पूरे सहयोग की उम्मीद कर सकते हैं। अपने लक्ष्यों का पीछा करने के लिए उम्दा दिन है। अपनी शारीरिक–ऊर्जा का स्तर ऊँचा बनाए रखें, ताकि आप जी–तोड़ मेहनत कर जल्द–से–जल्द उन्हें हासिल कर सकें। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं। इससे आपका उत्साह बढ़ेगा और उद्देश्य को पाने में सहायता मिलेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। मुश्किल दौर में आपकी जिन रिश्तेदारों ने मदद की है, उनके लिए अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करें। आपका यह छोटा–सा काम उनके उत्साह को बढ़ाएगा। कृतज्ञता जीवन की सुगंध को फैलाती है और अहसान–फ़रामोशी इसे तार–तार कर देती है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 24 अगस्त 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी प्रात: 07:54 तक
नक्षत्र : अश्विनी सायं 06:06 तक
योग : गण्ड प्रात: 06:07 तक
करण : तैतिल प्रात: 07:54 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:35 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:35 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:28 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:26 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : हल–चन्द्र षष्ठी, चांद छठ चन्द्रोदय रात्रि 10:06 से , गण्डमूल सायं 06:06 तक

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

वित्त मंत्री सीतारमण ने जीएसटी भवन का किया शुभारंभ

अधिकारियों को करदाता के प्रति सकारात्मक रहना होगा

उदयपुर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को उदयपुर में हिरण मगरी सेक्टर 14 में नवनिर्मित जीएसटी भवन का दीप प्रज्ज्वलित कर तथा फीता काटकर लोकार्पण किया। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि करदाताओं की सहूलियत के लिए 2019 से ही जीएसटी के कार्यालयों को सुविधाजनक बनाया जा रहा है। इससे करदाताओं के मन में कोई सवाल हो या कोई समस्या हो तो आसानी से जा कर उनका समाधान करा सके। उन्होंने कहा कि अधिकारी और करदाताओं के बीच माहौल सकारात्मक होने से समस्या के समाधान करने में दिक्क़त नहीं आएगी। जीएसटी कौंसिल में भी अधिकारी और मंत्री समस्याओं का तत्काल समाधान कर रहे हैं।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यहां के सीमेंट, टायर, फर्टिलाइजर्स, उद्योग और खनिज क्षेत्र का जीएसटी में बड़ा योगदान है, लेकिन अब छोटे उद्योग भी विकसित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब मोबाइल एप के आने से एक्सपोर्ट–इम्पोर्ट में मदद मिली है। उदयपुर में सबसे ज्यादा जीएसटी रेवेन्यू जिंक से आता है। इसके अलावा कोल्ड ड्रिंक और पान मसाला से भी काफी मात्रा में जीएसटी आता है। उन्होंने कहा कि जीएसटी का प्रभावी क्रियान्वयन होना चाहिए और अधिकारी करतदाता के प्रति सकारात्मक रहे, जिससे कठोर कदम उठाने की आवश्यकता ही न पड़े। उन्होंने कहा कि आज जो आइस टैब एप लांच किया है, इससे आयातक निर्यातकों को माल तत्काल भेजने में सहायता मिलेगी।

वित्त मंत्री सीतारमण ने बताया कि उदयपुर में जो ये भवन बना है उसके लिए हमने 42 करोड़ रुपये की मंजूरी दी थी, लेकिन यह लगभग 32 करोड़ रुपये में ही बन गया। उन्होंने कहा कि करदाताओं की समस्याओं का तत्काल समाधान होना चाहिए इससे शंका समस्या में नहीं बदलेगी। उन्होंने कहा कि जीएसटी अधिकारियों को ऐसी सोच रखनी चाहिए कि वो करदाताओं की मदद के लिए तत्पर रहे, जिससे व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा। प्रारंभ में केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि इस भवन में हमने करदाताओं की सुविधा के लिए प्रावधान किए हैं एवं पर्यावरण का भी ध्यान रखा गया है। उन्होंने जीएसटी संग्रहण के बारे में अवगत करवाया।

इस अवसर पर उदयपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री का विजन है कि 2047 तक विकसित भारत का सपना पूरा करने के लिए हमें तीन गुना गति से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि उदयपुर में महाराणा प्रताप को केंद्र में रखकर पर्यटन हब बनाया जाए। इसके लिए वित्तमंत्री से मदद करने का आग्रह किया। राज्यसभा सदस्य चुन्नीलाल गरासिया ने कहा कि देश में जीएसटी का संग्रहण लगातार बढ़ रहा है, जिससे देश आर्थिक उन्नति की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने वित्तमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि यह क्षेत्र खनिज का क्षेत्र है, खनिज क्षेत्र में सहयोग की आवश्यकता है। इस अवसर पर उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, उदयपुर जिला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल, महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन के लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ भी उपस्थित रहे।

दशकों पुराने मर्ज का अब तक कोई इलाज नहीं ढूंढ़ पाई भाजपा

जयपुर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश में भजनलाल सरकार को बने 8 महीनों से ज्यादा का वक्त हो चुका है लेकिन अब भी सरकार और संगठन का तालमेल मुद्दा बड़ा बना हुआ है। ये वो मर्ज है, जिसके साथ भाजपा दशकों से जूझती आई है लेकिन आज तक इसका इलाज नहीं ढूंढ पाई। सीपी जोशी गए तो उनकी जगह मदन राठौड़ आ गए लेकिन हालात नहीं बदले। नए अध्यक्ष की अगुवाई में भाजपा का सदस्यता अभियान शुरू होने से पहले ही सवालों के घेरे में आ गया।

पहले प्रदेश प्रभारी राधामोहन अग्रवाल ने भाजपा के सदस्यता अभियान की कार्यशाला में मंत्री और विधायकों की गैरमौजूदगी पर नाराजगी जताई तो कांग्रेस ने इस मुद्दे को लपक लिया और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर हमला बोल दिया। इसके बाद अभियान के लिए गठित सदस्यता टोली को लेकर भी सवाल उठे कि क्या इतने बड़े अभियान के लिए सत्ता और संगठन के बीच संवाद नहीं हुआ।

गौरतलब है कि भाजपा के नए प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने दो दिन पहले 21 अगस्त को ही सदस्यता अभियान के लिए टोली गठित की थी, इसमें अरुण चतुर्वेदी को संयोजक बनाया गया था। इनके अलावा सह संयोजक के रूप में मोतीलाल मीणा, विजेंद्र पूनिया, अनिता भदेल, निर्मल कुमावत, आईदान सिंह भाटी को शामिल किया गया था। इसके बाद 22 अगस्त की देर शाम संशोधित सूची जारी कर इसमें शक्तिसिंह कालियास का नाम जोड़ना पड़ गया। शक्तिसिंह कालियास भीलवाड़ा से आते हैं और टीम भजनलाल शर्मा का हिस्सा माने जाते हैं।

मदन राठौड़ को सीपी जोशी की जगह भाजपा की कमान सौंपे जाने का बड़ा कारण यही था कि संगठन और सरकार दोनों जगह लो प्रोफाइल नेता रहेंगे तो सामंजस्य में दिक्कत कम होगी। हालांकि सीपी जोशी भी लो प्रोफाइल माने जाते हैं लेकिन भजनलाल के सीएम बनने के बाद संगठन से सामंजस्य बिगड़ा और पार्टी धड़ों में बंटी नजर आई। इसके चलते लोकसभा चुनावों में भाजपा को राजस्थान में मुंह की खानी पड़ी। आखिर में हार का ठीकरा सीपी जोशी के सिर फूटा और उनकी अध्यक्ष पद से विदाई कर दी गई। लोकसभा चुनावों के दौरान संघ की नाराजगी के किस्से भी सामने आए। राजस्थान की बात करें तो ब्यूरोक्रेसी को लेकर संघ नाखुश है। पिछली सरकार के पॉवरफुल अफसरों को भजनलाल सरकार हिला भी नहीं पाई है। ब्यूरोक्रेसी के हावी होने के कई मामले सत्तापक्ष की तरफ से ही उठाए गए। विपक्ष ने इसे मुद्दा बनाया और सीएस को सुपर सीएम तक बताया गया।

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा

कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी थी जनता ने उखाड़ फेंका

अजमेर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। जल संसाधन कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत शुक्रवार को अजमेर पहुंचे। यहां कुछ देर के लिए अजमेर के सर्किट हाउस में रुककर मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए पूर्व कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार की जननी थी, जिसे जनता ने उखाड़ फेंका।

रावत ने कहा कि राजस्थान के तमाम अधिकारियों की काम में कोताही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राजस्थान में जल क्रांति लाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दिन में 18 घंटे आम जनता की मदद करने वाले नेता हैं। कांग्रेस के नेताओं ने जब उनकी सरकार थी, उस वक्त राज का आनंद लिया और सत्ता का सुख प्राप्त किया। लोग कहते हैं कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने घरवालों के भी मजे करा दिए। कांग्रेस भ्रष्टाचार फैलाने वाली पार्टी है। हम भ्रष्टाचार रोकने वाली पार्टी के कार्यकर्ता हैं।

सुरेश सिंह रावत ने गोविंद सिंह डोटासरा निशाना साधते हुए कहा कि डोटासरा लगातार गलत बयानबाजी करते हुए अपने नेताओं को खुश करने का काम कर रहे हैं। डोटासरा केवल आलाकमान को खुश करने के लिए जुबान खोलते हैं। रावत ने कहा कि डोटासरा ने तो एक बार अपने घर पर मिलने आए लोगों तक का अपमान कर दिया था। डोटासरा राहुल गांधी सोनिया गांधी के कहने पर बयान जारी करते हैं। किसान मुख्यमंत्री का विरोध और मजाक उड़ाने वाले डोटासरा राजस्थान के किसानों का भी मजाक उड़ा रहे हैं।

1.6 करोड़ की अवैध शराब पर चला बुलडोजर

बीकानेर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। बीकानेर जिले की जामसर पुलिस ने वर्ष 2016 से लेकर 2023 तक अवैध शराब तस्करी में पकड़ी गई शराब पर बुलडोजर चलाकर उसे नष्ट करने की कार्रवाई की। जब्त की गई शराब की कीमत करीब 1.6 करोड़ रुपए आंकी गई है, जिस पर पुलिस ने बुलडोजर चलवाकर नष्ट करवा दिया।

एसीजेएम कोर्ट संख्या 4 के निर्देश के बाद जब्त की गई शराब के निस्तारण के लिए एक कमेटी बनाई गई थी, कमेटी में शामिल सदस्य जिला आबकारी अधिकारी रश्मि जैन एसडीएम कविता गोदारा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्यारेलाल और कोषाधिकारी धीरज जोशी ने देसी शराब की 10940 और अंग्रेजी शराब की 26500 बोतलों पर बुलडोजर चलवाकर उसे नष्ट करवाया गया।

भारी मात्रा में शराब की बोतलें फूटने के बाद आसपास का इलाके में भयंकर बदबू फैल गई। इसके बाद जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर कांच के टुकड़ों को मिट्टी में दबा दिया गया। इस दौरान कार्रवाई में जामसर थाना प्रभारी रवि कुमार, आनंद सिंह, दिलावर और बलबीर शामिल रहे।

हरियाणा में डेढ़ दर्जन से अधिक भाजपा विधायकों के कटेंगे टिकट

नई दिल्ली/चंडीगढ़, 23 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीत की हैट्रिक लगाने के लिए भाजपा जीत हासिल करने की संभावना रखने वाले नेताओं के रिश्तेदारों को टिकट देने से परहेज नहीं बरतेगी। इस क्रम में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की पुत्री सहित कई नेताओं के रिश्तेदारों को टिकट मिलेगा। एंटी इन्कम्बेंसी रोकने के लिए पार्टी ने कम से कम डेढ़ दर्जन विधायकों को बेटिकट करने का मन बनाया है। उम्मीदवारों के नाम पर मंथन के लिए पार्टी के केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक रविवार को होगी।

विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारी तय करने के लिए पार्टी ने राज्य की सभी 90 सीटों का सर्वे कराया है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि सर्वे में कई विधायकों के खिलाफ जहां स्थानीय स्तर पर गहरी नाराजगी है, वहीं कई विधायक सीट के सामाजिक समीकरणों में फिट नहीं बैठ रहे। ऐसे में पार्टी नेतृत्व की योजना 15 से अधिक जीती सीटों पर नए चेहरे को मौका देने की है।

विधानसभा चुनाव में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह व कांग्रेस से भाजपा में शामिल होकर राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनी पूर्व मंत्री किरण चौधरी अपनी–अपनी पुत्रियों, केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर और सांसद धर्मवीर, कुलदीप बिश्नोई अपने–अपने पुत्रों के लिए तो रमेश कौशिक अपने भाई, विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता अपने भतीजे के लिए टिकट मांग रहे हैं। रिश्तेदारों के लिए टिकट मांगने वाले ऐसे नेताओं की संख्या एक दर्जन से कुछ ज्यादा है। हरियाणा और जम्मू–कश्मीर दोनों राज्यों के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची सोमवार को जारी होने की संभावना है। इसमें दोनों ही राज्यों की एक दर्जन सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए जाएंगे। पहली सूची में ज्यादातर दिग्गज चेहरों के नाम होंगे। गौरतलब है कि दोनों ही राज्यों में उम्मीदवारों का पैनल तैयार करने के लिए लगातार बैठकों का दौर जारी है।

आधी आबादी की राजनीति में अधूरी भागीदारी

करनाल (हरियाणा), 23 अगस्त (एजेंसियां)। कहने को सभी राजनीतिक पार्टियां महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का दावा करती हैं, लेकिन हकीकत में आज भी महिलाओं को राजनीति में अपेक्षाकृत भागीदारी नहीं मिली है। हरियाणा विधानसभा की बात करें तो वर्तमान में 90 सीटें हैं, लेकिन अब तक हुए 13 चुनावों में महज 87 महिलाओं को ही विधानसभा पहुंचने का सौभाग्य प्राप्त हो पाया है। इनमें सर्वाधिक 13 महिलाएं 2014 के चुनाव में जीतीं थीं, जबकि चार बार चार–चार महिलाएं जीतकर विधानसभा पहुंचीं।

शुरुआत से ही राजनीतिक पार्टियों ने महिलाओं की आबादी के हिसाब से उन्हें टिकट नहीं दिया। दूसरी ओर चुनावी मैदान में उतरीं सभी महिलाओं को भी जनता ने स्वीकार नहीं किया। मजबूत पारिवारिक पृष्ठभूमि वाली महिलाएं ही चुनाव जीत पाई हैं। वहीं सीटों की स्थिति पर देखें तो कलानौर सीट पर महिलाओं का वर्चस्व रहा है। 1982 से अब तक आठ बार महिला उम्मीदवार यहां से चुनाव जीतकर विधानसभा गईं हैं।

कुल मिलाकर स्थिति देखें तो 1967 से अब तक 650 महिलाएं हरियाणा विधानसभा के चुनावी मैदान में उतरीं, इनमें से 563 को हार का मुंह देखना पड़ा। इनमें से 470 की जमानत जब्त हुई। 2014 में सर्वाधिक 116 महिलाएं चुनावी मैदान में उतरीं थीं। महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण के बाद भी 2019 में महज 108 महिलाओं ने चुनाव लड़ा, लेकिन इनमें से भी नौ ही जीत पाईं।

अब तक 87 महिलाएं पहुंचीं विधानसभा

पहले चुनाव 1967 की बात करें तो उस समय आठ महिलाएं चुनावी मैदान में उतरीं, इनमें से चार को ही जीत मिली, जबकि चार को हार का सामना करना पड़ा, इनमें से भी दो की जमानत जब्त हो गई। अब 2024 के चुनाव में अभी पार्टियों ने टिकट नहीं दिए हैं, लेकिन प्रदेश में कई सीटों पर महिलाएं भी ताल ठोकते हुए विभिन्न पार्टियों से टिकट की मांग कर रही हैं।

अब तक विधानसभा पहुंचीं महिलाओं में 1967 में नग्गल से लखवती, इंद्री से प्रशन्नी देवी, कैथल से ओम प्रभा, रेवाड़ी से सुमित्रा देवी। 1968 में अंबाला से लखवती जैन, इंद्री से प्रशन्नी देवी, कैथल से ओम प्रभा, सलहावस से शकुंतला, बल्लभगढ़ से श्रद्धा रानी, रेवाड़ी से सुमित्रा देवी, लोहारू से चंद्रावती।

1972 में इंद्री से प्रशन्नी देवी, बल्लभगढ़ से श्ररुआ रानी, भद्रा से लज्जा रानी, लोहारू से चंद्रावती। 1977 में यमुनानगर से कमला देवी, अंबाला कैंट से सुषमा स्वराज, कैलाना से शांतिदेवी, बावल से शकुंतला। 1982 में करनाल से शांति देवी, नौलथा से प्रशन्नी देवी, हसनगढ़ से बनन्ती देवी, कलानौर से करतार देवी, बल्लभगढ़ से श्रद्धा रानी, बधारा से चंद्रावती, बावल से शकुंतला। 1987 में यमुनानगर से कमला वर्मा, अंबाला कैंट से सुषमा स्वराज, झज्जर से मेधावी, आदमपुर से जस्मादेवी, धरबाकलां से विद्या बैनीवाल। 1991 में इंद्री से जानकी देवी, कलानौर से करतार देवी, कैलाना से शांतिदेवी, लोहारू से चंद्रावती, डबवाली से संतोष चौहान, बावल से शकुंतला। 1996 में यमुनानगर से कमला वर्मा, कलानौर से करतार देवी, रोहत से कृष्णा गहलावत, धरबाकलां से विद्या देवी। 2000 में अंबाला शहर से वीना, कलानौर से सरिता, सलाहवस से अनिता, धरबाकलां से विद्या देवी।

2005 में यमुनानगर से कृष्णा पंडित, करनाल से सुमिता सिंह, जुंडला से मीना रानी, घरौंडा से रेखा राणा, असंध से राज रानी, नौलथा से प्रशन्नी देवी, कलानौर से करतार देवी, सलाहवस से अनिता, कलायत से गीता, बल्लभगढ़ से शारदा राठौर, बावल से शकुंतला। 2009 में करनाल से सुमिता सिंह, सोनीपत से कविता जैन, नारनौंद से सरोज, हिसार से सावित्री जिंदल, तोशाम से किरण चौधरी, कलानौर से शकुंतला, झज्जर से गीता, अटेली से अनिता यादव, बल्लभगढ़ से शारदा राठौर। 2014 में कालका से लतिका शर्मा, मुलाना से संतोष चौहान, पानीपत सिटी से रोहिता रेवड़ी, सोनीपत से कविता जैन, उचाना कलां से प्रेमलता, डबवाली से नैना चौटाला, हांसी से रेणूका बिश्नोई, तोशाम से किरण चौधरी, कलानौर से शकुंतला, झज्जर से गीता भुक्कल, अटेली से संतोष यादव, पटौदी से बिमला चौधरी, बड़खल से सीमा त्रिखा। 2019 में नारायणगढ़ से शैली, सढौरा से रेणू बाला, कलायत से कमलेश ढांडा, गन्नौर से निर्मल रानी, बाढ़ा से नैना सिंह, तौशाम से किरण चौधरी, कलानौर से शकुंतला, झज्जर से गीता भुक्कल और बड़खल से सीमा त्रिखा शामिल हैं।

सोनीपत में जज ने एसडीओ का कार्यालय सील करा दिया

सोनीपत (हरियाणा), 23 अगस्त (एजेंसियां)। सोनीपत के खरखौदा शहर के रोहतक मार्ग पर लघु सचिवालय के पीछे बने सब डिविजनल जूनियर मजिस्ट्रेट (एसडीजेएम) के सरकारी आवास की बिजली काटने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बिजली निगम के कर्मचारियों ने बिजली काट दी। न्यायिक आवास परिसर में काम करने वाले चपरासी की शिकायत पर पुलिस ने दो बिजली कर्मियों के खिलाफ सरकारी काम में बाधा पहुंचाने समेत अन्य धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है। चपरासी अनिल का कहना है कि वह एसडीजेएम विक्रांत के आवास पर तैनात है। वहां सुरक्षा में नियुक्त एसपीओ वीरेंद्र ने वीरवार रात कॉल कर उन्हें बताया कि गेट पर दो बिजली कर्मी आए हैं और अंदर आने की बात कह रहे हैं। जिस पर उन्होंने एसपीओ को उन्हें अंदर जाने देने से मना कर दिया था। उसके बाद बिजली कर्मियों ने गार्ड से फोन ले लिया और उन्हें कहा कि आवास की बिजली काटने के आदेश ऊपर से आए हुए हैं।

इसके कुछ देर बाद ही बिजली कर्मियों ने खंभे पर से जज के आवास की बिजली काट दी। चपरासी का कहना है कि बिजली कर्मियों ने यह गलत काम किया है, उन्होंने सरकारी काम में बाधा डाली है। जिससे की सरकारी कार्य करने में भी देरी हुई है। चपरासी की शिकायत पर पुलिस ने दो बिजली कर्मियों पर विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। न्यायाधीश विक्रांत ने एक मामले की सुनवाई के बाद सैदपुर पावर हाउस में एसडीओ के कार्यालय को सील करने के आदेश दिए थे। जिसके बाद रात को उनके आवास की बिजली काट दी गई।

कल मनाया जाएगा हलषष्ठी पर्व

संतान की दीर्घायु और सम्पन्नता के लिए किया जाता है यह व्रत

हलषष्ठी को लेकर असमंजस ज्योतिषाचार्यों ने दूर कर दिया है। भगवान श्रीकृष्ण के अग्रज बलदाऊजी का प्रकटोत्सव हलषष्ठी पर्व 25 अगस्त को ही मनाया जाएगा। हरछठ का व्रत संतान की दीर्घ आयु और उनकी सम्पन्नता के लिए किया जाता है। माताएं संतान की लंबी उम्र के लिए व्रत रखकर पूजा करेंगी।

बलदाऊ जी के प्रकटोत्सव पर जबलपुर कोतवाली स्थित महाकोशल क्षेत्र के इकलौते बलदाऊ जी मन्दिर में विशेष अनुष्ठान व पूजन होंगे। बलदाऊजी के अलग-अलग श्रृंगार किए जाएंगे। इनके दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगेगा। बलदाऊजी के मन्दिर में जन्माष्टमी के दूसरे दिन तक आयोजन चलेगा।

उदयातिथि से 25 अगस्त को

जबलपुर के ज्योतिषाचार्य सौरभ दुबे के अनुसार भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी 25 अगस्त को है। इसे बलराम जयंती और ललही छठ के नाम से भी जाना जाता है।

साल में तीन बार छठ का पर्व मनाया जाता है। इसमें ललही छठ, चैती छठ और कार्तिक माह में आने वाली बड़ी छठ शामिल है।

हिंदू धर्म में संतान की तरक्की, सुख-शांति के लिए छठ का पर्व खास माना गया है। ज्योतिषाचार्य दुबे के अनुसार भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि 24 अगस्त को दोपहर 12:38 बजे शुरू होगी। ज्योतिषाचार्य के

अनुसार अगले दिन 25 अगस्त को सुबह 10 बजकर 24 मिनट पर समापन होगा।

ज्योतिषाचार्य जनार्दन शुक्ला ने बताया कि सप्तमी से जुड़ी तिथि पर हलषष्ठी मनाई जाती है। इसलिए 25 अगस्त को ही हलषष्ठी व्रत मनाया जाएगा।

विशेष श्रृंगार व दर्शन होंगे

श्री बलदाऊजी मंदिर दो सदियों से जन आस्था का प्रमुख केंद्र है। हरछठ पर सुबह 8 बजे मंगला आरती होगी। 10:30 बजे राजसी वस्त्र श्रृंगार व साय काल 6 बजे शालिग्राम श्रृंगार होगा। पंचामृत भोग प्रसाद वितरण किया जाएगा 25 अगस्त को नित्य दर्शन होंगे।

26 अगस्त को जन्माष्टमी पर सुबह 8 बजे पंचामृत अर्पण, 10:30 बजे वस्त्राभूषण से श्रृंगार, सायं काल 8 बजे से 10:30 बजे तक दर्शन व 11:40 बजे से आधी रात के बाद तक कृष्ण जन्म महोत्सव मनाया जाएगा। 27 अगस्त की सुबह 10 बजे नंद महोत्सव मनाया जाएगा। झांकी बनाई जाएगी, जिसमे भगवान कृष्ण के दर्शन करने त्रिलोकीनाथ भोलेनाथ का जोगी के रूप में आगमन होगा। मुखिया पूजन कराएंगे।

आहुति देते समय क्यों बोला जाता है स्वाहा, जिसके बिना अधूरा है हवन

हिंदू धर्म में हवन को विशेष महत्व दिया गया है। गृह प्रवेश, धार्मिक कार्य या फिर किसी भी कार्य की शुरुआत से पहले हवन जरूरी रूप से किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि हवन करवाने से उस कार्य में व्यक्ति को देवी-देवताओं का आशीर्वाद मिलता है और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्व रखता है, बल्कि इससे वातावरण भी शुद्ध होता है। हवन के दौरान आहुति देते समय स्वाहा जरूर बोला जाता है, जिसका एक बहुत ही खास महत्व है। चलिए जानते हैं इस शब्द का अर्थ और महत्व।

स्वाहा का अर्थ

जब हवन किया जाता है, तो यज्ञ के दौरान हवन कुंड में हवन की सामग्री अर्पित करते समय स्वाहा शब्द का उच्चारण किया जाता है, जिसका अर्थ है सही रीति से पहुंचाना। वहीं धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अग्निदेव की पत्नी का नाम स्वाहा था, जो दक्ष प्रजापति की पुत्री थीं। इसलिए हवन कुंड में आहुति देते समय हर मंत्र के उच्चारण के बाद स्वाहा कहा जाता है और यह माना जाता है कि इससे अग्नि देव प्रसन्न होते हैं।

स्वाहा शब्द का क्या महत्व है

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हवन सामग्री का भोग अग्नि के जरिए देवताओं तक पहुंचाया जाता है। ऐसा

माना जाता है कि जब तक देवी-देवता हविष्य यानी हवन सामग्री को ग्रहण न कर लें, हवन या यज्ञ तब तक सफल नहीं माना जाता। जब हविष्य को अग्नि के द्वारा स्वाहा के माध्यम से अर्पित किया जाता है, तभी देवी-देवता इसे ग्रहण करते हैं।

यह भी है मान्यता

पुराणों में वर्णन मिलता है कि ऋग्वेद काल में अग्नि को देवता और मनुष्य के बीच के माध्यम के रूप में चुना गया था। इसलिए यह माना जाता है कि हवन के दौरान जो भी सामग्री स्वाहा के उच्चारण के साथ अग्नि देव को अर्पित की जाती है वह सीधे देवताओं तक पहुंचती है और जिस भी मंशा से वह हवन किया जा रहा है, वह पूर्ण होती है।

कई देखे होंगे देवी-देवताओं के मंदिर, लेकिन इन स्थानों पर होती है कुत्तों की पूजा

भारत के कोने-कोने में ऐसे कई धार्मिक स्थल मौजूद हैं, जिन्हें लेकर अपनी-अपनी मान्यताएं प्रचलित हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि भारत में कुछ ऐसे भी मंदिर मौजूद हैं, जहां देवी-देवताओं की नहीं, बल्कि कुत्तों की पूजा की जाती है। चलिए जानते हैं कि भारत में कहां-कहां ऐसे मंदिर स्थापित हैं।

यहां होती है कुत्तों की पूजा

कर्नाटक के रामनगर जिले के चिन्नपटना गांव में भी एक कुत्ते का मंदिर स्थापित है। यहां लोगों की मान्यता है कि कुत्तों में प्राकृतिक शक्तियां होती हैं, जिससे वह अपने मालिक को हर संकट से बचा लेते हैं। साथ ही उनमे किसी भी आपदा को पहले ही भांप लेने की भी शक्ति होती है इस मंदिर को लेकर लोगों का मानना है कि इस मंदिर में आकर कुत्तों की पूजा करने से गांव में किसी भी प्रकार की विपदा नहीं आती।

नहीं रहता कुत्ते के काटने का डर

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के एक छोटे से गांव

खपरी में कुकुरदेव मंदिर स्थापित है। असल में यह एक कुत्ते की समाधि है, जिसे लेकर यह मान्यता प्रचलित है कि यह कुत्ता अपने मालिक के प्रति आ-खिरी सांस तक वफादार था। इस मंदिर को लेकर यह भी कहा जाता है कि इस मंदिर में पूजा करने पर कुकुर खांसी रोग और कुत्ते के काटने का खतरा नहीं रहता है।

कुत्तों का होता है नामकरण

कन्नूर में स्थित पेरिसिनी मंदिर भगवान मुथप्पा को समर्पित है।

ऐसा माना जाता है कि इन देवता को कुत्तों से बहुत लगाव था। साथ ही कुत्तों को भगवान मुथप्पन का वाहन भी माना जाता हैं।

ऐसे में यदि कोई व्यक्ति कुत्तों का अनादर करता है, तो इसे भगवान मुथप्पा का अपमान समझा जाता है।

इतना ही नहीं, इस मंदिर में कुत्तों का नामकरण समारोह भी आयोजित किया जाता है। नामकरण के लिए कुत्तों के मालिक अपने पालतू जानवरों के साथ यहां आते हैं। इस दौरान पुजारी कुत्तों के कान में मंत्र बोलते हैं और उसके बाद प्रसाद देते हैं।

प्रांगण में बनी है कुत्ते की प्रतिमा

ग्रेटर नोएडा के चिपियाना बुजुर्ग गांव में भैरव बाबा के मंदिर प्रांगण में कुत्ते की प्रतिमा बनी हुई है, जिसके प्रति लोगों की विशेष आस्था है।

साथ ही मंदिर प्रांगण के पास ही एक तालाब भी बना हुआ है। इस तालाब को लेकर यह कहा जाता है कि यदि कुत्ते के काटने के बाद इस तालाब में स्नान किया जाए, तो इससे कुत्ते के काटने का असर कम हो जाता है। यहां कुत्ते की प्रतिमा की पूजा की जाती है और उसपर प्रसाद भी चढ़ाया जाता है।

6 सितंबर को मनाई जाएगी हरतालिका तीज

सुहागिन महिलाओं के लिए है महत्वपूर्ण

हिंदू धर्म में हरतालिका तीज व्रत सबसे कठिन और फलदायी व्रतों में से एक माना जाता है। यह व्रत विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए और कुंवारी कन्याएं अच्छा वर पाने के लिए रखती हैं। हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज व्रत रखा जाता है।

कहा जाता है कि इस दिन मां पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए निर्जला व्रत किया था। इस कारण हरतालिका तीज पर निर्जला व्रत रखा जाता है और पूरी रात जागकर भगवान भोलेनाथ की पूजा की जाती है। आइए, जानते हैं कि इस बार यह व्रत किस दिन रखा जाएगा।

हरतालिका तीज 2024 तिथि

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, हरतालिका तीज का त्योहार भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है, जो इस बार 5 सितंबर गुरुवार को दोपहर 12.21 बजे शुरू होगी। वहीं, इसका समापन 6 सितंबर 2024 दिन शुक्रवार को दोपहर 3 बजकर 01 मिनट पर होगा।

उदया तिथि के अनुसार, हरतालिका तीज व्रत 6 सितंबर को रखा जाएगा। पहली हरतालिका तीज पूजा का शुभ समय 6 सितंबर को सुबह 6:01 बजे से सुबह 8:32 बजे तक रहेगा।

हरतालिका तीज पूजा सामग्री

हरतालिका तीज की पूजा के लिए आप किसी नदी या तालाब के पास की मिट्टी से शिवलिंग बना सकते हैं। इसके साथ ही मां गौरी की मूर्ति भी स्थापित करें।

पूजा के लिए आपको चंदन, जनेऊ, फूल, नारियल, अक्षत, 5 पान के पत्ते, 5 इलायची, 5 सुपारी, पांच लौंग, 5 फल, दक्षिणा, मिठाई, चौकी, धतूरा फल, कलश, अभिषेक के लिए तांबे का बर्तन, दूर्वा, आक का फूल, घी, दीपक, अगरबत्ती, लोबान, कपूर, व्रत कथा पुस्तक, बेलपत्र, जातीपत्र, सेवंतिका, बांस, देवदार का पत्ता, चंपा, कनेर, अगस्त्य, भृंगराज, धतूरा, आम के पत्ते, अशोक के पत्ते, पान के पत्ते, केले के पत्ते, शमी के पत्ते आदि सामग्री की जरूरत पड़ेगी।

इन बातों का रखें ध्यान

हरतालिका तीज का व्रत बिना पानी पिए रखने की प्रथा है।

इस दिन भूलकर भी अन्न या जल का सेवन नहीं करना चाहिए।

इस खास दिन पर साफ-सफाई और पवित्रता का भी ध्यान रखना चाहिए।

इसके लिए मंदिर और घर में गंगाजल छिड़क सकते हैं।

नहीं याद रख पाते कोई बात... स्मरण शक्ति बढ़ाने के लिए प्रेमानंद महाराज ने बताया उपाय

हर कोई आज तेज दिमाग और अच्छी स्मरण शक्ति चाहता है। इसके लिए मेडिटेशन और एक्सरसाइज जैसे तरीके आजमाए जाते हैं। तेज बुद्धि न सिर्फ प्रतिष्ठा बढ़ाती है, बल्कि सफलताएं भी दिलाती है। दिमाग को तेज करने के लिए कई तरीके बताए गए हैं।

ऐसी विधियां और नियम है, जिसके जरिए याद रखने की शक्ति (समरण शक्ति) को बढ़ाया जा सकता है। एक ऐसा ही तरीका वृंदावन के प्रसिद्ध कथावाचक प्रेमानंद महाराज ने भी बताया है। उनके अनुसार, ब्रह्मचर्य का पालन कर दिमाग को तेज किया जा सकता है।

प्रेमानंद महाराज के अनुसार, दिमाग को तेज करने का सबसे कारगर उपाय ब्रह्मचर्य का पालन करना है। केवल ब्रह्मचर्य में ही इतना सामर्थ्य है जिससे स्मरण शक्ति को बढ़ाया जा सकता है। महाराज का कहना है कि ब्रह्मचर्य के अलावा पूर्व के तप से के असर से भी स्मरण शक्ति बढ़ सकती है।

प्रेमानंद महाराज कहते हैं कि यदि आप ब्रह्मचर्य का नाश करेंगे तो, आपकी स्मरण शक्ति नहीं रहेगा। इसके लिए खानपान सही रहना चाहिए, ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए और सात्विक भाव होना चाहिए। इससे आपकी स्मृति तेज हो जाएगी।

ब्रह्मचर्य पालन न करने के और क्या है नुकसान

प्रेमानंद महाराज कहते हैं कि यदि कोई ब्रह्मचर्य नष्ट करता है, तो उसकी स्मरण शक्ति नष्ट होने के साथ उत्साह और शरीर शक्ति भी नष्ट हो जाती है।

किसी भी कार्य में मन नहीं लगता है और मन अस्थिर हो जाता है। उन्होंने कहा कि मन को संयमित रखना चाहिए। इसके रोज व्यायाम करें और दौड़ना चाहिए।

1 सितंबर को है भाद्रपद शिवरात्रि

मासिक शिवरात्रि का हिंदू धर्म में अपना एक महत्व है, क्योंकि यह हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाई जाती है। इस शुभ दिन पर भक्त भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो भक्त इस दिन कठिन उपवास का पालन करते हैं, उन्हें शिव-शक्ति का पूर्ण आशीर्वाद प्राप्त होता है। वहीं, भाद्रपद माह की पहली मासिक शिवरात्रि कब मनाई जाएगी और इसकी पूजा विधि क्या है?

मासिक शिवरात्रि का शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 01 सितंबर को देर रात 03 बजकर 40 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन अगले दिन 02 सितंबर को सुबह 05 बजकर 21 मिनट पर होगा। मासिक शिवरात्रि पर निशा काल की पूजा का महत्व है। इसलिए 01 सितंबर को भाद्रपद माह की शिवरात्रि मनाई जाएगी।

शिव जी नमस्कार मंत्र

शम्भवाय च मयोभवाय च नमः शंकराय च मयस्कराय च नमः शिवाय च शिवतराय च।।

ईशानः सर्वविध्यानामीश्वरः सर्वभूतानां ब्रम्हाधिपतिमहिर्बम्हणोधपतिर्बम्हा शिवो मे अस्तु सदाशिवोम।।

पूजा विधि- भक्त सुबह उठकर स्नान करें। सुबह उठते ही उपवास का संकल्प शिव जी के समक्ष लें। एक वेदी पर शिव-पार्वती की प्रतिमा स्थापित करें और विधि अनुसार उनकी पूजा करें। पंचामृत से शिव जी का अभिषेक करें। सफेद चंदन का तिलक लगाएं। माता पार्वती को सिंदूर अर्पित करें। गाय के घी का दीपक जलाएं। खीर, सफेद मिठाई का भोग लगाएं। इसके साथ ही मदार के फूलों की माला अर्पित करें।

शिव जी को बेलपत्र अवश्य चढ़ाएं। शिव तांडव स्तोत्र और शिव चालीसा का पाठ करें। आरती से पूजा का समापन करें। पूजन में हुई गलतियों के लिए क्षमायाचना करें। व्रती अगले दिन अपने व्रत का पारण करें।

भगवान कृष्ण को क्यों कहा जाता है त्रिभंगी

हिंदू पर्व जन्माष्टमी जल्द आने ही वाला है। इसे कृष्ण जन्माष्टमी, गोकुलाष्टमी, कृष्णाष्टमी या श्रीजयंती के नाम से भी जाना जाता है, यह शुभ दिन भगवान विष्णु के आठवें अवतार भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव का प्रतीक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान कृष्ण की पूजा करने और उनके लिए व्रत रखने से जीवन की सभी बाधाओं का नाश होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, कृष्ण जन्माष्टमी भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है। इस साल यह 26 अगस्त को मनाई जाएगी।

बता दें, जन्माष्टमी का सबसे बड़ा उत्सव मथुरा, वृंदावन और द्वारका में मनाया जाता है - माना जाता है कि भगवान कृष्ण का जन्म यहीं हुआ था और उन्होंने अपना बचपन यहीं गुजारा था। वहीं, आज हम कान्हा के एक ऐसे स्वरूप की चर्चा करेंगे, जिसे आपने उनके मंदिरों में अधिकतर देखा होगा, तो चलिए जानते हैं।

श्रीकृष्ण को क्यों कहा जाता है त्रिभंगी लाल?

भगवान कृष्ण को कई नामों से जाना

जाता है, जिनकी अपनी-अपनी महिमा है। कान्हा के सबसे प्रचलित नामों में से एक त्रिभंगी लाल भी है, जिसका कारण यह है कि वे तीन जगह से टेढ़े होकर खड़े होते हैं। दरअसल, वह शरीर के तीन अलग-अलग हिस्सों यानी गर्दन, कमर और घुटने को मोड़कर खड़े होते हैं, जो उनकी कई प्रतिमा में भी देखने को मिलता है।

शरीर की यह मुद्रा एस वक्र में दिखती है। श्री कृष्ण का यह स्वरूप बेहद ही निराला है। ऐसा कहा जाता है कि उनके इस स्वरूप की पूजा करने से जीवन के सभी कष्टों का नाश होता है। साथ ही जीवन में शुभता का आगमन होता है।

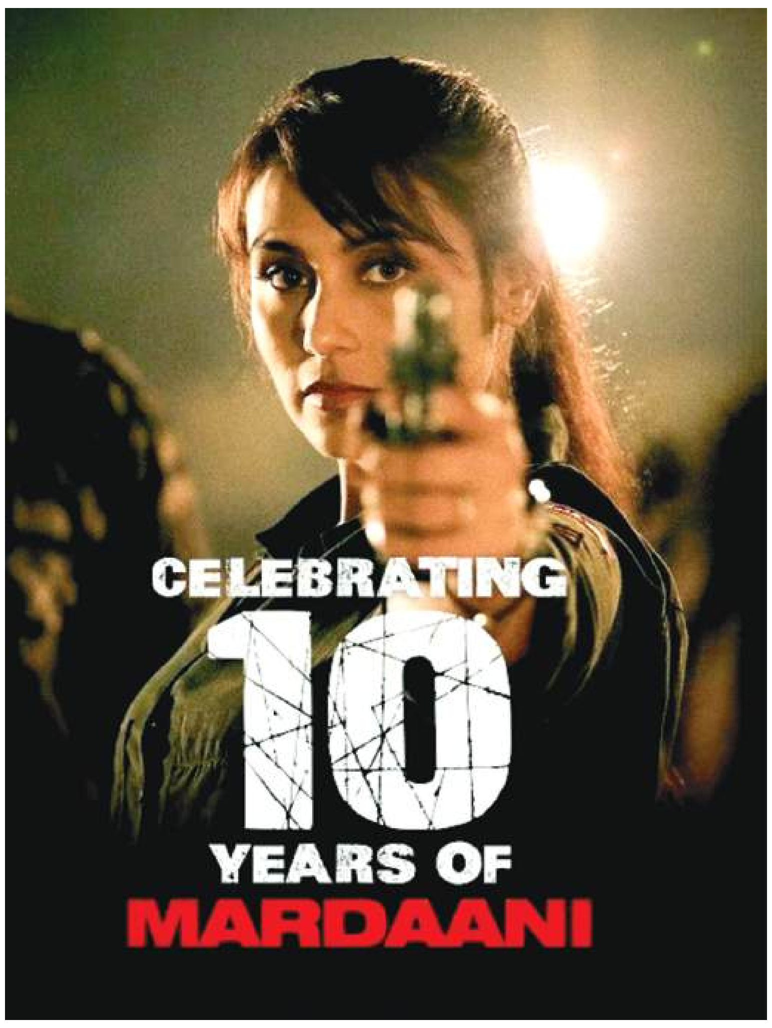

रानी मुखर्जी की मर्दानी को पूरे हुए 10 साल

यशराज फिल्म्स ने एक वीडियो शेयर कर किया मर्दानी 3 का एलान

बॉक्स ऑफिस पर स्त्री 2 की सफलता के बीच रानी मुखर्जी स्टारर मर्दानी 3 का एलान हो गया है। यशराज फिल्म्स ने मर्दानी फ्रेंचाइजी के 10 साल पूरे होने पर मर्दानी 3 की एलान किया है। रानी मुखर्ज को एक बार फिर मुंबई क्राइम ब्रांच की सीनियर इंस्पेक्टर शिवानी शिवाजी रॉय के रोल में देखा जाएगा। मर्दानी 3 का एलान कर यशराज फिल्म्स ने एक वीडियो भी शेयर किया है। मर्दानी फ्रेंचाइजी महिला लीड स्टारर फिल्मों की टॉप लिस्ट में शामिल है।

साल 2014 में यशराज फिल्म्स ने मर्दानी बनाई थी और इसके पांच साल बाद फिल्म मर्दानी 2 आई थी। अब एक बार फिर पांच साल बाद मर्दानी 3 आ रही है। यशराज फिल्म्स ने मर्दानी 3 का एलान कर एक वीडियो शेयरक किया है, जिसमें मर्दानी और मर्दानी 2 में रानी मुखर्ज का धांसू कॉप लुक में एक्शन दिख रहा है। वहीं, वीडियो के आखिर में फिल्म मर्दानी 3 का एलान किया गया है।

मर्दानी 3 का एलान कर यशराज फिल्म्स ने लिखा है, मर्दानी के 10 साल पूरे और अगले का इंतजार है, डेयरिंग शिवानी शिवाजी रॉय और मर्दानी की स्पिरिट का जश्न मना रहे हैं, एक दशक से इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद, इस प्यार की बदौलत हम दोबारा प्रेरित हो रहे हैं, रानी मुखर्जी और मर्दानी के 10 साल।बता दें, मर्दानी को प्रदीप सरकार और मर्दानी 2 को गोपी पुथरन ने डायरेक्ट किया था। अब मर्दानी 3 को कौन डायरेक्ट करेगा इसका एलान नहीं किया गया है। वहीं, फिल्म में रानी मुखर्जी के साथ-साथ कौन-कौन एक्टर्स लीड रोल में होगा इसका भी खुलासा नहीं किया गया है। रानी मुखर्जी को पिछली बार फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे (2023) में देखा गया था। फिल्म में रानी की एक्टिंग को खूब सराहा गया था।

आयशा टाकिया को डिलीट करना पड़ा अपना इंस्टाग्राम अकाउंट

इस बात से परेशान थीं वॉन्टेड एक्ट्रेस!

बॉलीवुड एक्ट्रेस आयशा टाकिया ने कई हिट फिल्मों में काम किया है और उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। फिलहाल, आयशा टाकिया ने फिल्मों से दूरी बना रखी है लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। आयशा टाकिया अपने फोटोज और वीडियोज अपने तमाम चाहने वाले फैंस के लिए शेयर करती रहती हैं। इसी बीच आयशा टाकिया के फैंस के लिए बुरी खबर है क्योंकि उन्होंने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया है। दरअसल, आयशा टाकिया को उनकी एक तस्वीर के लिए जमकर ट्रोल किया गया और इसआके बाद उन्होंने ये कदम उठाया है।

आयशा टाकिया ने ट्रोलिंग के बाद उठाया ये कदम

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से नाम कमाने वाली एक्ट्रेस आयशा टाकिया फिल्मों से दूर अपनी फैमिली के साथ लाइफ को एंजॉय कर रही हैं। आयशा टाकिया अपने से जुड़े

पोस्ट शेयर करती रहती हैं। अब आयशा टाकिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी एक सेल्फी ली और शेयर की। आयशा टाकिया ने ब्लू-गोल्डन कलर की साड़ी और गोल्ड ज्वेलरी पहनी हुई है। इसके साथ ही उन्होंने बालों को खोल रखा है और मेकअप किया हुआ है। इस सेल्फी से सामने आते ही सोशल मीडिया यूजर्स ने आयशा टाकिया को ट्रोल करना शुरू कर दिया। लोगों ने आयशा टाकिया के लुक को लेकर उन्हें जमकर निशाना बनाया है। इसके बाद उन्होंने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया है। दरअसल, अब आयशा टाकिया का इंस्टाग्राम ओपन नहीं हो रहा है, जिससे लोग कयास लगा रहे हैं कि उन्होंने ट्रोलिंग के चलते ये कदम उठाया है।

आयशा टाकिया कई बार हो चुकी हैं ट्रोल

गौरतलब है कि आयशा टाकिया अपने लुक को लेकर पहले भी कई बार ट्रोल हो चुकी है। साल 2024 की शुरुआत में आयशा टाकिया एयरपोर्ट पर स्पॉट हुई थीं और उन्हें तब भी अपने लुक को लेकर ट्रोल होना पड़ा था। इस आयशा टाकिया ने ट्रोल्स को फटकार लगाई थी। आयशा टाकिया ने कहा था कि लोगों के पास उनकी सूरत में कमी निकालने के लिए और कोई मुद्दा नहीं है। आयशा टाकिया की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने साल 2009 में फरहान आजमी के साथ शादी की थी और उनके एक बेटा है।

वेस्टर्न हो या ट्रेडिशनल हर अवतार में कहर ढाती हैं पूजा हेगड़े

बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा हेगड़े हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।एक्ट्रेस पूजा हेगड़े आए दिन अपने ग्लैमरस लुक्स से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं।

उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से छा जाता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।पूजा हेगड़े की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने बेहद ही खूबसूरत कढ़ाई दार लाल रंग की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा स्टनिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं।बालों की हाई पोनीटेल बांधकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस पूजा हेगड़े कैमरे के सामने कातिलाना अंदाज में कहर ढाती हुई नजर आ रही हैं। उनका स्टनिंग अवतार इंटरनेट पर आते ही बवाल मचा रहा है।पूजा हेगड़े जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- बेहद खूबसूरत। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है- सो हॉट एंड ग्लैमरस। तीसरे यूजर ने लिखा है- कितनी खूबसूरत हैं आप। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया लवर हैं, और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। पूजा हेगड़े की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

ध्वनि भानुशाली अभिनय की दुनिया में कदम रखने को तैयार

भारतीय सिनेमा की जानी-मानी गायिका ध्वनि भानुशाली अभिनय की दुनिया में कदम रखने को तैयार हैं।उन्होंने अपनी फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम कहां शुरू कहां खत्म है।इस फिल्म के जरिए वह बॉलीवुड में बतौर अभिनेत्री कदम रखने जा रही हैं। इस फिल्म में ध्वनि के साथ अशीम गुलाटी नजर आएंगे।इस पारिवारिक मनोरंजक फिल्म कहां शुरू कहां खत्म का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है, जिसमें ध्वनि और अशीम की जोड़ी नजर आ रही है।इस फिल्म का निर्देशन सौरभ दासगुप्ता ने किया है, वहीं लक्ष्मण उटेकर ने इसे ऋषि विरमानी के साथ मिलकर लिखा है।फिल्म कहां शुरू कहां खत्म 20 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।इस फिल्म में सुप्रिया पिलगांवकर, राकेश बेदी, सोनाली सचदेव, राजेश शर्मा, अखिलेंद्र मिश्रा, चितरंजन त्रिपाठी, विक्रम कोचर, हिमांशु कोहली और विकास वर्मा जैसे कलाकार भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।ध्वनि एक भारतीय गायिका हैं। उन्होंने अपने संगीत करियर की शुरुआत फिल्म वेलकम टू न्यूयॉर्क के गाने इश्तेहार से की थी।उन्होंने नेहा कक्कड़ के साथ दिलबर और गुरु रंधावा के साथ इशारे तेरे जैसे गाने भी गाए हैं।ध्वनि को मैं तेरी हूं, वास्ते, मुखड़ा वेख के और लेजा रे जैसे गानों के लिए जाना जाता है।पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी का लिखा हुआ गाना गरबो भी ध्वनि ने ही गाया था।

अरशद वारसी पर कमेंट कर पछताए नानी

बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी साउथ के सुपरस्टार प्रभास पर कमेंट करने के बाद बुरे फंस गए हैं। दरअसल अरशद वारसी ने समधीश के पॉडकास्ट में कहा था कि फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में प्रभास बिल्कुल जोकर लग रहे थे। अरशद वारसी ने कहा था, 'कल्कि 2898 एडी में उन्हें प्रभास को देखकर काफी बुरा लगा, वह जोकर की तरह लग रहे थे।' हालांकि अरशद के इस कमेंट के बाद फैंस का गुस्सा फूट पड़ा। केवल इतना ही नहीं साउथ के कई सितारों ने अरशद के बयान की निंदा की। एक्टर नानी का गुस्सा अरशद वारसी पर फूटा था, जिसके बाद उन्होंने अरशद वारसी पर टिप्पणी की थी। हालांकि ट्रोल होने के बाद नानी ने अपने कमेंट पर दुख जताया है।

अरशद वारसी पर भड़के थे नानी।

प्रभास पर किए कमेंट को लेकर नानी ने अरशद वारसी पर जमकर निशाना साधा था। नानी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, 'अरशद वारसी ने जो भी कुछ कहा है, उससे उन्हें पहले ही काफी पॉपुलैरिटी मिल गई है, जितनी उन्हें उनके करियर में अब तक नहीं मिल पाई है।' हालांकि नानी के इस बयान के बाद उन्हें काफी ट्रोल किया गया। जिसके बाद नानी ने अरशद से माफी मांगी और

उन्हें गले लगाने की बात कही है।

अरशद वारसी पर कमेंट करने का नानी को है पछतावा

अब ट्रोलिंग के बाद नानी ने मिड डे को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि उन्हें अपने कमेंट पर पछतावा है। नानी ने कहा कि मैंने अरशद पर जो कमेंट किया था, वह प्रभास के प्रति प्यार में कहा था। एक्टर ने आगे कहा, 'जब मैंने अरशद का पूरा इंटरव्यू देखा तो मुझे उनके कहने का मतलब समझ आया। अरशद जी बहुत अच्छे एक्टर हैं और हम सभी ने उन्हें मुन्ना भाई में खूब पसंद किया है। केवल नॉर्थ या फिर साउथ में नहीं पूरे भारत में उन्हें काफी पसंद किया गया है।' वहीं नानी ने ये भी कहा कि एक्टर होने के नाते हमें अपने शब्दों का चयन सोच समझकर करना चाहिए। इसके अलावा नानी ने कहा कि अरशद और उनके द्वारा कही गई बातों का बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री के रिश्तों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

खलनायक की शूटिंग से पहले माधुरी दीक्षित से भरवाया गया था नो प्रेग्नेंसी बॉन्ड

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त अपने प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहे हैं। संजय दत्त का नाम यूं तो कई हसीनाओं के साथ जुड़ा लेकिन उनका रिलेशन सबसे ज्यादा एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित के साथ चर्चा में रहा। रिपोर्ट्स की मानें तो संजय दत्त और माधुरी दीक्षित के प्यार की शुरुआत साल 1991 में आई फिल्म 'साजन' की शूटिंग के दौरान हुई थी। दावा किया गया कि इस फिल्म की शूटिंग के बीच संजय और माधुरी की नजदीकियां बढ़ी थीं। रिपोर्ट्स में तो ये भी कहा गया कि माधुरी के लिए संजय दत्त ने अपनी कैंसर से जूझ रही बीवी ऋचा शर्मा को विदेश में अकेले छोड़ दिया था और एक्टर खुद मुंबई आ गए थे। हालांकि माधुरी और संजय दत्त की इन नजदीकियों को देखकर बॉलीवुड डायरेक्टर्स भी घबराने लगे थे।

सुभाष घई ने संजय दत्त और माधुरी दीक्षित से साइन करवाया था नो मैरिज कॉन्ट्रैक्ट

संजय दत्त और माधुरी दीक्षित एक-साथ कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं। यह दोनों राम-लखन के साथ-साथ 'थानेदार' फिल्म में भी नजर आए। वहीं फिल्म 'खलनायक' में माधुरी और संजय की जोड़ी को काफी पसंद किया गया। लेकिन 'थानेदार' फिल्म के दौरान संजय दत्त और माधुरी दीक्षित के अफेयर की खबर लगभग हर अखबार और मैगजीन की सुर्खियां बन गई थीं। जब सुभाष घई ने माधुरी और संजय को फिल्म 'खलनायक' के लिए कास्ट किया तो डायरेक्ट को इस बात का डर सता रहा था कि कहीं ये दोनों शादी ना

कर लें। बता दें कि फिल्म 'खलनायक' में माधुरी दीक्षित जैकी श्रॉफ की प्रेमिका बनी थीं, ऐसे में सुभाष घी को डर था कि कहीं 'खलनायक' की रिलीज से पहले ही संजय और माधुरी शादी ना कर लें। क्योंकि अगर ये दोनों शादी करते तो इसका सीधा असर फिल्म पर पड़ता।

खलनायक की रिलीज से पहले माधुरी दीक्षित से भरवाया गया था नो प्रेग्नेंसी बॉन्ड

इसी डर से सुभाष घई ने 'खलनायक' की कास्टिंग के दौरान ही संजय दत्त और माधुरी दीक्षित से 'नो मैरिज कॉन्ट्रैक्ट' साइन करवाया था। इस कॉन्ट्रैक्ट के अनुसार संजय और माधुरी को फिल्म की रिलीज से पहले शादी करने की इजाजत नहीं थी। इसके अलावा सुभाष घई ने माधुरी दीक्षित से प्रेग्नेंसी बॉन्ड भी साइन करवाया था। हालांकि 'खलनायक' की रिलीज से पहले ही संजय दत्त बॉम्बे ब्लास्ट में फंस गए थे, जिसके बाद एक्टर को जेल हो गई थी और माधुरी संग उनका रिश्ता भी टूट गया था।

यूपी पुलिस में सिपाही भर्ती परीक्षा

पेपर लीक की अफवाह फैलाने वाले सपा नेता पर एफआईआर

लखनऊ, 23 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में सिपाही भर्ती की परीक्षा का पहला दिन आज सम्पन्न हो गया। परीक्षा के पहले ही पेपर लीक की अफवाह उड़ाकर अशांति फैलाने का प्रयास करने वाले समाजवादी पार्टी के नेता समेत कई लोगों पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की गई है। पुलिस भर्ती बोर्ड ने हुसैनगंज थाने में एफआईआर दर्ज करवाई है।

सिपाही भर्ती की परीक्षा को लेकर असत्य और अपमानजनक अफवाह फैलाने में लगे सपा के पूर्व मंत्री यासर शाह पर भी एफआईआर दर्ज किया गया है। साइबर सेल की टीम और एसटीएफ को जांच में लगाया गया है। भर्ती बोर्ड मीडिया सेल के प्रभारी इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार की तहरीर पर दर्ज केस में बताया गया है कि कुछ शरारती तत्व सोशल मीडिया पर पेपर लीक होने की अफवाह फैला रहे थे। अभ्यर्थियों को धोखा देकर उनसे ठगी की कोशिश कर रहे थे। टेलीग्राम अकाउंट के जरिए फर्जी प्रश्नों को वायरल कर क्यूआर कोड भेजकर रुपए की मांग की जा रही है। कई अन्य टेलीग्राम अकाउंट से भी यह फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए केस दर्ज कर टीमों को मामले की तफ्तीश में लगाया है।

फर्जी पेपर लीक भेजकर जिनकी यूपीआई आईडी रुपए लेने के लिए भेजी गई है, उनको भी केस में आरोपी बनाया गया है। इसमें शोएब नबी सोफी, हरीश कुमार भगत, मनु कुमार, कपिल और सिद्धार्थ गुप्ता शामिल हैं। डिलाइट इंटरप्राइजेज फर्म का भी क्यूआर कोड शेयर किया गया है। बैंक डिटेल की मदद से पुलिस इन सभी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। एफआईआर के मुताबिक सपा के पूर्व मंत्री यासर शाह ने अपने एक्स अकाउंट से भर्ती परीक्षा के पेपर लीक होने का असत्य व अपमानजनक पोस्ट किया। एफआईआर में यह भी दावा किया गया है कि अन्य आरोपियों की तरह यासर शाह ने भी अलग-अलग ग्रुप व अकाउंट बनाए हैं। सपा नेता क्यूआर कोड भेजकर धन उगाही करने और शासन की छवि धूमिल करने की कोशिश कर रहा था।

उधर, सिपाही भर्ती परीक्षा के दरम्यान उत्तर प्रदेश पुलिस के डीजीपी प्रशांत कुमार खुद परीक्षा केंद्रों का भौतिक निरीक्षण कर रहे थे। डीजीपी ने कहा कि एसटीएफ-इंटेलिजेंस समेत सभी एजेंसियां परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराने में जुटी रहीं। उन्होंने यह भी कहा कि पेपर लीक को लेकर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जा रही है। कहीं से भी गड़बड़ी की सूचना नहीं है।

यूपी पुलिस में सिपाही नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती के लिए प्रदेश के अलग-अलग केंद्रों पर परीक्षा हुई। प्रशासन परीक्षा को सम्पन्न कराने के लिए पूरी तरह सक्रिय रहा। यूपी डीजीपी प्रशांत कुमार खुद लखनऊ के गोमती नगर स्थित गवर्नमेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज समेत कई परीक्षा केंद्रों के सुरक्षा बंदोबस्त का जायजा लेने पहुंचे।

आज से 5 दिनों तक दोनों पालियों में परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। लखनऊ सहित अलग-अलग जिलों में आज सुबह से ही परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों की लाइन केंद्रों के बाहर लग गई। करीब सवा आठ बजे चेकिंग करने के बाद उन्हें अंदर प्रवेश करने की अनुमति दे दी गई। ई-केवाईसी और बायोमेट्रिक सत्यापन के बिना किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने नहीं दिया गया। करीब साढ़े नौ बजे प्रवेश रोक दिया गया और 10 बजे परीक्षा शुरू हो गई।

पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष राजीव कृष्ण ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन और निर्देश पर शुक्रवार से भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। सुरक्षा की समीक्षा मुख्यमंत्री खुद कर रहे हैं। सभी 67 जिलों में प्रश्न पत्र आ चुके हैं, जिन्हें ईवीएम की तर्ज पर पुख्ता सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रूम में रखा गया है। अभ्यर्थियों के आवागमन के लिए प्रदेश सरकार ने बसों में मुफ्त यात्रा का इंतजाम किया है तो रेलवे की मदद से ट्रेनों में अभ्यर्थियों के लिए अतिरिक्त बोगियां लगाई गई हैं।

परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए 2300 मजिस्ट्रेट और 25 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। जिन अभ्यर्थियों के आधार कार्ड की जानकारी उनके दस्तावेजों से मेल नहीं खा रही है, उन्हें करीब ढाई घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र पर आकर अपना ई-केवाईसी कराना होगा। परीक्षा शुरू होने के आधे घंटे पूर्व गेट बंद कर दिए जाएंगे और किसी भी सूरत में प्रवेश नहीं मिलेगा। परीक्षा केंद्रों की निगरानी के लिए पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। सभी केंद्रों में एक सुरक्षा अधिकारी भी तैनात रहेगा। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी केंद्रों का लगातार भ्रमण करेंगे। परीक्षा केंद्रों के साथ रेलवे, मेट्रो स्टेशन, बस, टैक्सी स्टैंड, होटल, रेस्टोरेंट पर भीड़ प्रबंधन की भी व्यवस्था की गयी है।

यूपी पुलिस में सिपाही की भर्ती के लिए 48 लाख से ज्यादा (48,17,441) अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। प्रदेश के 67 जिलों में 1174 केंद्रों पर लिखित परीक्षा हो रही है। 9.50 लाख अभ्यर्थी प्रत्येक दिन परीक्षा में शामिल होंगे। दूसरे प्रदेशों से भी 6.50 लाख से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा देने आए हैं।

विधानसभा उपचुनाव के लिए योगी ने कस ली कमर

लखनऊ, 23 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में खराब प्रदर्शन को लेकर सबसे ज्यादा सवाल प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ पर उठ रहे हैं। राज्य में अब उनका अगला सबसे बड़ा टेस्ट 10 विधानसभा सीटों पर होने जा रहा उपचुनाव है। उपचुनाव में अंतिम फैसला लेने के लिए योगी आदित्यनाथ ने भी अपनी कमर कस ली है। योगी ने आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी अरुण कुमार से मुलाकात की।

अरुण कुमार चाहते थे कि बुधवार की मीटिंग भाजपा दफ्तर पर हो लेकिन यह बैठक योगी के आधिकारिक आवास पर हुई। उपचुनाव में प्रत्याशी तय करने से लेकर पार्टी की रणनीति लागू करने के लिए होने वाले कार्यों में नेताओं के चयन में योगी फ्री हैंड चाहते हैं। योगी कैंप की तरफ से फ्री हैंड को लेकर दलील दी जा रही है कि लोकसभा में उनके द्वारा दिए गए सुझावों को नजर अंदाज किया गया। इन सुझावों में जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को सौंपे गए कार्यों के बारे में जानकारी, प्रचार, रणनीति और प्रत्याशियों का चयन शामिल है। योगी कैंप का कहना है कि इसी वजह से लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा का ग्राफ घटकर 33 पर आ गया। योगी कैंप का यह भी कहना है कि सीएम नहीं चाहते थे कि यूपी में भीषण गर्मी में सात चरण लंबा चुनाव चले।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ये मुद्दे पार्टी के लोगों के बीच में लखनऊ में हुई भाजपा स्टेट वर्किंग कमेटी में 15 जुलाई को उठाए थे। यहां उन्होंने पार्टी अति आत्मविश्वास की भी बात की थी। इसी दौरान केशव प्रसाद मौर्य द्वारा संगठन सरकार से बड़ा है वाला दिया गया था। इसके दो दिनों बाद सीएम योगी ने अपने मंत्रियों की साथ अपने आवास पर जब मीटिंग की तो उसमें केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और यूपी भाजपा चीफ शामिल नहीं हुई। इसी मीटिंग में सीएम योगी ने मंत्रियों को दस सीटों पर होने जा रहे उपचुनाव की जानकारी दी थी।

इसके बाद उपचुनाव को लेकर भाजपा की सेंट्रल लीडरशिप भी एक्टिव हुई है और दिल्ली में सीएम योगी और उनके दोनों डिप्टी व यूपी भाजपा चीफ के साथ मीटिंग कर चुकी है। हाल में पांच अगस्त को सीएम योगी के आवास पर एक और मीटिंग हुई थी, जिसमें दोनों डिप्टी और भूपेंद्र चौधरी शामिल हुए थे। उपचुनाव को लेकर हुई मीटिंग में भले ही योगी के दोनों डिप्टी और यूपी भाजपा चीफ भूपेंद्र चौधरी को शामिल हुए हों लेकिन सीएम ने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए कि वे उन्हें बड़े पैमाने पर बाहर रखेंगे। जिन मंत्रियों को उपचुनाव में विभिन्न सीटों की जिम्मेदारी दी गई है, उन्हें अपना काम करते रहने के लिए कहा गया है, साथ ही स्टेट प्रेजिडेंट और केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक से कहा गया है कि वो विभिन्न इलाकों में कैंप करें और हालात मॉनिटर करें।

उत्तर प्रदेश उपचुनाव को लेकर सीएम योगी के दृढ़ संकल्प का एक और संकेत यह है कि अयोध्या में मिल्कीपुर और अंबेडकर नगर में कटेहरी सीट की जिम्मेदारी उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ली है। इन दोनों सीटों को 10 सीटों में सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मिल्कीपुर विधानसभा सीट अवधेश प्रसाद के इस्तीफे से खाली हुई है जबकि कटेहरी लालजी वर्मा के। लालजी वर्मा ने भाजपा के रितेश पांडे को चुनाव में हराया।

इस महीने की शुरुआत के बाद सीएम योगी इन दोनों सीटों पर या आसपास के इलाकों में कई कार्यक्रम कर चुके हैं। अन्य विधानसभा सीटों के मामले में भी सीएम योगी ने प्रत्याशी तय करने के लिए अपने विश्वस्त लोगों से जमीनी रिपोर्ट तैयार करवाई है। अब क्योंकि यूपी में बेरोजगारी बड़ा मुद्दा है, इसको लेकर सीएम योगी रोजगार मेला पर खास तवज्जो दे रहे हैं। गुरुवार को वे दिल्ली जाने से पहले यूपी वेस्ट के मुजफ्फरनगर में थे, जहां उन्होंने मीरापुर विधानसभा में ऋण और नियुक्ति पत्र बांटे। यहां उपचुनाव होना है। सीएम योगी ऐसे ही कार्यक्रम मिल्कीपुर और कटेहरी में भी कर चुके हैं।

अगर उपचुनाव में भाजपा को नुकसान हुआ तो यह सीएम योगी की स्थिति खराब होगी। लोकसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस के मुंह खून लग चुका है। उन्होंने भी अपने सीनियर नेताओं को उपचुनाव की जिम्मेदारी दी है। जातिगत सर्वे के अलावा सपा-कांग्रेस मुस्लिम, ओबीसी और दलितों पर फोकस कर रहे हैं। जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होना है, उस सीटों में तीन गाजियाबाद, खैर और फूलपुर भाजपा के पास थीं जबकि उसकी सहयोगियों निषाद पार्टी और रालोद के पास एक-एक सीट (क्रमशः मझवान और मीरापुर) थीं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार से संत समाज नाराज

स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती | सम्पतकुमाराचार्य | रामप्रपन्नाचार्य

काशी, 23 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और हिंसा के विरोध में गुरुवार को काशी के संतों ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने भारत सरकार से हिंदुओं को बचाने की अपील की। काशी के सामने घाट स्थित श्री वैष्णव मैथ के पीठासीन अधिकारी जगद्गुरु स्वामी संपतकुमाराचार्य ने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए हिंदुओं का एकजुट होना जरूरी है। इससे पहले हिंदू जन की संरक्षा होनी अति आवश्यकता है। बांग्लादेश में हसीना सरकार के तख्तापलट हो जाने के बाद वहां की स्थिति बेहद गंभीर हो गई है। इस पर भारत सरकार को गंभीर कदम भी उठाने चाहिए।

इसी क्रम में लक्ष्मीनारायण देवस्थान ट्रस्ट रामानुजकोट के अध्यक्ष स्वामी रामप्रपन्नाचार्य ने कहा कि बांग्लादेश के मामले में धर्म और राजनीति नहीं मानवता की जरूरत है। भारतवासियों का दिल काफी विशाल है। ऐसे में भारत सरकार को चाहिए कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ सख्त कदम उठावे। भारत का हर सनातनी उनके साथ खड़ा है।

औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित किए जाएंगे रूफटॉप सोलर प्लांट, ग्रीन बेल्ट्स और सोलर पथ

कानपुर/लखनऊ, 23 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा दे रही योगी सरकार की इस पहल से न सिर्फ पर्यावरण को लाभ हो रहा है, बल्कि सरकारी विभागों के विद्युत खपत पर होने वाले खर्च में भी बड़ी राहत मिली है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) भी ग्रीन एनर्जी के उपयोग को और विस्तार दे रहा है। यूपीसीडा ने अपने कानपुर मुख्यालय में रूफ टॉप सोलर प्लांट की सफलता को देखते हुए अब अपने अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी रूफ टॉप सोलर प्लांट, ग्रीन बेल्ट्स और सोलर पथ बनाने की योजना तैयार की है। योजना के अनुसार, प्राधिकरण ने अपने औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित विभिन्न सार्वजनिक सुविधाओं जैसे प्रशासनिक भवनों, नागरिक केंद्रों, कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी), ट्रांजिट हॉस्टल, कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट्स (सीईटीपी) और क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालयों पर सोलर रूफटॉप प्लांट्स लगाने का प्रस्ताव रखा है। उल्लेखनीय है कि कानपुर मुख्यालय में रूफ टॉप सोलर प्लांट के माध्यम से प्राधिकरण ने पिछले कुछ महीनों में कुल 27.35 लाख रुपए की बिजली बिल में बचत की है। प्राधिकरण का आकलन है इस पहल से अगले 23 वर्षों में यूपीसीडा को लगभग 1104 लाख रुपए की शुद्ध बचत हो सकेगी।

कार्बन उत्सर्जन को कम करने और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए यूपीसीडा ने जनवरी 2024 में अपने मुख्यालय कानपुर में 150 किलोवाट का सोलर रूफटॉप ऑनबिड प्लांट स्थापित किया था। यह परियोजना उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) की सहायता से कैपेक्स मॉडल पर 82.98 लाख रुपए की लागत से पूरी की गई थी। इस सोलर प्लांट के स्थापित होने के बाद से प्राधिकरण ने जनवरी और फरवरी 2024 में 35 प्रतिशत ऊर्जा की बचत की, जबकि मार्च 2024 में 32.42 प्रतिशत, अप्रैल और मई 2024 में 56.92 प्रतिशत और जून-जुलाई 2024 में 34.95 प्रतिशत की ऊर्जा बचत दर्ज की गई।

इस तरह, कुल लागत का लगभग 33 प्रतिशत पहले ही रिकवर किया जा चुका है। इस परियोजना के तहत, लगभग दो वर्षों में प्राधिकरण को लगभग पूरी लागत वसूल हो जाएगी, जबकि इन सोलर पैनलों की समय सीमा अवधि लगभग 25 वर्ष है। इस प्रकार, अगले 23 वर्षों तक यह सोलर प्लांट यूपीसीडा को लगभग 1104 लाख रुपए की शुद्ध बचत प्रदान करने में मदद करेगा।

ग्रीन एनर्जी के विस्तार को लेकर यूपीसीडा की योजना के अनुरूप विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में यूपीनेडा की सहायता से किए गए सर्वेक्षण में 53 महत्वपूर्ण स्थानों की पहचान की गई है, जिनका कुल विद्युत भार लगभग 2000 किलोवाट है। इनमें एमजी रोड (हापुड़), बेगराजपुर (सिकंदराबाद), सूरजपुर साइट-बी (गौतम बुद्ध नगर), साइट 5 कासना (सूरजपुर), सिकंदराबाद (बुलंदशहर), ईपीआईपी कासना, टीडीएस सिटी (बागपत), फाउंड्री नगर (आगरा), कोसी कोटवान (मथुरा), भोगांव (आगरा), चिनहट (लखनऊ), रायबरेली, सण्डीला (हरदोई), कुर्सी रोड (बाराबंकी), जैनपुर (कानपुर देहात), मलवान (फतेहपुर), नैनी (प्रयागराज), करखियांव (वाराणसी), बरगढ़ (चित्रकूट), उन्नाव, बंथर, परसाखेडा (बरेली), गजरौला-2 (जेपी नगर) और शाहजहांपुर जैसे स्थान शामिल हैं। इसके अलावा, यूपीसीडा अपने औद्योगिक क्षेत्रों में ग्रीन बेल्ट्स के साथ सोलर पथ मार्ग बनाने की भी योजना बना रहा है।

ये पथ मार्ग न केवल बाहरी स्थानों की सुंदरता को बढ़ाएंगे, बल्कि एक स्थायी प्रकाश समाधान भी प्रदान करेंगे, जो बिजली ग्रिड पर निर्भर नहीं करता है। यह सोलर पथ मार्ग पार्क, खेल के मैदान और आसपास के रास्तों के लिए आदर्श होंगे, जो पर्यावरणीय स्थिरता और औद्योगिक क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण में योगदान देंगे।

यूपीसीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी मयूर माहेश्वरी ने बताया की भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की सौर ऊर्जा नीति 2022 के अनुरूप प्राधिकरण मुख्यालय कानपुर, समेत समस्त क्षेत्रीय कार्यालयों व परियोजना इत्यादि में भी सोलर रूफटॉप प्लांट जल्द स्थापित करेगा। साथ ही यूपीसीडा औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित इकाइयों के उद्यमियों को भी अपनी फैक्ट्री में सोलर रूफटॉप लगाने व उससे होने वाले लाभ के संबंध में जागरूक करते हुए उनको अपनी इकाइयों मैं सोलर प्लांट लगाने के लिए प्रेरित कर रहा है। इसके परिणामस्वरूप उद्यमी इस ओर आकर्षित भी हो रहे हैं। इससे विद्युत बिल तो कम होंगे ही साथ ही साथ ऊर्जा उत्पादन में भी योगदान बढ़ेगा

सात लाख रिश्वत लेकर ड्रग तस्करों को छोड़ दिया

एसपी ने थाने में मारा छापा, दीवार फांदकर भागा इंस्पेक्टर

बरेली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। बरेली के फरीदपुर थाना प्रभारी रामसेवक ने तीन स्मैक तस्कर पकड़ने के बाद उनमें से दो को सात लाख रुपए लेकर छोड़ दिया। तीसरे के थाने में बंद रहने के दौरान उसके करीबियों की आवाजाही से मामला चर्चा में आ गया।

इसकी खबर एसएसपी अनुराग आर्य तक पहुंची तो उन्होंने बृहस्पतिवार सुबह-सुबह एसपी दक्षिणी और सीओ को जांच करने थाने भेजा। छापा पड़ते ही इंस्पेक्टर दीवार फांदकर एक दलाल के साथ भाग निकला। तलाशी के दौरान उसके आवास से 9.96 लाख रुपए बरामद किए गए। इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया गया है। रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई है।

फरीदपुर पुलिस ने बुधवार रात गांव नवदिया अशोक निवासी आलम व नियाज अहमद सहित तीन लोगों को स्मैक तस्करी के आरोप में पकड़ा था। उनके पकड़ते ही गिरोह सरगना व अन्य साथी सक्रिय हो गए। उन्होंने रात में ही इंस्पेक्टर रामसेवक से उन्हें छोड़ने की बात की। दो लोगों को छोड़ने का सौदा सात लाख रुपए में तय हुआ। तीसरा व्यक्ति रुपए नहीं दे पाया तो उसे इंस्पेक्टर ने नहीं छोड़ा। सात लाख रुपए लेने के बाद आलम और नियाज को रात में ही छोड़ दिया।

इंस्पेक्टर की कारस्तानी की जानकारी थाने के ही किसी कर्मचारी ने एसएसपी अनुराग आर्य को दे दी। उन्होंने बृहस्पतिवार सुबह पहले सीओ गौरव सिंह और फिर एसपी दक्षिणी मानुष पारीक को थाने भेजा। इंस्पेक्टर के कार्यालय पर अधिकारी अपनी टीम के साथ तलाशी लेने लगे तो वह मौका पाकर एक दलाल के साथ थाने से फरार हो गया।

एसपी दक्षिणी ने इंस्पेक्टर कार्यालय के ठीक पीछे बने आवास की तलाशी ली। यहां एक जगह सात लाख तो दूसरी जगह से करीब 2.96 लाख रुपए बरामद किए गए। सीओ ने भ्रष्टाचार संबंधी धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताते हैं कि इंस्पेक्टर सरकारी मोबाइल फोन भी अपने साथ ले गया।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि शिकायत पर तलाशी ली गई तो फरीदपुर इंस्पेक्टर के कमरे से करीब 9,96,000 रुपए बरामद किए गए हैं। इंस्पेक्टर की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई है।

सीएम योगी ने उपराष्ट्रपति से की शिष्टाचार भेंट

उप राष्ट्रपति ने यूपी के विकास मॉडल की सराहना की

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को दिल्ली में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से शिष्टाचार भेंट की। सीएम योगी ने सुबह उप राष्ट्रपति के आवास पर पहुंचकर उनका हालचाल जाना। वहीं उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सीएम योगी की सराहना की। उप राष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के विकास मॉडल की प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, माननीय उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने के लिए आपका हार्दिक आभार। दूसरी तरफ, उपराष्ट्रपति के एक्स हैंडल से भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मुलाकात की फोटो पोस्ट करते हुए जानकारी दी गई। गौरतलब है कि विगत वर्ष भी उप राष्ट्रपति ने सीएम योगी के नेतृत्व में सुदृढ़ हुई उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि कानून व्यवस्था में उत्तर प्रदेश दुनिया में रोल मॉडल बन गया है। उप राष्ट्रपति ने सीएम को पर्सन ऑफ एक्शन का सिंबल भी बताया था।

उम्मीद है कि कबड्डी 2036 ओलंपिक का हिस्सा होगा : पोलैंड कबड्डी महासंघ अध्यक्ष स्पिज़्को

वारसॉ, 23 अगस्त (एजेंसियां)। पोलैंड के कबड्डी महासंघ के अध्यक्ष मिशल स्पिज़्को को उम्मीद है कि कबड्डी ओलंपिक 2036 का हिस्सा होगा। मिशल स्पिज़्को ने यह भी उम्मीद जताई कि पीएम मोदी को 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत पर दबाव डालना चाहिए और इस टूर्नामेंट में कबड्डी जैसे स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देना चाहिए। कबड्डी के माध्यम से भारत और पोलैंड के बीच संबंध के बारे में बात करने के एक दिन बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वारसॉ में पोलैंड के कबड्डी महासंघ के अध्यक्ष मिशल स्पिज़्को और इसके बोर्ड सदस्य अन्ना कलबास्र्की से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद स्पिज़्को ने कहा, मैंने उनसे बहुत सकारात्मक ऊर्जा महसूस की। उन्हें इस बात पर बहुत गर्व था कि अहमदाबाद में स्टेडियम बनाने की जिम्मेदारी उन्हीं की थी, क्योंकि वे गुजरात से हैं और इसी स्टेडियम में मैंने 2016 में अहमदाबाद में हुए विश्व कप के दौरान खेला था। मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे व्यक्ति का इस पद पर होना, भारत को हर खेल में मजबूत बनाने का एक शानदार अवसर है। भारत को 2036 के ओलंपिक खेलों के लिए प्रयास करना चाहिए और मुझे उम्मीद है कि कबड्डी इस ओलंपिक में शामिल होगी।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पोलैंड में कबड्डी को आगे बढ़ाने और यूरोप में खेल को लोकप्रिय बनाने के लिए उनके समर्पण के लिए स्पिज़्को और कलबास्र्की की सराहना की। उन्होंने भारत और पोलैंड के बीच द्विपक्षीय संबंधों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में खेलों की भूमिका पर प्रकाश डाला। इससे पहले, वारसॉ में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पोलैंड और भारतीयों का कबड्डी के माध्यम से भी संबंध है।

प्रधानमंत्री ने कहा, आप जानते हैं कि भारत के हर गांव में कबड्डी खेली जाती है। यह खेल भारत से पोलैंड पहुंचा और पोलैंड के लोगों ने कबड्डी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। पोलैंड लगातार दो वर्षों से यूरोपीय कबड्डी चैंपियन रहा है। मुझे बताया गया है कि 24 अगस्त से फिर से कबड्डी चैंपियनशिप होने जा रही है और पहली बार पोलैंड इसकी मेजबानी कर रहा है। मैं आपके माध्यम से पोलिश कबड्डी टीम को अपनी शुभकामनाएं देना चाहता हूं।

उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय विविधता के साथ जीना जानते हैं और उसका जश्न मनाना भी जानते हैं। पोलैंड की पुरुष राष्ट्रीय टीम ने अहमदाबाद में 2016 कबड्डी विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। उनका शानदार पल तब आया जब उन्होंने प्रारंभिक ग्रुप मैच में तत्कालीन विश्व चैंपियन ईरान को हराया।

भारत की प्रो कबड्डी लीग में दो पोलिश खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है। पोलिश स्टार डिफेंडर मिशल स्पिज़्को प्रो कबड्डी लीग में खेलने वाले पहले यूरोपीय खिलाड़ी थे, जब उन्हें 2015 में बेंगलुरु बुल्स ने खरीदा था। वह प्रतियोगिता के 2016 संस्करण में भी टीम के साथ थे। 2023 की खिलाड़ी नीलामी में बेंगलुरु बुल्स द्वारा चुने जाने के बाद पियोट्र पामुलक प्रो कबड्डी लीग में खेलने वाले दूसरे पोलिश खिलाड़ी बन गए।

न्यूज़ ब्रीफ

लुसाने डायमंड लीगः भाला फेंक फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे नीरज चोपड़ा

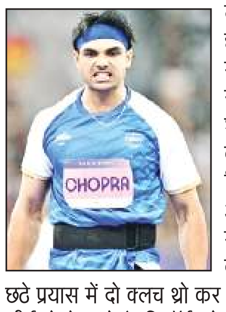

नई दिल्ली। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 89.49 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करके लुसाने डायमंड लीग में दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने 90.61 मीटर का शानदार फाइनल थ्रो करके शीर्ष स्थान हासिल किया। नीरज ने रात के अधिकांश समय 83 मीटर की रेंज में थ्रो करने के बाद, पांचवें और छठे प्रयास में दो क्लच थ्रो कर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में शीर्ष दो में रहने के रिकॉर्ड को बरकरार रखा। 26 वर्षीय नीरज ने 82.10 मीटर, 83.21 मीटर और 83.13 मीटर की थ्रो के साथ शुरुआत करते हुए संघर्ष किया। इससे अधिक ऊंचाई तक पहुंचने में उनकी असमर्थता का मतलब था कि पीटर्स, जूलियन वेबर, आर्टुर फेलनर और रोडरिक डीन जेनकी जैसे खिलाड़ी उनसे आगे निकल गए। थ्रो के चौथे राउंड के अंत तक नीरज चौथे स्थान पर थे। इसके बाद मौजूदा विश्व चैंपियन ने पांचवें प्रयास में 85.58 मीटर थ्रो करके शीर्ष तीन में जगह बनाई, जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि वह अंतिम थ्रो के लिए प्रतिस्पर्धा में बने रह सकते हैं। पिछली बार नीरज शीर्ष तीन से बाहर 2018 में ज्यूरिख में डायमंड लीग में रहे थे। पीटर्स ने 90.61 मीटर का बड़ा थ्रो करके अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अंतिम के लिए बचाकर रखा, जो उनका इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ और मीट रिकॉर्ड है। वेबर अपने अंतिम थ्रो में केवल 82.33 मीटर ही फेंक पाए। नीरज ने अंतिम थ्रो में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया, लेकिन भाला 90 मीटर के निशान से थोड़ा कम रह जाने के कारण वे निराश हो गए। उनका 89.49 मीटर का थ्रो उनके इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ और अब तक का उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है, लेकिन वे एक बार फिर 90 मीटर के निशान से चूक गए।

मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच दो सितंबर को लखनऊ में मुकाबला, सीएम योगी के पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली। लखनऊ पहली बार देश के नामी फुटबाल क्लबों मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच मैच की मेजबानी को तैयार है। परंपरागत प्रतिद्वंद्वियों के बीच होने वाला यह मुकाबला दो सितंबर को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। प्रदेश के खेल निदेशक आरपी सिंह ने बताया कि कृत्रिम रोशनी में होने वाले हाईवोल्टेज मैच के लिए तैयारियां पूरे जोरों पर हैं। प्रदेश में फुटबाल के बढ़ावे के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी मैच देखने के लिए आने की संभावना है। दस हजार से ज्यादा दर्शकों के स्टेडियम में उपस्थित होने की उम्मीद है। खेल निदेशक ने बताया कि अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में मुलाकात की थी और उत्तर प्रदेश में फुटबाल को बढ़ावे को लेकर बातचीत हुई थी। एआईएफएफ ने मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच मैच के आयोजन का प्रस्ताव रखा और राज्य सरकार ने इसे मंजूर कर लिया। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में हाल ही में लगाई फ्लड लाइट का परीक्षण किया गया है और ड्रेसिंग रूम और अन्य सुविधाओं की भी व्यवस्थाओं को देखा जा रहा है। दोनों टीमें एक सितंबर को लखनऊ पहुंच जाएंगी।

कुलदीप यादव ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए शेन वार्न को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। एक स्पिनर के तौर पर कुलदीप यादव ने हमेशा दिवंगत ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज शेन वॉर्न को अपना आदर्श माना है और पहले भी अपनी गेंदबाजी शैली पर दिवंगत दिग्गज के महत्वपूर्ण प्रभाव के बारे में बात की है। शुक्रवार को भारतीय लेग स्पिनर ने इंस्टाग्राम पर एक दिल को छू लेने वाले संदेश के साथ अपने आदर्श को श्रद्धांजलि दी। कुलदीप ने इंस्टाग्राम पर लिखा, शेन की गेंदबाजी...हमेशा और हमेशा के लिए। अपने करियर के शुरुआती दौर में, कुलदीप एक तेज गेंदबाज के रूप में बड़े हुए और पाकिस्तान के प्रतिष्ठित तेज गेंदबाज वसीम अकरम एक युवा के रूप में उनके आदर्श थे। जब उनके कोच ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न की नकल करने की सलाह दी, तो उन्होंने स्पिन गेंदबाजी करना शुरू कर दिया। आईसीसी रिव्यू के एक पुराने एपिसोड में, कुलदीप ने बताया था कि कैसे वॉर्न पिछले साल अपनी मृत्यु से पहले अक्सर उन्हें स्पिन गेंदबाजी के बारे में सलाह देते थे। अब भी, कुलदीप कुछ अतिरिक्त प्रेरणा पाने के लिए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर के पुराने वीडियो देखते हैं। आईसीसी रिव्यू में कुलदीप के हवाले से कहा गया, अगर मुझे कोई संदेह है (मैं कैसे गेंदबाजी कर रहा हूं), तो मैं उनके पुराने एक्शन को देखता हूं। मुझे लगता है कि मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मैंने उनके साथ कुछ समय बिताया और उनका अच्छा दोस्त रहा।

भारतीय मूल की तीन खिलाड़ी शामिल

ऑस्ट्रेलिया ने त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए अंडर-19 महिला टीम घोषित की

मेलबर्न, 23 अगस्त (एजेंसियां)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आगामी महिला अंडर-19 त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए टीम का ऐलान कर दिया है, जो 19 सितंबर से ब्रिसबेन में शुरू होगी। समारा डुल्विन और हसरत गिल के साथ रिब्या स्यान को भी टीम में शामिल किया गया है।

युवा चयन पैनल ने ब्रिसबेन और गोल्ड कोस्ट में होने वाली ट्राई सीरीज के लिए प्रत्येक प्रारूप (टी20 और 50 ओवर) के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी क्रिस्टन बीम्स को टीम का मुख्य कोच बनाया गया है। इस मल्टी-फॉर्मेट सीरीज में भाग लेने वाली अन्य दो टीमें न्यूजीलैंड और श्रीलंका हैं।

इस 14 दिवसीय ट्राई सीरीज में ऑस्ट्रेलिया चार टी20 और दो वन-डे मैच खेलेगा। इस टीम में भारतीय मूल की तीन होनहार प्रतिभाएं रिब्या स्यान, समारा डुलविन और हसरत गिल शामिल हैं। उनका शामिल होना ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में बढ़ती विविधता और भारतीय मूल के खिलाड़ियों के महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाता है।

ये हैं भारतीय मूल की तीन खिलाड़ी

ऑस्ट्रेलियाई अंडर-19 महिला - टी20 टीम

बोनी बेरी, काओइमहे ब्रे, एला ब्रिस्को, मैगी क्लार्क, समारा डुल्विन, लुसी फिन, हसरत गिल, लुसी हैमिल्टन, एमी हंटर, एलेनोर लारोसा, इनेस मैककॉन, रिब्या स्यान, टेगन विलियमसन, एलिजाबेथ वर्थली, हेले ज़ौच।

ऑस्ट्रेलियाई अंडर-19 महिला - 50 ओवर टीम

बोनी बेरी, काओइमहे ब्रे, एला ब्रिस्को, मैगी क्लार्क, समारा डुल्विन, लुसी फिन, हसरत गिल, एमी हंटर, एलेनोर लारोसा, इनेस मैककॉन, जूलियट मॉर्टन (एनएसडब्ल्यू) रिब्या स्यान, टेगन विलियमसन, एलिजाबेथ वर्थली, हेले ज़ौच।

डीपीएलः ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने सुपरस्टार्स को हराया

नई दिल्ली। ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने अरुण जेटली स्टेडियम में खेली जा रही दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) टी20 में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, ईस्ट दिल्ली राइडर्स की ओर से सलामी बल्लेबाजों अनुज रावत और सुजल सिंह ने शानदार शुरुआत कर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। रावत ने 34 रन जबकि सुजल ने 63 रन बनाये। वहीं कप्तान हिम्मत सिंह ने 29 रन बनाये। सुजल ने केवल 19 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। इनके आउट होने के बाद

हार्दिक शर्मा ने 38 रनों जबकि समर्थ ने 24 रन बनाए। वहीं इससे पहले ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने टॉस जीतकर सुपरस्टार्स को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। सुपरस्टार्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसके सलामी बल्लेबाज सार्थक दो रन ही बना पाये। इसके बाद कप्तान आयुष बदौनी ने प्रियांश के साथ 67 रन की साझेदारी कर पारी संभाली।

बदौनी ने 32 रनों रन बनाये। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने 20 ओवरों में सात विकेट पर 191 रन बनाये। ईस्ट दिल्ली राइडर्स की ओर से मयंक रावत और हर्ष त्यागी ने दो-दो विकेट लिए।

बीबीएल 2024 : ब्रिसबेन हीट में वापसी कर सकते हैं पॉल वाल्टर

मेलबर्न, 23 अगस्त (एजेंसियां)। पिछले सत्र में ब्रिसबेन हीट की बिग बैश लीग (बीबीएल) खिताबी सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले ऑलराउंडर पॉल वाल्टर अगले महीने के ड्राफ्ट के लिए नामांकन के नवीनतम बैच में शामिल होने के बाद प्रतियोगिता में वापसी कर सकते हैं।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज और आक्रामक बल्लेबाज वाल्टर ने पिछले संस्करण में हीट के लिए 17 विकेट लिए थे और उन्हें आठ मुख्य कोचों द्वारा वोट किए गए टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम में नामित किया गया था।

हीट के पास वाल्टर को रिटेन करने के अधिकार हैं। एक महत्वपूर्ण कारक यह है कि वह फाइनल सहित पूरी तरह से उपलब्ध है और माइकल नेसर, जेवियर बार्टलेट, स्पेंसर जॉनसन और स्पिन ट्विन्स मैट कुहनेमैन और मिशेल स्वेपसन सहित उनके विविध आक्रमण को पूरक बनाने के बाद वह फिर से उनके लिए तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं।

शुक्रवार को जारी की गई सूची में इंग्लिश क्रिकेटरों का दबदबा रहा, हालांकि अधिकांश केवल छह से नौ खेलों के लिए ही उपलब्ध हैं। इंग्लैंड को न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज खेलनी है जो बीबीएल शुरू होने के तीन दिन बाद खत्म होगी और फिर अगले साल 22 जनवरी से भारत का सीमित ओवरों का दौरा शुरू होगा। काफी संख्या में खिलाड़ियों के पास आईएलटी20 या एसए20 डील भी हैं।

हालांकि, ओली स्टोन, डैन लॉरेंस, जॉर्डन कॉक्स और जो क्लार्क सहित कुछ खिलाड़ियों की दिलचस्पी बढ़ सकती है। लेगस्पिनर रेहान अहमद, जिन्हें पिछले सीजन में सिडनी सिक्सर्स ने ड्राफ्ट किया था, लेकिन जब उन्हें वेस्टइंडीज दौरे के लिए चुना गया तो उन्होंने नाम वापस ले लिया, उन्होंने फिर से नामांकन किया है।

पाकिस्तान के ऑलराउंडर इमाद वसीम, जिनके लिए मेलबर्न स्टार्स के पास रिटेंशन अधिकार हैं, पूरी तरह से उपलब्ध हैं, साथ ही पिछले सीजन में सिडनी थंडर के लिए खेलने वाले तेज गेंदबाज जमान खान भी पूरी तरह से उपलब्ध हैं।

इंग्लैंड के खिलाड़ियों का भी डब्ल्यूबीबीएल के नवीनतम नामांकन में मजबूत प्रतिनिधित्व है। पिछले हफ्ते हंड्रेड फाइनल में निर्णायक भूमिका निभाने वाली और कप्तान हीथर नाइट की प्रशंसा पाने वाली डैनी गिब्सन ने पिछले सीजन में चैंपियन एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए मध्य क्रम में 147.43 की औसत से रन बनाए और दस विकेट लिए। उन्हें फिलहाल पूरी तरह से उपलब्ध नहीं माना जा रहा है, हालांकि इंग्लैंड को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज खेलनी है, जो डब्ल्यूबीबीएल फाइनल के साथ ओवरलैप होती है।

डूरंड कप क्वार्टर फाइनल : मोहन बागान का पीएफसी से मुकाबला; बेंगलुरु के सामने केरला

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की चार टीमें - गत चैंपियन मोहन बागान एसजी, पंजाब एफसी (पीएफसी), बेंगलुरु एफसी और केरला ब्लास्टर्स एफसी - शुक्रवार को डुरंड कप 2024 के अंतिम दो सेमीफाइनल स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी और शिलांग लाजोंग एफसी पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर चुके हैं, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने भारतीय सेना फुटबॉल टीम को हराया और शिलांग लाजोंग एफसी ने ईस्ट बंगाल एफसी के खिलाफ आश्चर्यजनक जीत हासिल की।

आईएसएल की मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी बनाम शिलांग लाजोंग एफसी मैच का विजेता फाइनल में पहुंचेगा। अब ध्यान शेष क्वार्टर फाइनल मुकाबलों पर केंद्रित है। मोहन बागान एसजी का मुकाबला पंजाब एफसी से होगा, जबकि बेंगलुरु एफसी का सामना केरला ब्लास्टर्स एफसी से होगा। टूर्नामेंट के तीसरे नॉकआउट गेम में पुराने और नए का मिश्रण होगा क्योंकि मोहन बागान एसजी का मुकाबला पंजाब एफसी से होगा।

बेंगलुरु एफसी की टीम साल्ट लेक स्टेडियम में केरला ब्लास्टर्स की मेज़बानी में अपने अपराजित रिकॉर्ड को परखने उतरेगी। केरला ब्लास्टर्स अपने ग्रुप में शीर्ष पर रही, जिसमें सीआईएसएफ प्रोटेक्टर्स, पंजाब एफसी और मुंबई सिटी शामिल थे। दूसरी ओर, बेंगलुरु एफसी ने इंडियन नेवी, इंटर काशी और मोहम्मडन एससी के खिलाफ़ कड़ी टक्कर के बाद अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की की।

दोनों टीमें डिफेंसिव रूप से मजबूत रही हैं और दोनों ने मिलकर केवल तीन गोल खाए हैं। आईएसएल के अनुसार, बेंगलुरु एफसी ने तीन मैचों में 10 गोल किए हैं और 9 अंक अर्जित किए हैं, जबकि केरल ब्लास्टर्स ने समान मैचों में 16 बार गोल किया है।

उपलब्धि : जिम्बाब्वे को 2026 से आईसीसी महिला वनडे चैम्पियनशिप में किया जाएगा शामिल

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। आईसीसी महिला चैंपियनशिप के अगले संस्करण में टीमों की संख्या 10 से बढ़ाकर 11 कर दी गई है, जिसमें जिम्बाब्वे की महिला टीम 2026-29 संस्करण में अन्य पूर्ण सदस्य टीमों के साथ शामिल होगी।

आईसीसी ने इस महीने की शुरुआत में संबंधित सदस्य बोर्डों को पुष्टि की थी कि आईसीसी बहु-वर्षीय महिला वनडे प्रतियोगिता, जो आईसीसी महिला विश्व कप के लिए सीधे योग्यता मार्ग के रूप में कार्य करती है, 2022-25 चक्र के लिए आयरलैंड और बांग्लादेश को जोड़ने के बाद फिर से विस्तारित होगी।

उल्लेखनीय है कि महिला चैंपियनशिप को पहली बार 2014 में 8 टीमों की प्रतियोगिता के रूप में पेश किया गया था, जिसमें पहले दो चक्रों के लिए ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और वेस्टइंडीज शामिल थे, इस टूर्नामेंट ने 2017 और 2022 महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग मार्ग के रूप में काम किया था। प्रतियोगिता के पहले दो संस्करणों में, जिनमें से दोनों ऑस्ट्रेलिया ने जीते थे, आठ टीमों ने 2.5 वर्षों के दौरान अपने प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी के साथ घर पर या बाहर 3-मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेली (हालांकि पाकिस्तान और भारत के बीच मैच नहीं हुए) जिसमें शीर्ष तीन फिनिशर और विश्व कप मेजबान ने सीधे विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया।

2022-25 चक्र में प्रतियोगिता का विस्तार दस टीमों तक हुआ, जिसमें आयरलैंड और बांग्लादेश को 9वें और 10वें स्थान पर रखा गया। मौजूदा संस्करण में टीमें घर या बाहर आठ सीरीज़ खेलेंगी, जिसमें शीर्ष पांच फिनिशर और मेजबान भारत 2025 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगे, जबकि शेष चार टीमें 2025 महिला विश्व कप क्वालीफायर में महिला वनडे रैंकिंग तालिका में अगली सर्वश्रेष्ठ रैंक वाली टीमों (वर्तमान में थाईलैंड और स्कॉटलैंड) के खिलाफ़ मुकाबला करेंगी, ताकि शेष दो क्वालीफिकेशन स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा की जा सके।

आने वाले चक्र के लिए जिम्बाब्वे को शामिल करने की योजना का मतलब यह होगा कि अफगानिस्तान को छोड़कर आईसीसी के सभी पूर्ण सदस्य, जो महिला टीम नहीं उतारते हैं, लीग के अगले संस्करण में शामिल होंगे।

जिम्बाब्वे, जिन्हें 2021 में महिला वनडे का दर्जा दिया गया था, वर्तमान में महिला वनडे तालिका में पांच एसोसिएट महिला वनडे टीमों में से तीन - नीदरलैंड (13वें), स्कॉटलैंड (12वें) और थाईलैंड (9वें) से पीछे 14वें स्थान पर है।

राष्ट्रीय खेल परिषद ने बीसीबी निदेशकों की नियुक्ति पर रुख किया साफ

ढाका, 23 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय खेल परिषद (एनएससी) ने शुक्रवार को स्पष्ट किया है कि उन्होंने न्यायशास्त्र के दर्शन के आधार पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के निदेशक के रूप में दो नए प्रतिनिधियों को नामित किया है। इससे पहले, एनएससी ने जलाल यूनुस और सज्जादुल आलम को बीसीबी निदेशक के रूप में नामित किया था।

क्रिकबज के अनुसार, संविधान एनएससी को बोर्ड में पांच पार्षद रखने की अनुमति देता है, जिसमें से दो को 25 सदस्यीय निदेशक मंडल में निदेशक के रूप में नियुक्त करने का अधिकार है। पिछली बोर्ड बैठक में जहां फारुक को बीसीबी अध्यक्ष के रूप में चुना गया था, जलाल और सज्जादुल दोनों को क्रमशः नजमुल आबेदीन और फारुक द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था। भ्रम की स्थिति तब पैदा हुई जब जलाल द्वारा नजमुल आबेदीन के लिए रास्ता बनाने के लिए ऐसा करने का फैसला करने के बाद सज्जादुल ने बीसीबी निदेशक के रूप में अपने पद से इस्तीफा नहीं देने का फैसला किया।

सज्जादुल ने मीडिया से दावा किया कि जिस तरह से एनएससी ने उनसे पार्षद पद और बीसीबी निदेशक पद छीना, वह बोर्ड के मामलों में सीधे हस्तक्षेप के समान है।

सज्जादुल ने डेली स्टार से बातचीत में कहा, मैं बेहद हैरान और निराश हूं। एनएससी ने जो किया, वह बोर्ड के कामकाज में सीधे हस्तक्षेप के समान है। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। एनएससी से किसी ने भी मुझसे सीधे संवाद नहीं किया। बीसीबी के सीईओ ने नए पार्षद की नियुक्ति के बारे में एनएससी नोटिस की एक प्रति मुझे व्हाट्सएप पर भेजी। यह मुझे (मंत्रालय में) बैठक के बाद शाम 7 बजे भेजी गई।

एनएससी ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जलाल और सज्जादुल के स्थान पर फारुक और नजमुल को नामित करने के बारे में अपना रुख स्पष्ट किया क्योंकि निदेशकों से इस्तीफा देने के एनएससी के अनुरोध के पीछे का तर्क स्पष्ट नहीं है, जिससे एनएससी के मामलों में सरकारी हस्तक्षेप के बारे में संभावित चिंताएं बढ़ गई हैं।

एनएससी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के संविधान के अनुच्छेद 9.3.2 के अनुसार, मोहम्मद जलाल यूनुस ने 19 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय खेल परिषद द्वारा पार्षद श्रेणी में पहले से नामित पांच प्रतिनिधियों में से इस्तीफा दे दिया, और नजमुल आबेदीन फहीम को खेल परिषद द्वारा नामित एक रिक्त पद के लिए राष्ट्रीय प्रतिनिधि नियुक्त किया गया।

दूसरी ओर, फारुक अहमद और नजमुल आबेदीन फहीम को संविधान के अनुच्छेद 13.2 खंड 4 के अनुसार निदेशक श्रेणी में राष्ट्रीय खेल परिषद द्वारा नामित किया गया है, जिसकी व्यापक रूप से सराहना की जा रही है। इस तरह के नामांकन न्यायशास्त्र के दर्शन के आधार पर प्रचलित नियमों के अत्यंत सावधानीपूर्वक अनुप्रयोग के साथ किए जाते हैं।

सरकार बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड सहित सभी महासंघों/संघों की गतिविधियों को सुचारू, कुशल, सक्रिय और निर्बाध रखने के लिए प्रतिबद्ध है। देश के खेल क्षेत्र को आगे बढ़ाने की प्रगति में सभी तिमाहियों का सहयोग मांगा जाता है।

संविधान के अनुच्छेद 13.2 खंड 4 में कहा गया है कि एनएससी तीन पार्षद श्रेणियों में से किसी से भी बीसीबी निदेशक को नामित कर सकता है। नजमुल और फारुक दोनों ही श्रेणी तीन के तहत पार्षद हैं।

संपादकीय

आरक्षण पर 'भारत बंद'

आरक्षण पर 'भारत बंद' का आह्वान...! सफल रहा या बेअसर साबित हुआ, यह अलग मुद्दा है, लेकिन दलित-आदिवासी संगठनों ने 'भारत बंद' का आह्वान क्यों किया? यह आश्चर्यजनक लगा। क्या ऐसी नकारात्मक और विध्वंसक राजनीति भी बाबा अंबेडकर की देन है? क्या सर्वोच्च अदालत की 7 न्यायाधीशों की संविधान पीठ का भी सामूहिक, सड़किया विरोध करना अंबेडकर की सीख है? क्या बाबा के संविधान के अनुच्छेद 16 (4) में यह उल्लेख नहीं है कि आरक्षण का उप वर्गीकरण किया जा सकता है? क्या संविधान पीठ ने विभिन्न अनुच्छेदों का हवाला देते हुए यह स्पष्ट नहीं किया है कि कोटे के भीतर कोटे की व्यवस्था भी संवैधानिक है? क्या प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के परिसर में सांसदों के एक समूह को सार्वजनिक तौर पर आश्वस्त नहीं किया था कि आरक्षण में उप वर्गीकरण के न्यायिक फैसले को स्वीकार नहीं किया जाएगा? संविधान पीठ के फैसले का किसी सरकार द्वारा ऐसा विरोध भी आश्चर्यजनक है। अलबत्ता संसद के पास ऐसी संवैधानिक शक्तियां हैं कि वह संविधान पीठ के फैसले को खारिज कर सकती है। दलित और आदिवासी संगठनों को क्या आशंका थी कि उन्होंने 'भारत बंद' का आह्वान किया और देश के कुछ हिस्सों में अराजकता फैलाई। उनका आरक्षण सुनिश्चित है। संविधान पीठ ने जिस क्रीमीलेयर की बात कही थी, प्रधानमंत्री ने फिलहाल उसे भी अस्वीकार कर दिया है। दलित और आदिवासियों को सुनिश्चित कौन कर सकता है? क्या कांग्रेस, सपा, राजद, बसपा सरीखी राजनीतिक पार्टियां दलितों और आदिवासियों को बुनियादी तौर पर विश्वास दिला सकती हैं? बहरहाल नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की सुविधाएं मिल रही हैं। यह उनका मौलिक अधिकार-सा बन गया है। यह दीगर है कि भारत सरकार के कुछ शीर्ष और उच्च पदों पर उनकी भागीदारी 4 फीसदी और 4.5 फीसदी है। यह परंपरागत विसंगतियों का ही नतीजा है। 2014 में भारतीय सत्ता में बड़ा परिवर्तन हुआ था और प्रधानमंत्री मोदी की सरकार शासन में आई थी। सत्ता के 10 सालों में आरक्षण-विरोधी अथवा दलित, आदिवासी-विरोधी एक भी निर्णय सरकार ने नहीं लिया। पहली बार देश के राष्ट्रपति पद पर आदिवासी महिला को आसीन कराया गया। अभी 45 उच्च पदों पर जो सीधी नियुक्तियां की जानी थी, उस फैसले को भी वापस ले लिया गया। विपक्ष कुछ भी व्याख्या करता रहे। बेशक भाजपा की तुलना 'विषैले सांप' से करता रहे। सवाल है कि दलित, आदिवासी संगठनों को कोई ठोस शिकायत है अथवा वे राजनीतिक नेरेटिव से संचालित किए जा रहे हैं? जो इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं, जिन्हें लगता है कि वे आरक्षण, संविधान बचाने के मुद्दे पर मोदी और भाजपा का राजनीतिक विस्तार रोक सकते हैं, वे 'भारत बंद' के दौरान कहां थे? सडक़ पर मायावती, अखिलेश यादव, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव सरीखे नेता दिखाई नहीं दिए, जो आजकल दलित, आदिवासियों और पिछड़ों के पैरोकार बने हैं। यदि संगठनों को संविधान पीठ के फैसले पर आपत्ति थी, तो वे सर्वोच्च अदालत में पुनर्विचार याचिका दाखिल कर सकते थे। संविधान पीठ कोई राजनीतिक संगठन नहीं है, जिसके खिलाफ 'भारत बंद' के जरिए विरोध-प्रदर्शन किया जाए। वह न्याय का सर्वोच्च और अंतिम मंच है। मोदी सरकार ने ऐसा कुछ किया नहीं है कि 'भारत बंद' का आह्वान किया जाता। पंजाब और हरियाणा में कुछ दलित जातियां ऐसी हैं, जिन्होंने 'भारत बंद' का समर्थन नहीं किया। वाल्मीकि और मजहबी सिख आदि आरक्षण के उप वर्गीकरण के पक्षधर हैं।

दलित-आदिवासी संगठनों ने 'भारत बंद' का आह्वान क्यों किया? यह आश्चर्यजनक लगा। क्या ऐसी नकारात्मक और विध्वंसक राजनीति भी बाबा अंबेडकर की देन है? क्या सर्वोच्च अदालत की 7 न्यायाधीशों की संविधान पीठ का भी सामूहिक, सड़किया विरोध करना अंबेडकर की सीख है? क्या बाबा के संविधान के अनुच्छेद 16 (4) में यह उल्लेख नहीं है कि आरक्षण का उप वर्गीकरण किया जा सकता है? क्या संविधान पीठ ने विभिन्न अनुच्छेदों का हवाला देते हुए यह स्पष्ट नहीं किया है कि कोटे के भीतर कोटे की व्यवस्था भी संवैधानिक है? क्या प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के परिसर में सांसदों के एक समूह को सार्वजनिक तौर पर आश्वस्त नहीं किया था कि आरक्षण में उप वर्गीकरण के न्यायिक फैसले को स्वीकार नहीं किया जाएगा? संविधान पीठ के फैसले का किसी सरकार द्वारा ऐसा विरोध भी आश्चर्यजनक है। अलबत्ता संसद के पास ऐसी संवैधानिक शक्तियां हैं कि वह संविधान पीठ के फैसले को खारिज कर सकती है। दलित और आदिवासी संगठनों को क्या आशंका थी कि उन्होंने 'भारत बंद' का आह्वान किया और देश के कुछ हिस्सों में अराजकता फैलाई। उनका आरक्षण सुनिश्चित है।

एमडी एवं एमएस छात्रों के मामलों में यह संख्या 31 प्रतिशत दर्ज की गई

मेडिकल छात्रों में बढ़ रही है मानसिक दुर्बलता

प्रमोद भार्गव

यह कितनी विडंबनापूर्ण बात है कि जो विद्यार्थी मेडिकल शिक्षा हासिल कर रहे हैं, वही तनावग्रस्त होकर मानसिक दुर्बलता के शिकार हो रहे हैं। जबकि चिकित्सा शिक्षा के छात्रों को मानसिक रूप से पूर्ण परिपक्व होना चाहिए? राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के एक कार्यबल ने ऑनलाइन सर्वेक्षण करके बताया है कि मेडिकल के लगभग 28 प्रतिषत स्नातक और 15.3 प्रतिशत स्नातकोत्तर छात्रों ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझने की बात स्वीकारी है। सर्वेक्षण में 25,590 स्नातक छात्र, 5,337 स्नातकोत्तर छात्र और 7,035 संकाय सदस्यों ने भागीदारी की। इस परिणाम के बाद सलाह दी गई है कि रेजिडेंट डॉक्टर प्रति सप्ताह 74 घंटे से अधिक काम न करें। सप्ताह में एक दिन की छुट्टी लें और प्रतिदिन सात से आठ घंटे नींद लें। मेडिकल छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर आई राष्ट्रीय कार्यबल की रिपोर्ट के अनुसार पिछले 12 महीनों में 16.2 फीसदी एमबीबीएस छात्रों ने मन में स्वयं को नुकसान पहुंचाने या आत्महत्या करने के विचार आने की बात मानी है। जबकि एमडी एवं एमएस छात्रों के मामलों में यह संख्या 31 प्रतिशत दर्ज की गई है। रपट के मुताबिक छात्रों में अकेलेपन या सामाजिक अलगाव की भावना तेजी से पनप रही है। 35 फीसदी छात्र इसका अकसर अनुभव करते है और 39.1 फीसदी छात्रों ने कभी-कभी इस विकृत भावना का अनुभव किया है। साफ है, सर्वे का यह पहलू चिंताजनक है। इस समस्या का समाधान होना चाहिए। चिकित्सक और चिकित्सा की पढ़ाई करने वाले छात्रों में जानलेवा तनाव का उभरना वाकई चिंता का विशय है। चिकित्सा षिक्षा एक तो लंबे समय तक चलने वाली सबसे कठिन और उबाऊ पढ़ाई है, दूसरे पेषे में आने के बाद सबसे ज्यादा गंभीर दायित्व का निर्वहन करना भी है। ऐसे में कोलकाता की प्रषिक्षु महिला चिकित्सक के साथ घटित दुश्कर्म एवं हत्या के मामले छात्रों में अतिरिक्त भय और तनाव बढ़ाने का काम करते हैं। चिकित्सकों के साथ मरीजों और उनके परिजनों द्वारा दुव्र्यवहार

सर्वेक्षण में 25,590 स्नातक छात्र, 5,337 स्नातकोत्तर छात्र और 7,035 संकाय सदस्यों ने भागीदारी की। इस परिणाम के बाद सलाह दी गई है कि रेजिडेंट डॉक्टर प्रति सप्ताह 74 घंटे से अधिक काम न करें। सप्ताह में एक दिन की छुट्टी लें और प्रतिदिन सात से आठ घंटे नींद लें। मेडिकल छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर आई राष्ट्रीय कार्यबल की रिपोर्ट के अनुसार पिछले 12 महीनों में 16 .2 फीसदी एमबीबीएस छात्रों ने मन में स्वयं को नुकसान पहुंचाने या आत्महत्या करने के विचार आने की बात मानी है।

और मारपीट सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी चिकित्सालयों तक आम बात हो गई है। कई मामलों में उपचार के दौरान रोगी की मौत को परिजन चिकित्सक की लापरवाही ठहराने लगे हैं। ऐसे मामलों में अस्पतालों में मारपीट और तोड़फोड़ के मामले तो बढ़ ही रहे हैं, जातिगत और संप्रदाय विषेश के लोग अस्पताल में समूह की ताकत दिखाकर पुलिस और प्रषासन को पंगु बना देने का काम भी कर रहे हैं। ऐसे मामलों में निर्दोश चिकित्सक के विरुद्ध दबाव में झूठी एफआईआर दर्ज कर दी जाती है। राजनीति भी अकसर जाति और संप्रदाय के समूह के साथ खड़ी दिखाई देती है। ऐसे में कानून की संहिताएं बोनी दिखाई देती हैं। जब दबाव में ही काम करना है तो कठोर कानून का भी कोई अर्थ नहीं रह जाता है। 18.2 प्रतिशत चिकित्सा छात्रों को शंकाएं और परामर्श दाताओं से भी अपेक्षित सहयोग नहीं मिलता है। क्योंकि वे खुद डर की दहशत में आ चुके होते हैं। ऐसे माहौल में तनाव से निपटने के लिए ज्ञान और कौशल की कमी की पूर्ति के लिए प्रशिक्षण मात्र झुनझुना है। सर्वेक्षण में 56.6 प्रतिशत छात्रों ने अपने शैक्षणिक भार को संभालने योग्य परंतु अत्याधिक बताया। 20.7 फीसदी छात्रों ने शैक्षणिक भार बहुत ज्यादा बताया। केवल 1.5 फीसदी छात्रों ने इसे हल्का बताया। सर्वेक्षण में पाया गया कि 'असफलता का डर' स्नातकोत्तर छात्रों में एक अहम्मुद्दा है। जिसमें 51.6 फीसदी सहमत हैं, कि यह उनके प्रदर्शन पर नकारात्मक असर डालता है। असफलता का यह डर देष के कोचिंग संस्थानों में एमबीबीएस में प्रवेष लेने की प्रतिस्पर्धा में लगे छात्रों को सता रहा है। इसलिए लगातार देखने में आ रहा है कि कोचिंग संस्थाओं के बड़े केंद्र कोटा में छात्र निरंतर आत्महत्या कर रहे हैं। देष के 322 सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों से प्रत्येक वर्श 48,012 छात्रों को नीट के माध्यम से प्रवेष दिया जाता है। इसके अलावा इन्हीं कॉलेजों से 27,868 दंत चिकित्सक, 52,720 आयुश और 603 पषु चिकित्सक छात्रों को प्रवेष की सुविधा मिलती है। यदि निजी मेडिकल कॉलेज में भर्ती होने वाले छात्रों को भी जोड़ लिया जाए तो देष के करीब 707 मेडिकल कॉलेजों में 1,09048 छात्र प्रवेष लेते हैं। इनके अलावा दूसरे देषों से भी छात्र एमबीबीएस की पढ़ाई करके भारत में आकर चिकित्सा का पेषा अपना लेते हैं। वैष्विक स्तर पर भारतीय चिकित्सकों की उम्दा साख है। दुनिया की सबसे बड़ी चिकित्सा षिक्षा प्रणाली भी भारत में है। इसलिए अब उम्मीद की जा सकती है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन का जो 1000 की आबादी पर एक डॉक्टर की मौजदूगी अनिवार्य है, वह लक्ष्य आने वाले कुछ समय में पूरा हो जाएगा। फिलहाल हमारे यहां यह अनुपात 0.62.1000 है। अब तक सरकारी चिकित्सा संस्थानों की षैक्षिक गुणवत्ता पर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन ध्यान रहे कि लगभग 60 प्रतिषत मेडिकल कॉलेज निजी क्षेत्र में हैं। ये संस्थान छात्रों से भारी-भरकम षुल्क तो वसूलते ही हैं, कैपीटेषन फीस लेकर प्रबंधन के कोटे में छात्रों की सीधी भर्ती भी करते हैं। यह दर 1 करोड़ से लेकर 20 करोड़ तक बताई जाती है। इस सुविधा में आरक्षण और योग्यता के दावे ढकोसला हैं। विष्वबैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक 33 प्रतिषत भारतीय चिकित्सक डिग्री हासिल करने के बाद विदेष चले जाते हैं। इनमें से डेढ़ हजार डॉक्टर अमेरिका का रुख करते हैं। एलोपैथी चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि आज के विद्यार्थी उन पाठ्यक्रमों में अध्ययन करना नहीं चाहते, जिसमें विशेषज्ञता प्राप्त करने में लंबा समय लगता है।

दृष्टि कोण

भारतीय समाज की पहचान का प्रश्न

हिंदू की पहचान को लेकर बहस कभी बंद नहीं होती। इस बहस की शुरुआत भारत में अरबों, तुर्कों, मुगलों, पुर्तगालियों व अंग्रेजों के आने के बाद ही शुरू हुई। उससे पहले इस प्रश्न पर बहस नहीं होती थी। ये सभी विदेशी हमलावर या तो इस्लाम पंथ को मानने वाले थे या फिर ईसाई मत को मानने वाले थे। इन लोगों का सामाजिक-सांस्कृतिक व राजनीतिक जीवन इन दोनों में से किसी एक रिलीजन से समग्र रूप में संचालित होता था। उनकी पहचान के आधार भी निश्चित थे/हैं। जो व्यक्ति न्यू टैस्टामैंट में विश्वास करता है, ईसा मसीह को परमात्मा का पुत्र मानता है और चर्च में जाकर पूजा करता है, वह ईसाई है। इसी प्रकार इस्लाम पंथ को मानने वालों की पहचान भी निश्चित थी। जो व्यक्ति हजरत मोहम्मद को अल्लाह का रसूल मानता है, कुरान शरीफ को स्वीकारता है, मस्जिद में जाकर ईश्वर की इबादत करता है, वह इस्लाम पंथ को मानने वाला यानी मुसलमान है। जाहिर है जब एक निश्चित स्थान पर जाकर पूजा करता है तो वहां पूजा का कर्मकांड करवाने वाला भी चाहिए। इस्लाम पंथ में यह पूजा पाठ करवाने वाला मुल्ला मौलवी था। हर मस्जिद का एक मौलवी निश्चित था। उसे वायज, मीरवायज या इमाम कहा जाता था। इसी प्रकार ईसाई पंथ में पूजा का स्थान चर्च कहलाने लगा और वहां पूजा पाठ करवाने वाला व्यक्ति पादरी कहलाने लगा। लेकिन धीरे ईसाई पंथ में पूजा करवाने वाले लोगों की एक पूरी संगठित जमात खड़ी हो गई जिसका मुखिया पोप कहलाता है। जब ये हमलावर हिंदुस्तान में आए तो सबसे पहले तो इन्होंने ईसाई पंथ व इस्लाम पंथ की तर्ज पर हिंदू को भी एक पंथ या रिलीजन ही मान लिया। उसके बाद ये लोग इस रिलीजन की पहचान करने का प्रयास करने लगे। हिंदू, जिसे इन्होंने रिलीजन समझ लिया था, उसकी पहचान समझने के लिए इन्होंने अपने अपने रिलीजन के पैमाने ही प्रयोग करने शुरू किए। लेकिन मामला पकड़ में नहीं आ रहा था क्योंकि भारतीय/हिदू समाज को समझने के लिए जिन कारकों का प्रयोग किया जा रहा था, वे कारक ही गलत थे। यह संकट प्रत्यक्ष रूप में 1881 में सामने आया जब ब्रिटिश सरकार ने भारतीयों की कुल जनसंख्या की गणना करने के लिए एक नया विभाग स्थापित किया। जनगणना करवाना तो आसान काम ही था। लेकिन सरकार ने लगे हाथ मजहब/रिलीजन के आधार पर भी संख्या जान लेना जरूरी समझा। इसलिए जनगणना फार्म में रिलीजन को लेकर तीन कॉलम बनाए गए। हिंदू/मुसलमान/ईसाई। जाहिर है इससे स्पष्ट पता चल गया कि हिंदुस्तान में 712 के बाद से देश में कितने लोग मुसलमान या ईसाई बन गए हैं। एटीएम (अरब-तुर्क-मुगल) मूल के मुसलमानों के सात-आठ सौ साल के शासन के दौरान कुछ करोड़ भारतीय/हिंदू भी मतांतरित हो गए थे। अंग्रेजों के शासनकाल में कुछ भारतीय ईसाई भी हो रहे थे। जाहिर है उनकी संख्या भारतीयों/हिंदुओं के मुकाबले बहुत कम ही थी। सबसे बड़ी बात यह थी कि 1885 में कांग्रेस की स्थापना और 1905 में मुस्लिम लीग की स्थापना के बाद अंग्रेज शासकों ने मजहब के आधार पर कुछ सीमित संख्या में भारतीयों को भी स्थानीय प्रशासन में हिस्सेदारी देना शुरू कर दिया था। तब एटीएम मूल के मुसलमानों को जिनका शासन समाप्त हो चुका था, इस बात की चिंता हुई कि संख्या के कारण अब उनको सत्ता मिलने की संभावना कम हो गई थी। इसलिए सबसे पहला काम तो उन्होंने भारतीय मुसलमानों को भी अपने खेमे में जोडऩे या हांकने के प्रयास शुरू किए। लेकिन इसके बावजूद उनकी संख्या भला कितनी हो सकती थी? इसलिए दूसरा प्रयास किसी तरह से हिंदुओं की संख्या कम करने के प्रयास किए। लेकिन यह काम अंग्रेज शासकों की मदद के बिना नहीं हो सकता था क्योंकि अब सत्ता तुर्कों-मुगलों के हाथ में नहीं थी, बल्कि इंग्लैंड के गोरों के हाथ में थी। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए बकौल बाबा साहिब अंबेडकर, एटीएम मूल के आगा खान ने 1910 की जनगणना से पहले वायसराय को एक ज्ञापन दिया। उसके उपरांत ब्रिटिश सरकार ने जनगणना के प्रत्यक्ष और परोक्ष दो पैमाने निर्धारित किए। परोक्ष पैमाना तो यह था कि ब्रिटिश सरकार ने हिदू समाज को सीमित करते हुए हिंदू केवल उसी को माना जो 'जाति व्यवस्था' से संचालित था, जबकि वस्तुस्थिति यह थी/है कि हिंदू समाज का बहुत बड़ा हिस्सा जाति व्यवस्था से बाहर है। एक नई अवधारणा स्थापित करने का प्रयास पहली बार हुआ कि सभी भारतीय/हिंदू जाति व्यवस्था से संचालित हैं। मूल रूप से यह अवधारणा ही गलत है। सभी भारतीय/हिंदू जाति व्यवस्था से संचालित नहीं हैं। हिंदू समाज का बहुत बड़ा हिस्सा जाति व्यवस्था से संचालित नहीं है। मध्य भारत, पूर्वोत्तर भारत में अधिकांश समुदाय मसलन मिजो, कुकी, खासी, गारो, निशी, शेरदुखपेन, संथाल, गोंड, पश्चिमोत्तर भारत में भोट, बलती जाति व्यवस्था से संचालित नहीं हैं। इस निराधार अवधारणा को आधार बना कर जनगणना अधिकारियों ने हिंदू को पहचानने के लिए नई कसौटियां बनाईं। जो उन कसौटियों पर पूरा नहीं उतरता था उसे हिंदू की श्रेणी से बाहर कर दिया गया। इनमें से एक कसौटी ब्राह्मण को लेकर थी।

कुछ अलग

आजाद तोते की राम कहानी

मैंने ही क्या, उस तोते को मेरे पिताजी ने ही पाल रखा था। मेरे घर के पिंजरे में तोता चने की दाल चुगता और पानी पीकर वर्षों से मेरा प्रिय तोता हो गया था। तोता पालने का मुझे शौक भी था और उससे मिलने वाली सूचनाओं से मैं चौकस भी रहता था। तोता भी खुश था, उसे किसी प्रकार की परेशानी नहीं थी। एक दिन कुछ पर्यावरण प्रेमी मेरे घर के बाहर आए और नारेबाजी करने लगे। मैं और मेरी पत्नी घबराए से बाहर आए। देखा तो पंद्रह-बीस लोग हाथों में तख्ती थामे तोते की आजादी के लिए मुझसे मांग कर रहे थे। मैंने छद्म पर्यावरण प्रेमियों से कहा भी कि तोता मेरे पुरखों ने पाला है और वह मेरे यहां आराम में है। लेकिन उन्होंने तोते को नहीं छोडऩे पर कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। पत्नी और मैं दोनों भौंचक्के रह गए। मैंने पत्नी से पूछा - 'बोलो, क्या करें?' पत्नी ने मुझे आंख मारकर कहा -'जनमत का सम्मान करते हुए हम तोते को छोड़ देते हैं।' पर्यावरण प्रेमी खुश हो गए और बोले, 'हमारे सामने ही पिंजरे को खोलो और तोते को आजाद करो।' मैं पिंजरा बाहर ले आया और उसका दरवाजा खोल दिया। दरवाजा खोलने के बाद भी तोता पिंजरे से बाहर नहीं निकला और पिंजरे में ही शोर मचाने लगा। मैंने पर्यावरण प्रेमियों को विवशता से देखा तो उनमें से एक बोला -'हम आजाद करते हैं इसे।' उसने आगे बढक़र तोता हाथ में पकड़ा और हवा में उछाल दिया। वर्षों से पिंजरे में रहने के कारण तोता भली प्रकार से उड़ नहीं पा रहा था और वह पास के ही एक मकान की छत पर हांफ कर बैठ गया। हम और पर्यावरण प्रेमी उसकी अगली उड़ान की प्रतीक्षा करने लगे। दस-पंद्रह मिनट बाद में तोते ने पंख फैलाए और आसमान में गायब हो गया। पर्यावरण प्रेमी खुश होकर चले गए। लेकिन हमारा मन अवसाद से भर गया। रह-रह कर तोते की याद सता रही थी। उसकी उपयोगिता पर हम इतने निर्भर हो गए थे कि हमें लगा कि अब हमारा जीवन कैसे चलेगा। आखिर में पत्नी ने कहा -'चलो देखते हैं, आगे का जीवन कैसे चलता है। चिंता मत करो, कोई न कोई रास्ता अवश्य निकल आएगा।' इसी भावना से हम अपना रहा-सहा समय निकालने लगे। सौभाग्य से मैंने वह पिंजरा फेंका नहीं था और उसका दरवाजा खोल रखा था। अचानक एक दिन तोता उड़ता-उड़ता आया और पुनः पिंजरे में आ बैठा। मैं और मेरी पत्नी बहुत खुश हुए कि हमारा तोता हमारे पास वापस लौट आया है। मैंने भरे मन से तोते से कहा -'यार मिट्ठू तुम आ तो गए, लेकिन वे लोग फिर आ जाएंगे और मुझे व्यर्थ में बदनाम करेंगे।' तोता परेशान सा बोला -'नही, मैं नहीं जाऊंगा। वे लोग मुझे आजाद करने के बहाने अब अपने पिंजरे में कैद करना चाहते हैं। वे मेरे पीछे पिंजरा लेकर भागे फिर रहे हैं।' तोते की बात सुनकर हम घबरा गए। मैंने कहा -'भाई तुम आकाश में ऊंची उड़ान भरो और गायब हो जाओ। वरना वे लोग इधर आने वाले होंगे।' तोता पिंजरे से बाहर नहीं निकला तो मैंने उसे जीवन सूत्र दिया और कहा -'ऐसा करो मेरे प्यारे मिट्ठू, तुम कभी हमारे पिंजरे में तो कभी उनके पिंजरे में रह लो। इससे तुम्हारा जीवन आराम से निकलता रहेगा। वरना वे लोग मुझे और तुम्हें बदनाम कर देंगे।' तोते को मेरी बात समझ में आ गई और बोला -'यह ठीक है, पिंजरे का दरवाजा खुला रखो, उनका शोर सुनकर मैं उनके पिंजरे में जा बैठूंगा।' मुझे भी बात जंच गई कि तोते को आजादी देने का यह सूत्र सबसे सफल है। अभी तोता मेरे यहां ही है।

देश दुनिया से

शिक्षा विभाग राज्य में खेलों को बढ़ावा देगा?

हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग ने तीन वर्ष पहले अपने पूर्व में रहे खिलाड़ी शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों के लिए एक पत्र निकाला था। इस पत्र में शिक्षा निदेशालय ने शौकिया प्रशिक्षण करवाने वाले इच्छुक शिक्षकों व कर्मचारियों के नाम मांगे थे ताकि उन्हें प्रशिक्षण सुविधाओं वाली जगहों पर नियुक्त किया जा सके। मगर आज तक भेजे गए उन नामों का कुछ पता नहीं चला कि उनका क्या हुआ। अब शिक्षा निदेशालय एक बार फिर अपने पूर्व में रहे खिलाड़ी शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों से स्कूल के बाद खेल प्रशिक्षण दिलाने के बारे में सोच रहा है। देखते हैं कब तक इस कार्य को अमलीजामा पहनाया जाता है। हिमाचल प्रदेश में सैकड़ों खिलाड़ी खेल आरक्षण के अंतर्गत विभिन्न विभागों में नौकरी कर रहे हैं। दर्जन भर खिलाडियों को छोड़ कर न तो कोई खेल कर रहा है और न ही प्रशिक्षण व अन्य खेल प्रबंधन से जुड़ा है। खेलों से नियमित रोजी-रोटी मिलने वालों को चाहिए कि वे नमक का कुछ तो हक अदा करें। अगर खिलाड़ी के रूप में नहीं हो सकता है तो प्रशिक्षण व प्रबंधन तो आसानी से हो ही सकता है। हिमाचल प्रदेश सरकार राज्य के विभिन्न विभागों में खेल आरक्षण के अंतर्गत तीन प्रतिशत पदों पर भर्ती करती है। शिक्षा विभाग में अब तक सैंकड़ों प्रवक्ता, प्रशिक्षित स्नातक व अन्य पदों पर खेल आरक्षण से शिक्षक नियुक्त हैं। हिमाचल प्रदेश का हर बच्चा विद्यालय जा रहा है। वैसे तो विद्यालय में विद्यार्थियों की फिटनेस व खेलों के लिए शारीरिक शिक्षा का शिक्षक नियुक्त होता है, मगर वह हर खेल के लिए प्रशिक्षण नहीं दे सकता है। भविष्य के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार करने के लिए किशोरावस्था से ही सही तकनीक के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का महत्व बढ़ जाता है। अरबों की आबादी में किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का प्रारंभिक स्तर से होना बेहद अनिवार्य हो जाता है, जो सही उम्र में सही तकनीक सिखा कर भविष्य में खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। हिमाचल प्रदेश में खेल प्रशिक्षण के लिए शुरू से वह वातावरण ही नहीं बन पा रहा है, जिससे बाद में प्रशिक्षक खिलाड़ी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठतम परिणाम दिला सके। खेल प्रशिक्षण दस साल से भी अधिक समय तक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। इतने लंबे खेल प्रशिक्षण को प्राप्त कर कुछ एक खिलाड़ी ही अपने प्रदेश व देश को गौरव दिला पाते हैं। हिमाचल प्रदेश में विद्यालय स्तर पर शारीरिक शिक्षकों की कमी सबके सामने है। विद्यालय जीवन ही वह समय है जब खिलाड़ी तकनीक को सीख रहा होता है। हिमाचल प्रदेश में लगातार प्रशिक्षण के लिए विद्यालय खुलने से पहले व बंद होने के बाद हिमाचल प्रदेश में शारीरिक शिक्षकों को छोड़ कर अन्य विषयों के शिक्षक जो पूर्व में अच्छे खिलाड़ी रहे हैं, अपने पढ़ाई के कार्य के साथ-साथ विभिन्न खेलों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चला कर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश व देश का नाम पूर्व में रोशन करते रहे हैं और वर्तमान में कर भी रहे हैं। हमीरपुर शहर के वरिष्ठ माध्यमिक कन्या राजकीय विद्यालय में चार दशक पूर्व नियुक्त प्रयोगशाला सहायक अमरनाथ शर्मा ने हमीरपुर से महिला हाकी के लिए निचले स्तर पर बहुत अच्छा काम किया था। इस तरह और कई नाम हैं जिन्होंने अपनी ड्यूटी के साथ खेल प्रशिक्षण में भी सराहनीय कार्य किया है। वर्तमान में बिलासपुर जिले के दूरदराज मोरसिंघी गांव के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में राजनीति शास्त्र की प्रवक्ता व पूर्व अंतरराष्ट्रीय हैंडबाल खिलाड़ी स्नेहलता के प्रशिक्षण कार्यक्रम से राष्ट्रीय स्तर पर हर आयु वर्ग की महिला प्रतियोगिताओं में हिमाचल विजेता है। पिछले एशियाड में भारतीय महिला हैंडबाल टीम में चार खिलाड़ी हिमाचल प्रदेश से थी। इस साल की राष्ट्रीय महिला हैंडबाल प्रतियोगिता की विजेता हिमाचल प्रदेश की टीम में अधिकांश खिलाड़ी मोरसिंघी नर्सरी से हैं। स्नेहलता की पहली नियुक्ति शिक्षा विभाग में सोलन जिले के नवगांव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हुई थी। उसी समय से स्नेह लता ने हैंडबाल प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की थी। एक दशक पूर्व हमीरपुर जिले के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कक्डयार में नियुक्त प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक कुलवीर सिंह ने एथलेटिक्स में प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया था। उसके अच्छे परिणाम रहे थे। मगर बाद में ऐसी जगह ट्रांसफर हो गई जहां प्ले फील्ड व समय की दिक्कत के कारण उनका प्रशिक्षण कार्यक्रम बंद हो गया। हमीरपुर में आज अपने समय के स्टार धावक अनिल शर्मा व रजनीश शर्मा जो दोनों ही प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक के पद पर शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं, अपनी ड्यूटी के बाद शाम के समय अणु सिंथेटिक ट्रैक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए हुए हैं।

तीन वर्ष पहले अपने पूर्व में रहे खिलाड़ी शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों के लिए एक पत्र निकाला था। इस पत्र में शिक्षा निदेशालय ने शौकिया प्रशिक्षण करवाने वाले इच्छुक शिक्षकों व कर्मचारियों के नाम मांगे थे ताकि उन्हें प्रशिक्षण सुविधाओं वाली जगहों पर नियुक्त किया जा सके। मगर आज तक भेजे गए उन नामों का कुछ पता नहीं चला कि उनका क्या हुआ। अब शिक्षा निदेशालय एक बार फिर अपने पूर्व में रहे खिलाड़ी शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों से स्कूल के बाद खेल प्रशिक्षण दिलाने के बारे में सोच रहा है। देखते हैं कब तक इस कार्य को अमलीजामा पहनाया जाता है। हिमाचल प्रदेश में सैकड़ों खिलाड़ी खेल आरक्षण के अंतर्गत विभिन्न विभागों में नौकरी कर रहे हैं। दर्जन भर खिलाडि़यों को छोड़ कर न तो कोई खेल कर रहा है और न ही प्रशिक्षण व अन्य खेल प्रबंधन से जुड़ा है।

आप का नजरिया

महिला सुरक्षा का प्रश्न

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक की यौन हिंसा के बाद हुई हत्या ने एक बार फिर साबित किया है कि देश में कामकाजी महिलाओं के लिये कार्यस्थल पर परिस्थितियां कितनी असुरक्षित हैं। वह भी इतनी भयावह कि कार्यस्थल पर ही प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ यह सब वीभत्स घट जाता है। निश्चित रूप से कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न मानव अधिकारों का सरासर उल्लंघन ही है। कार्यस्थल पर महिलाओं के लिये सुरक्षा अनुकूल वातावरण बनाने के मद्देनजर विशाखा दिशा-निर्देश जारी करने के सत्ताईस साल बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को डॉक्टरों की सुरक्षा को संस्थागत बनाने के लिये तुरंत कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। वहीं दूसरी ओर देश की सर्वोच्च अदालत के निर्देश के अनुपालन हेतु गठित एक राष्ट्रीय टास्क फोर्स को चिकित्सा पेशवरों की सुरक्षा, महिला चिकित्सकों के लिये अनुकूल कामकाजी परिस्थितियां बनाने तथा उनके हितों की रक्षा के लिये प्रभावी सिफारिशें तैयार करने का काम सौंपा गया है। विश्वास किया जाना चाहिए कि ये सिफारिशें यदि जमीनी स्तर पर भी प्रभावी साबित हुईं तो किसी भी पेशे में कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा के लिये असरकारी साबित होंगी। लेकिन यह तभी संभव है जब सभी हितधारक एक स्तर पर एकजुट होकर इस दिशा में काम करेंगे। निस्संदेह, किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना होने के वक्त तमाम तरह के उपक्रम होते हैं, लेकिन कुछ समय बाद सब कुछ ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। यही वजह है कि नई कार्ययोजना बनाते समय इस बात का आकलन करने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है कि महिला सुरक्षा को लेकर मौजूदा कानून और दिशा-निर्देश जमीनी स्तर पर बदलाव लाने में कितने सफल रहे हैं। सही मायनों में कानून बनाने और दिशा-निर्देश जारी करने से ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि उनका अनुपालन कितने पारदर्शी व संवेदनशील दृष्टि से किया जाता है। साथ ही विगत के अनुभवों से भी सबक लेकर आगे बढ़ने की जरूरत है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि वर्ष 2012 के निर्भया कांड के बाद देश में कोलकाता कांड में भी उसी तरह की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। जिसके बाद आवश्यकता महसूस की गई कि ऐसे क्रूर अपराधियों को सख्त से सख्त सजा देने वाले कानून लाये जाएं। कालांतर देश में यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम अस्तित्व में आया। दरअसल, महिलाओं के लिये सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ ही विशाखा दिशा-निर्देशों के विस्तार के रूप में इसे अधिनियमित किया गया। यहां उल्लेखनीय है कि पिछले साल, देश की शीर्ष अदालत ने इस अधिनियम के क्रियान्वयन के संबंध में गंभीर खामियों की ओर इशारा किया था। साथ ही इससे जुड़ी अनिश्चितताओं की ओर भी संकेत दिया था। इसके उदाहरण के रूप में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिये केंद्र सरकार द्वारा स्थापित निर्भया फंड अक्सर नकारात्मक कारणों से सुर्खियों में रहा है।

फास्टैग में बैलेंस का झंझट खत्म, अब टोल प्लाजा पर नहीं रुकेगी गाड़ी

फास्टैग और एनसीएमसी को ई-मैंडेट फ्रेमवर्क में शामिल किया गया

नई दिल्ली,23 अगस्त (एजेंसियां) ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमों में बदलाव करके फास्टैग में बैलेंस कम होने के झंझट को पूरी तरह से खत्म कर दिया है। आरबीआई के इस नए नियम की वजह से अब बैलेंस कम होने के कारण टोल प्लाजा पर गाड़ियों के रुकने की आशंका खत्म हो जाएगी और गाड़ियां फर्राटे से टोल प्लाजा को पार कर जाएंगी।

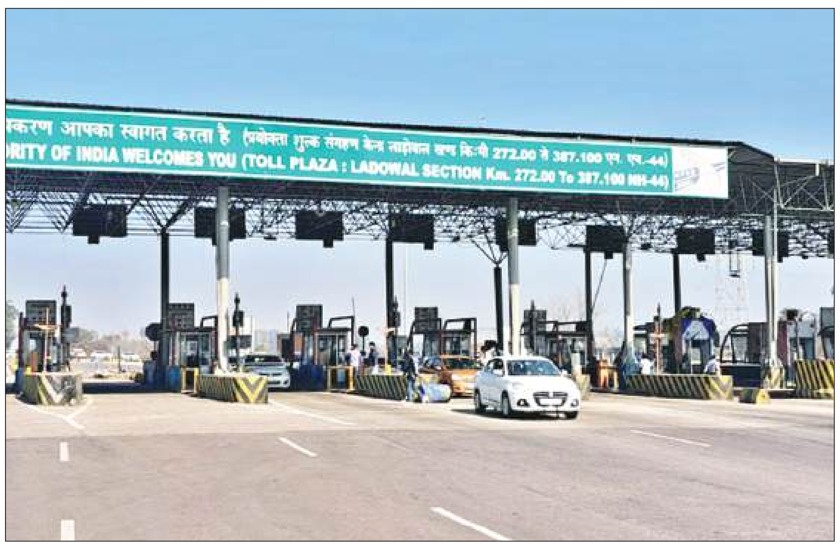

आरबीआई की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक केंद्रीय बैंक ने फास्टैग और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) को ई-मैंडेट फ्रेमवर्क में शामिल कर लिया है। ऐसा हो जाने से इन दोनों पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स में निर्धारित लिमिट से पैसा कम होते ही ग्राहक के बैंक अकाउंट से जरूरत के मुताबिक पैसा खुद इन पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स में आ जाएगा। इसका एक फायदा ये भी होगा कि अब ग्राहकों को बार-बार अपने फास्टैग को रिचार्ज नहीं करना पड़ेगा। इस तरह से फास्टैग रिचार्ज करने का झंझट पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा। आपको बता दें कि ई-मैंडेट फ्रेमवर्क को 2019 में तैयार किया गया था। इस फ्रेमवर्क को तैयार करने का मूल उद्देश्य ग्राहकों को उनके खाते से होने वाली पैसे

की निकासी की जानकारी देकर उनके हितों की रक्षा करना था।

भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक फास्टैग और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड के तहत पेमेंट की कोई पहले से निर्धारित या तय समय सीमा नहीं होती है। ऐसे में इन दोनों को ई-मैंडेट फ्रेमवर्क में शामिल कर लेने से बिना किसी निश्चित तय समय सीमा के पैसे खाते से निकल कर खुद ही इन पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स में क्रेडिट हो जाएंगे। इसके लिए ग्राहकों को प्री-डेबिट नोटिफिकेशन देने की भी जरूरत नहीं होगी। इसके पहले ग्राहकों को अपने खाते से पैसे डेबिट करने के लिए कम से कम 24 घंटा पहले प्री-डेबिट नोटिफिकेशन भेजना पड़ता था।

उल्लेखनीय है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने 5 से 7 जून को हुई मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक में ही फास्टैग और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड को ई-मैंडेट फ्रेमवर्क में शामिल करने की घोषणा की थी। इसके तहत रिकरिंग पेमेंट्स को भी शामिल करने की बात कही गई थी। इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से कहा गया है कि देश में नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड और फास्टैग जैसे पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स का चलन लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में इन पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स के उपयोग को और सुविधाजनक बनाने की कोशिश लगातार चल रही है।

पहले फास्टैग या नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड के वॉलेट में पैसे जमा करना पड़ता था लेकिन वॉलेट में पैसे कम हो जाने पर ग्राहकों को पेमेंट करने में परेशानी होती थी। इसीलिए अब नई व्यवस्था लागू की गई है, जिससे फास्टैग और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड ई-मैंडेट फ्रेमवर्क के जरिए जरूरत पड़ने पर खुद ही ग्राहकों के खाते के जरिए रिचार्ज हो जाएंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

युद्ध रोकने में...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने मेरा और मेरे प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया। आज भारत और यूक्रेन संबंधों के लिए ऐतिहासिक दिन है। पहली बार भारत के प्रधानमंत्री का यूक्रेन आना अपने आप में ऐतिहासिक क्षण है। आज यूक्रेन का राष्ट्रीय दिवस है। मैं बधाई देता हूं और शांति की प्रार्थना करता हूं।2022 में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद भारत की ओर से यह पहला उच्च स्तरीय दौरा है। इससे एक महीने पहले मोदी ने रूस का दौरा किया था और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। तब जेलेंस्की ने मोदी की पुतिन से मुलाकात की आलोचना की थी। पोलैंड से दस घंटे का सफर करने के बाद कीव पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूक्रेनी अधिकारियों और भारतीय समुदाय से मिले। भारतीय समुदाय ने गर्मजोशी से पीएम मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी ने कीव में 200 भारतीयों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी यूक्रेन दौरे में राजनीति, व्यापार, आर्थिक निवेश, शिक्षा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और मानवीय सहायता जैसे द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करेंगे। भारत संघर्ष के जल्द समाधान के लिए संवाद और कूटनीति की अपनी स्थिति को दोहराने की कोशिश करेगा। कीव पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों यूरोप में हैं। वह 21 और 22 अगस्त को दो दिवसीय पोलैंड यात्रा पर राजधानी वारसॉ में थे। इसके बाद पीएम मोदी ट्रेन से युद्धग्रस्त यूक्रेन पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ वार्ता का दौर जारी है। इसमें यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर चर्चा प्रमुख रूप से शामिल है। प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पोलैंड और यूक्रेन में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पीएम मोदी का शांति और कूटनीति का संदेश इस यात्रा ही नहीं बल्कि अन्य देशों में गूंज रहा है। पीएम मोदी ने जून में इटली के अपुलिया में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जेलेंस्की से बातचीत की थी। बातचीत के दौरान मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति से कहा था कि भारत यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के पक्ष में वह सब कुछ करेगा जो वह कर सकता है। उन्होंने कहा था कि बातचीत और कूटनीति के माध्यम से ही शांति लाई जा सकती है। बैठक में यूक्रेनी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री को कीव आने का निमंत्रण दिया था।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पोलैंड दौरे के दरम्यान पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ वार्ता के बाद मोदी ने गुरुवार को कहा था कि यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष गहरी चिंता का विषय है और शांति बहाल करने के लिए बातचीत तथा कूटनीति ही रास्ता है। भारत का दृढ़ता से यह मानना है कि युद्ध के मैदान में किसी समस्या का हल नहीं निकलता। किसी भी संकट में निर्दोष लोगों की जान जाना पूरी मानवता के लिए बड़ी चुनौती है।भारत का रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर शुरुआत से स्टैंड रहा है कि हर कीमत पर बातचीत के जरिए समाधान निकाला जाए। यहां तक कहा गया है कि युद्ध किसी भी समस्या का जवाब नहीं हो सकता। इसके ऊपर अभी तक भारत ने दोनों रूस और यूक्रेन के साथ अच्छे रिश्ते बनाकर रखे हैं। अगर एक तरफ रूस से कच्चा तेल लगातार भारत आया है तो यूक्रेन को भी युद्ध के समय दवाइयां पहुंचाकर भारत ने अलग ही तरह की कूटनीति को धार देने का काम किया है। बड़ी बात यह भी है कि पीएम मोदी इस साल जुलाई में एक बार रूस जा चुके हैं, उन्होंने पुतिन से मुलाकात तक की है, ऐसे में अब जेलेंस्की से बात कर वे दुनिया को फिर संदेश देंगे कि भारत न्यूट्रल है और दोनों ही देशों से मधुर संबंध रखने में विश्वास रखता है। पीएम मोदी ने अपने पोलैंड दौरे के दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध पर एक बड़ा बयान दिया था।यूक्रेन की यात्रा से पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि वर्तमान में यूक्रेन और पश्चिमी एशिया में जो युद्ध चल रहे हैं, वो चिंता की बात है। भारत मानता है कि युद्ध के मैदान में किसी भी समस्या का समाधान नहीं निकल सकता है। किसी भी स्थिति में अगर लोगों की जान जा रही है, यह इंसानियत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। हम हमेशा से ही बातचीत और कूटनीति पर विश्वास जताते हैं, उम्मीद करते हैं कि उससे शांति स्थापित होती है। भारत अपनी तरफ से हर तरह का सहयोग देने को तैयार है।

पीएम मोदी का ...

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की ओर से शांति की जल्द बहाली के लिए हर संभव मदद देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

दोनों नेताओं ने बातचीत के बाद चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए। अधिकारियों ने बताया कि ये समझौते कृषि, खाद्य उद्योग, चिकित्सा, संस्कृति और मानवीय मदद के क्षेत्रों में सहयोग प्रदान करेंगे। 1991 में यूक्रेन की स्वतंत्रता के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री पहली यात्रा है और यह यात्रा कीव की रूस के पश्चिमी कुर्स्क क्षेत्र में हाल की सैन्य कार्रवाई के बीच हो रही है। जयशंकर ने कहा, भारत का मानना है कि दोनों पक्षों को आपसी बातचीत के जरिए समाधान निकालने की जरूरत है।

विदेश मंत्री ने कहा, पीएम मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण दिया है। हम उम्मीद करते हैं कि राष्ट्रपति जेलेंस्की अपनी सुविधानुसार भारत का दौरा करेंगे। रूस पर प्रतिबंधों के बारे में उन्होंने कहा, मैं कहूंगा कि भारत आमतौर पर किसी देश पर प्रतिबंध नहीं लगाता। यह हमारी राजनीतिक औ कूटनीतिक परंपरा का हिस्सा नहीं है। हम आमतौर पर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों को मानते हैं। यही वे प्रतिबंध हैं, जिनका हम सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा, हम भारतीय छात्रों को यूक्रेन में सतर्क रहने की सलाह देंगे। हमें उम्मीद है कि यह संघर्ष खत्म होगा और जीवन सामान्य होगा।रूस-यूक्रेन संघर्ष पर जयशंकर ने कहा, भारत ने कई बार तनाव बढ़ने की चेतावनी दी थी। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी ने वैश्विक दक्षिण में इस संघर्ष के परिणामों के बारे में विचार साझा किए हैं। पीएम ने यूक्रेनी राष्ट्रपति से मौजूदा स्थिति और कूटनीतिक परिदृश्य पर बात की।

चंद्रयान-3 की...

इसरो के चंद्रयान-3 मिशन ने 23 अगस्त, 2023 को चांद की सतह पर विक्रम लैंडर की सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग पूरी की थी। चांद की सतह से अहम डाटा इकट्ठा करना मिशन की विशेषता रही। पिछले साल 23 अगस्त के दिन ही भारत ने इतिहास रचा था। भारत, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बना था। भारत के इस उपलब्धि की दुनिया में चर्चा रही। इसरो ने सुरक्षित रूप से चंद्रयान-3 को चंद्रमा की सतह पर उतारा था। मिशन के उद्देश्यों में चंद्र सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग करना, रोवर को चंद्रमा पर भ्रमण कराना और सतह पर वैज्ञानिक प्रयोग करना शामिल था। इसके अनुरूप मिशन ने सतह पर कई परीक्षण किए जो हमारी वैज्ञानिक क्षमता के विकास में सहायक होंगे। इसके अलावा, भविष्य में होने वाले चंद्र मिशनों को भी काफी मदद मिलेगी।

इसरो के चंद्रयान-3 मिशन ने 23 अगस्त 2023 को चांद की सतह पर विक्रम लैंडर की सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग की थी। इसके साथ ही भारत चांद पर उतरने वाला चौथा देश बन गया और चांद के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के पास उतरने वाला पहला देश बन गया। सॉफ्ट लैंडिंग के बाद प्रज्ञान रोवर की सफल तैनाती की गई। लैंडिंग साइट का नाम शिव शक्ति पॉइंट रखा गया और 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस घोषित किया गया। भारत अपना पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 23 अगस्त 2024 को मना रहा है। पहले अंतरिक्ष दिवस का विषय चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूना, भारत की अंतरिक्ष गाथा रखा गया है। इस अवसर पर अंतरिक्ष से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि अंतरिक्ष में भारत की उल्लेखनीय उपलब्धियों, लोगों को होने वाले लाभ और सभी क्षेत्रों के लोगों के लिए भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम से जुड़ने के असीम अवसरों को उजागर किया जा सका।चंद्रयान-3 मिशन चंद्रयान-2 का ही अगला चरण था, जिसे चंद्रमा की सतह पर उतरकर परीक्षण करने के लिए तैयार किया गया था। इसमें एक लैंडर और एक रोवर शामिल किए गए। चंद्रयान-3 का फोकस चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंड करने पर था। मिशन की सफलता के लिए नए उपकरण बनाए गए थे। एल्गोरिदम को बेहतर किया गया था। जिन वजहों से चंद्रयान-2 मिशन चंद्रमा की सतह नहीं उतर पाया था, उन पर फोकस किया गया।मिशन ने 14 जुलाई 2023 को दोपहर 2:35 बजे श्रीहरिकोटा केंद्र से उड़ान भरी थी और योजना के अनुसार 23 अगस्त 2023 को चंद्रमा पर उतरा। इस मिशन से भारत अमेरिका, रूस और चीन के बाद चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया। इसके साथ ही चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला भारत पहला देश बन गया। इस मिशन के तीन उद्देश्य थे जिसमें चंद्र सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग प्रदर्शित करना, रोवर को चंद्रमा पर भ्रमण का प्रदर्शन करना और सतह पर वैज्ञानिक प्रयोग करना। मिशन के उद्देश्यों को हासिल करने के लिए लैंडर को कई उन्नत प्रौद्योगिकियों से लैस किया गया था। मिशन में सात उपकरणों को शामिल किया गया था जिनसे काम लेना और चांद की सतह से डाटा इकट्ठा करना ही मिशन की विशेषता साबित हुई।विक्रम लैंडर में सीएचए-एसटीई नाम का उपकरण लगाया गया था जिसका उद्देश्य चंद्रमा की सतह की तापीय चालकता का अध्ययन करना था। इसके साथ ही उपकरण ने चंद्रमा की सतह पर और नीचे अलग-अलग जगहों पर तापमान में अंतर को भी मापा। सीएचए-एसटीई उपकरण ने चांद के दक्षिणी ध्रुव के बारे में इसरो को एक अहम जानकारी दी। इस उपकरण से मिली रीडिंग में बताया गया कि चांद की सतह और उसके नीचे के तापमान में काफी ज्यादा अस्थिरता है। इसरो द्वारा साझा किए आंकड़ों के अनुसार, चांद के दक्षिणी ध्रुव की सतह पर तापमान 50 से लेकर 60 डिग्री सेल्सियस तक है। वहीं सतह के 10 सेंटीमीटर नीचे का तापमान -10 डिग्री सेल्सियस है। उपकरण द्वारा लिए गए मापों से पता चला कि चंद्र सतह की ऊपरी मिट्टी बहुत अच्छी तरह से गर्मी नहीं सहन करती है और उप-सतह को गर्मी से बचाती है।चंद्रमा पर भूकंपीय गतिविधियों के परीक्षण के लिए आईएलएसए पेलोड लगाया गया था। इस उपकरण ने लगभग 50 अलग-अलग घटनाओं को रिकॉर्ड किया, जो महज कुछ सेकंड तक चलीं। इसरो के कार्यालय अंतर्राष्ट्रीय एवं अंतर-एजेंसी सहयोग (ओआईआईसी) के निदेशक डी. गौरीशंकर के मुताबिक, एक चंद्र दिवस पर लगातार की गई माप से संकेत मिला कि ध्रुवीय अक्षांश भूकंपीय रूप से शांत नहीं हैं। इसका मतलब है कि ध्रुवीय क्षेत्र में चंद्र में घर बनाने के लिए अहम इनपुट देते हैं। एपीएक्सएस ने प्रज्ञान रोवर के करीब 100 मीटर दूरी पर कुल 23 स्थानों पर कुछ तत्वों को पता लगाया। रोवर पर लगे एलआईबीएस उपकरण ने दक्षिणी ध्रुव के पास चंद्र सतह की मौलिक संरचना पर पहली बार इन-सीटू माप लिया। इन मापों से क्षेत्र में सल्फर (एस) की मौजूदगी की स्पष्ट रूप से पुष्टि हुई। विश्लेषणों से पता चला है कि चंद्रमा की सतह पर एल्युमिनियम (एल), सल्फर (एस), कैल्शियम (सीए), आयरन (एफई), क्रोमियम (सीआर) और टाइटेनियम (टीआई) की मौजूदगी है। आगे के मापों से मैंगनीज (एमएन), सिलिकॉन (एसआई) और ऑक्सीजन (ओ) की मौजूदगी का पता चला।एसएचएपीई पेलोड ने दो महीने तक चंद्रमा की परिक्रमा करने वाले प्लेटफार्म से पृथ्वी का निरीक्षण किया। इसमें ऑक्सीजन, जल वाष्प और कार्बन-डाइऑक्साइड की मौजूदगी दिखाई देती है, जो एक ऐसे ग्रह का संकेत देती है जो जीवन के लिए रहने योग्य है। चांद की सतह के तापमान प्रोफाइल से आगामी चंद्र मिशनों को काफी मदद मिलेगी। नासा का आर्टेमिस-3 मिशन 2025 में भेजा जाना है। जब मिशन में शामिल लोग यहां उतरेंगे तो उन्हें किस प्रकार का अनुभव होगा और यहां पर किस प्रकार की सामग्रियों का उपयोग किया जा सकता है, यह सब कुछ तापमान प्रोफाइल से ही संभव होगा। इसी तरह, वैज्ञानिक चंद्रमा की तात्विक संरचना, विकिरण के स्तर और कंपन गतिविधियों का सटीक अंदाजा लगाने की कोशिश कर रहे हैं। यहां बर्फ के बीच जमे हुए पानी की संभावित मौजूदगी भी वैज्ञानिकों की एक बड़ी दिलचस्पी बनी है। पानी न केवल मनुष्य के लंबे समय तक रहने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि ईंधन के रूप में इसकी उपयोगिता के दृष्टिकोण से भी अहम है। अंततः तमाम मिशनों का उद्देश्य यह है कि चांद अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की तरह एक स्थायी स्टेशन के रूप में काम करे जिसमें वैज्ञानिक प्रयोग लगातार चल सकें और अंतरिक्ष यात्री नियमित रूप से वहां जा सकें। यह तभी संभव होगा जब वैज्ञानिक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए चंद्रमा पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर पाएंगे। 23 अगस्त, 2023 को भारत चंद्रयान-3 मिशन चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला मिशन बन गया था। इस मिशन को इसरो ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने इसके बाद चंद्रयान की लैंडिंग साइट का नाम शिव शक्ति पॉइंट रखा था और नेशनल स्पेस डे की घोषणा की थी।

20% गरीब...

इस तरह वाहनों के स्वामित्व के मामले में 11 वर्षों के दौरान तकरीबन 566 प्रतिशत का इजाफा दर्ज किया गया। आंकड़ों से पता चलता है कि भारत के सबसे निचले 20 प्रतिशत परिवारों में वाहन का स्वामित्व रखने के मामले में सबसे अधिक वृद्धि पंजाब में हुई। राज्य के सबसे गरीब ग्रामीण परिवारों में यह संख्या 15.5 प्रतिशत से बढ़कर 62.5 प्रतिशत हो गई है। पंजाब के सबसे गरीब शहरी परिवारों में यह संख्या 14 प्रतिशत से बढ़कर 65.7 प्रतिशत पर पहुंच गई।कर्नाटक इस मामले में काफी पीछे रहा। कर्नाटक में उक्त 11 वर्ष की अवधि में ग्रामीण क्षेत्रों में वाहन स्वामित्व 3.3 प्रतिशत से बढ़कर महज 56.6 प्रतिशत हो पाया, जबकि राज्य के शहरी गरीब परिवारों में वाहनों का 11.1 प्रतिशत से बढ़कर 61.3 प्रतिशत हो गया। इस मामले में वाहन का मतलब कार, जीप, मोटरसाइकिल और स्कूटर से है। महाराष्ट्र की बात करें तो यहां के ग्रामीण क्षेत्र में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जहां सबसे गरीब परिवारों के बीच वाहन स्वामित्व वित्त वर्ष 2012 में 4.1 प्रतिशत था जो बढ़कर वित्त वर्ष 2023 में 45.1 प्रतिशत पर पहुंच गया।देश के का पूर्वी राज्य असम उन राज्यों में शामिल है जहां वाहन स्वामित्व में वृद्धि अपेक्षाकृत कम रही। असम में यह 1 प्रतिशत से बढ़कर महज 9.6 प्रतिशत हो गया। शहरी क्षेत्रों वाहन स्वामित्व में इजाफा 1 प्रतिशत से बढ़कर 15.2 प्रतिशत हो गया। बिहार में उक्त अवधि के दौरान, ग्रामीण क्षेत्रों में वाहन स्वामित्व 1.8 प्रतिशत से बढ़कर 19.1 प्रतिशत हो गया, और शहरी क्षेत्रों में 6.1 प्रतिशत से बढ़कर 16.8 प्रतिशत हो गया। पश्चिम बंगाल में, वित्त वर्ष 2012 में सबसे गरीब ग्रामीण परिवारों में से 1 प्रतिशत से भी कम के पास वाहन थे, और वित्त वर्ष 2023 में यह बढ़कर 11.3 प्रतिशत हो गया। इसी अवधि में शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 1 प्रतिशत से बढ़कर 15.2 प्रतिशत हो गया। ये आंकड़े सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आंकड़ों पर आधारित हैं।

गृह मंत्री शाह ...

फिर से लाने का समर्थन करती है?

6. इस गठबंधन से कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा सामने आया है। क्या कांग्रेस दलितों, गुज्जर, बकरवाल और पहाड़ियों के आरक्षण को समाप्त कर फिर से उनके साथ अन्याय करने के नेशनल कॉन्फ्रेंस के वादे के साथ है?

7. क्या कांग्रेस चाहती है कि शंकराचार्य पर्वत, तख्त-ए-सुलेमान और हरि पर्वत, कोह-ए-मारन के नाम से जाने जाएं?

8. क्या कांग्रेस जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को एक बार फिर से भ्रष्टाचार की आग में झोंक कर पाकिस्तान समर्थित गिने चुने परिवारों के हाथों में सौपने का समर्थन करती है?

9. क्या कांग्रेस पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के जम्मू और घाटी के बीच भेदभाव की राजनीति का समर्थन करती है?

10. क्या कांग्रेस और राहुल गांधी कश्मीर को स्वायत्तता देने की नेशनल कॉन्फ्रेंस की विभाजनकारी सोच और नीतियों का समर्थन करते हैं?

पीएम मोदी नीतियां...

जिससे अंतरिक्ष गतिविधियों में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि एक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति की भी घोषणा की गई है, जिसमें अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी निवेश या विदेशी निवेश को कुछ नियंत्रणों और विनियमों के साथ अनुमति दी गई है, जो पहले संभव नहीं था।इसरो चीफ ने बताया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने भी भू-स्थानिक नीति पेश की है। इसका मतलब है कि सभी भू-स्थानिक डेटा, उपग्रह डेटा भी अब सभी के लिए पांच मीटर रिजोल्यूशन तक निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। चंद्रयान-3 के चंद्रमा पर उतरने के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की लाइव भागीदारी को याद करते हुए इसरो प्रमुख ने कहा कि मुझे याद है कि हमारे प्रधानमंत्री मोदी लाइव प्रसारण देख रहे थे और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से कुछ पल निकालकर हमारे साथ थे। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस घोषित किया और लैंडिंग साइट का नाम शिव शक्ति पॉइंट रखा, जबकि चंद्रयान-2 लैंडिंग साइट को तिरंगा पॉइंट नाम दिया गया।सोमनाथ ने विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में मोदी की यात्रा को भी याद किया, जहां उन्होंने गगनयान मिशन और अन्य अंतरिक्ष परियोजनाओं में गहरी रुचि दिखाई। सोमनाथ ने कहा, हमें अमृतकाल में अंतरिक्ष 2047 के लिए एक दीर्घकालिक रोडमैप, एक विजन तैयार करने के लिए कहा गया था। प्रधानमंत्री गगनयान कार्यक्रम और अंतरिक्ष स्टेशन की योजनाओं सहित भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों पर हमारी प्रस्तुति से बहुत खुश थे।यू आर राव सैटेलाइट सेंटर (यूआरएससी) के निदेशक एम शंकरन ने भी चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण के बाद प्रधानमंत्री के अंतरिक्ष केंद्र के दौरे को याद करते हुए कहा, जब वे बात कर रहे थे, तो वे थोड़े भावुक थे। उन्होंने वहां मौजूद होने के लिए हम सभी का धन्यवाद किया और सभी के प्रयासों की सराहना की। वह बहुत स्पष्ट थे कि हमें अंतरिक्ष गतिविधियों में अन्य सरकारी एजेंसियों को शामिल करना होगा, जो कि अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों का नतीजा है।

खून के रिश्तेदारों ...

इनमें से कुछ सीटें जैसे डूरू, शांगस और राजपोरा सभी कश्मीर में हैं। ये सीटें 18 सितंबर को पहले चरण में 16 सीटों पर मतदान में से एक हैं। एनसी का तर्क है कि वह जम्मू में कांग्रेस को बढ़त देने को तैयार है। एक नेता ने कहा, जम्मू जिले में ही हम 11 सीटों में से नौ सीटें देने को तैयार हैं। वे इतनी यथार्थवादी हैं कि पता चल जाएगा कि जम्मू में उनकी बेहतर उपस्थिति है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं ने बताया कि जिन सीटों पर पार्टी मजबूत है, भले ही नेतृत्व सहमत हो और चाहे साझेदार कितनी भी रैलियां क्यों न करें कैडर अपना वोट स्थानांतरित नहीं करेंगे। पार्टी नेताओं ने कहा कि वे खंडित जनादेश की किसी भी संभावना से बचने के लिए किसी भी सीट पर समझौता नहीं करना चाहते हैं। एक वरिष्ठ एनसी नेता ने कहा, जहां तक संभव हो, हम कश्मीर में उनकी मांगों को कम करेंगे और उन्हें जम्मू में उनके दावों पर गौर करेंगे।एनसी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि इन कमियों के बावजूद लगभग 75 प्रतिशत सीटों पर बातचीत पूरी हो चुकी है और दोनों पक्ष दूसरों पर बातचीत के लिए तैयार हैं। खड़गे ने यह भी सुझाव दिया था कि जिन सीटों पर दोनों दल किसी समझौते पर नहीं पहुंच सकते हैं वहां दोनों एक मैत्रीपूर्ण व्यवस्था में असहमत होने और अलग-अलग लड़ने पर सहमत हो सकते हैं।

इंडी गठबंधन में शामिल पीडीपी के साथ कांग्रेस के समझौते के दरवाजे बंद हो गए हैं। पीडीपी ने पहले कहा था कि वह कांग्रेस के साथ गठबंधन के लिए तैयार है लेकिन उसे यह कदम उठाना होगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, हम यहां चुनाव और गठबंधन के लिए स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के विचार जानने के लिए आए हैं। राहुल जी सभी को साथ लेकर चलने में रुचि रखते हैं। खड़गे ने कहा कि राज्य के दर्जे के अलावा, कांग्रेस के अन्य वादे नौकरी, निवेश और जम्मू-कश्मीर के लोगों की जल, जंगल, जमीन की सुरक्षा थे। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि वे इन्हें आपसे छीनने की कोशिश कर रहे हैं।2014 के विधानसभा चुनावों में (जम्मू-कश्मीर में हुए पिछले राज्य चुनावों में) पीडीपी ने सबसे अधिक 28 सीटें जीती थीं, उसके बाद भाजपा ने 25 सीटें जीती थीं। भाजपा का वोट शेयर 22.98 प्रतिशत था, जो पीडीपी के 22.67 प्रतिशत से थोड़ा अधिक था। चुनाव के बाद पीडीपी और भाजपा ने मिलकर सरकार बनाई थी, जो 2018 में गिर गई थी। एनसी ने 20.77 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 15 सीटें हासिल की थीं, जबकि कांग्रेस को 18.01 प्रतिशत वोट शेयर के साथ लद्दाख समेत पूर्ववर्ती राज्य में 12 सीटों से संतोष करना पड़ा था।बहरहाल, गठबंधन के एक दिन बाद ही कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस में अंदरूनी कलह शुरू हो गई है। नेकां ने जम्मू संभाग में नगरोटा, रैपर दोमाना, विजयपुर, नौशेरा, सुंदरबनी, चिनाब वैली सहित दस से अधिक सीटों की मांग की है, जिसका पार्टी के भीतर विरोध हो रहा है।कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने जम्मू संभाग में बेहतर प्रदर्शन किया है।

कांग्रेस कई प्रमुख सीटों पर भाजपा को टक्कर देने में सक्षम है। लेकिन नेकां की ओर से उक्त सीटों की मांग की जा रही है, जिससे कांग्रेस को नुकसान होगा। नौशेरा-सुंदरबनी सीट रिफ्यूजियों की रही है और कांग्रेस हमेशा इसका समर्थन करती रही है। इसके साथ पिछले 10 साल से जो नेता पार्टी की सेवा कर रहे हैं, उन्हें नेकां द्वारा संबंधित सीट पर खड़ा हो जाने के बाद निराश होना पड़ेगा।डीपीएपी प्रमुख गुलाम नबी आजाद के कांग्रेस में शामिल होने की खबरों के बीच कांग्रेस नेता गुलाम अहमद मीर ने कहा कि कांग्रेस किसी भी व्यक्ति के साथ काम करने के लिए तैयार है, जो भाजपा की विचारधारा से लड़ना चाहता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 24 अगस्त, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

केटीआर ने कांग्रेस की हिंसा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

पुलिस की निष्क्रियता की आलोचना की

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ शुक्रवार को तेलंगाना पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के समक्ष कांग्रेस पार्टी के सदस्यों से जुड़ी हालिया राजनीतिक हिंसा और कथित पुलिस लापरवाही के संबंध में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत में सूर्यपेट जिले के तिरुमालागिरी में बीआरएस के विरोध शिविर पर कांग्रेस सदस्यों द्वारा किए गए हमले पर ध्यान केंद्रित किया गया। छात्र नेता और तुंगतुर्थी के पूर्व विधायक गदारी किशोर के नेतृत्व में शांतिपूर्ण किसान विरोध प्रदर्शन को कथित तौर पर 50 कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बाधित किया, जिन्होंने पत्थर, अंडे और कच्चे बमों का इस्तेमाल करके बिना उकसावे के हमला किया।केटीआर ने पुलिस की प्रतिक्रिया पर अपनी निराशा व्यक्त की, उन पर प्रदर्शनकारियों की रक्षा करने के बजाय विरोध शिविर के तम्बू को हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने मुख्यमंत्री के गृहनगर कोंडारेड्डीपल्ली में दो महिला पत्रकारों और अन्य पत्रकारों पर हमले की भी निंदा की, जो ऋण माफी की स्थिति की जांच कर रहे थे।केटीआर ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना की और उन्हें महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्वजनिक चर्चा से बचने और दिल्ली में काफी समय बिताने के लिए कायर करार दिया। उन्होंने झूठे मामलों और अनुचित व्यवहार, जैसे गैर-आधिकारिक गतिविधियों में भाग लेने के उदाहरणों का हवाला देते हुए पुलिस अधिकारियों द्वारा अति उत्साह के साथ काम करने की हालिया प्रवृत्ति पर भी चिंता व्यक्त की।बीआरएस नेताओं ने तिरुमलागिरी हमले और पत्रकारों पर हमले में शामिल लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। केटीआर ने चेतावनी दी कि हालांकि बीआरएस हैदराबाद की छवि की रक्षा के लिए धैर्य बनाए हुए है, लेकिन इसे कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए, उन्होंने संकेत दिया कि अगर स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो जवाबी कार्वाई हो सकती है।प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी से राज्य में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त और निष्पक्ष कार्वाई करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने टी-फाइबर परियोजना के लिए धन और मंजूरी मांगी

नई दिल्ली, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से टी-फाइबर परियोजना के लिए 1,779 करोड़ का ब्याज मुक्त ऋण देने का अनुरोध किया है। इस परियोजना का उद्देश्य तेलंगाना भर में 93 लाख घरों को केवल 300 प्रति माह पर फाइबर-ऑप्टिक इंटरनेट कनेक्शन प्रदान करना है। शुक्रवार को दिल्ली में मंत्री सिंधिया के साथ बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के साथ कनेक्टिविटी में सुधार के लिए राज्य की योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की।वे सभी ग्राम पंचायतों, मंडलों और जिलों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ना चाहते हैं।

करमनघाट स्थित अल्मासगुड़ा सीरवी समाज पूर्व सचिव हिरालाल सैणचा निवास स्थान पर आयोजित कजरी तीज के अवसर पर विधिया देवी, नारेगी देवी, कमला देवी, पिन्की देवी, संगीता देवी, पुष्पा देवी, सभी ने मिलकर सैणचा निवास पर अपनी पुजा अर्चना भाग लिया और चांद देख कर अपना व्रत खोला गया। कार्यक्रम में भाग लेती हुईं करमनघाट अल्मासगुड़ा सीरवी समाज की महिलाएं।

श्री राधा कृष्णा सेवा समिति की श्रीमद् भागवत कथा का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर श्री बायोसा माताजी के भक्त आशामाताजी के सान्निध्य में श्री राधा कृष्णा सेवा समिति, हैदराबाद द्वारा शुक्रवार, 23 अगस्त, 2024 को श्रीमद् भागवत कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। शुक्रवार, दि. 23 को प्रातः 9.15 बजे ख्याली की बगीजी (नरसिंह मंदिर) से कथा स्थल तक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें सैकड़ो की संख्या में पुरुष एवं महिलाओं भक्तों ने भाग लिया।

श्रीमतद् भागवत कथा आगामी दि. 29 अगस्त, 2024 तक मध्याह्न 2.00 से सायं 6.00 बजे तक रहेगी।

मंगलवार, 27 से 29 अगस्त तक नानी बाई का मायरा कार्यक्रम राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय माली संघ, कोलसावाड़ी, बेगम बाजार में शाम 7 से रात 10.00 बजे तक किया जाएगा।

शुक्रवार को व्यासपीठ पर श्यामसुन्दरजी महाराज (जोधपुर वाले) विराजमान होकर भक्तों को श्रीमद् भागवत कथा रसास्वादन कराया है। सम्पूर्ण आयोजन के प्रमुख यजमान पानी देवी शेषाराम कुमावत, मुख्य यजमान डावरराम गोकलराम कुमावत एवं जसाराम कुमावत तथा दैनिक यजमान पप्पुराम, गैनाराम कुमावत (सांगर) ने लाभ लिया।श्री राधा कृष्णा सेवा समिति, हैदराबाद ने भक्तों से कथा में भाग लेने का आग्रह किया।

सतुडी तीज पर बड़ीचावडी में आयोजित पूजा-अर्चना करते हुए समाज सेविका ऊषा बंग, शोभा बंग, मंगला झवर, अनिता बंग, आरती एवं अन्य।

अटल पेंशन योजना आउटरीच कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेंशन फंड विनियामक प्राधिकरण (पीएफआरडीए) भारत सरकार ने राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी), तेलंगाना के माध्यम से शुक्रवार को स्टेट बैंक इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट (एसबीआईएलडी), वेस्ट मरेडपल्ली में तेलंगाना के बैंकों, अग्रणी जिला प्रबंधकों (एलडीएम) के लिए आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया।

पीएफआरडीए की पूर्णकालिक सदस्य (अर्थशास्त्र) ममता शंकर ने बताया कि भारत सरकार ने भारतीयों, विशेष रूप से वंचित और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली बनाने के उपाय के रूप में अटल पेंशन योजना शुरू की है और 18 वर्ष से 40 वर्ष की आयु के सभी भारतीय नागरिक इस योजना में शामिल होने के पात्र हैं।

इस योजना के तहत, 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर ग्राहकों को 1000 रुपये से 5000 रुपये की सुनिश्चित पेंशन प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि अब तक तेलंगाना राज्य में लगभग 19.37 लाख नागरिकों ने एप-ीवाई की सदस्यता ली है, जबकि पूरे भारत में 662 लाख नागरिकों ने 30 जून, 2024 तक अटल पेंशन योजना की सदस्यता ली है।

एसएलबीसी का प्रतिनिधित्व करते हुए एसबीआई के डीजीएम प्रियब्रत मिश्रा ने कहा कि वृद्धावस्था में नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से अटल पेंशन योजना को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त, 2024 तक वित्तीय वर्ष के दौरान, राज्य के बैंकों ने 1,21,259 सदस्यताएँ नामांकित की हैं। रूबी विनायक भौसागर, एजीएम, पीएफआरडीए, पी हरीश, एजीएम, नाबार्ड, राकेश रोशन वर्मा, डीजीएम, केनरा बैंक, बी श्रीनिवास, एजीएम, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एसएलबीसी, तेलंगाना के सदस्य बैंकों के अधिकारी, प्रमुख जिला प्रबंधक, व्यवसाय संवाददाता उपस्थित थे।

अधिकारी बनकर पीड़ितों को ठगने के आरोप में छह लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गुप्त सूचना के आधार पर मलकाजगिरी और कीसरा पुलिस, राचकोंडा के एसओटी के जासूसों ने छह लोगों को पकड़ा है, जिन्होंने निर्दोष लोगों को ठगा है। इनमें से एक आरोपी जिसका नाम ए. सुरेंदर रेड्डी है, उसने खुद को तेलंगाना राज्य सरकार के मुख्य सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी के रूप में पेश किया और 7 लोगों को उनकी मनचाही पोस्टिंग वाली जगह पर ट्रांसफर करने के नाम पर ठगा। इसके अलावा, इन छह आरोपियों ने चेरलापल्ली में 2बीएचके फ्लैट आवंटित करने के नाम पर और भारतीय खाद्य निगम में नौकरी देने के नाम पर भी अन्य निर्दोष लोगों को ठगा है। इन सभी ने मिलकर 1.29 करोड़ रुपये की ठगी की है। इनके पास से (1) फर्जी डबल बेडरूम आवंटन प्रतियां-98, (2) डुप्लिकेट स्टाम्प (आरडीओ कीसरा)-02, (3) मोबाइल फोन -08 और (4) नकद रु.1,97,000/- जब्त किये गये।

पुलिस के अनुसार आरोपी ने शिक्षा विभाग से जुड़े 7 अन्य लोगों को ठगा है और उसने फोन पर खुद को तेलंगाना राज्य सरकार के मुख्य सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी के रूप में बताया और उनके इच्छित स्थानों पर स्थानांतरण प्रदान करने के बहाने 7,00,000/- (7 लाख) रुपये एकत्र किए। आरोपी सुरेंद्र रेड्डी, जिसके पास मिड डे मील का अनुबंध है, उसके एमईओ कार्यालय से संपर्क हैं, वह खुद को राज्य सरकार का कर्मचारी बताता था और भोले-भाले लोगों को यह विश्वास दिलाता था कि तेलंगाना सरकार में उसका बहुत प्रभाव है और वह उन्हें 2बीएचके आवंटन दिलाने में मदद करेगा और साथ ही वह उन्हें भारतीय खाद्य निगम में नौकरी दिलाने में भी मदद करेगा।

इसका फायदा उठाकर आरोपी ने कई निर्दोष लोगों को ठगा। अन्य आरोपियों में मेरिना रोज, बांदा वेंकटेश, बोलुगुला लिंगैया और अन्य ने मिलकर करीब 100 लोगों से 1,04,00,000/-(1 करोड़ 4 लाख) रुपये की ठगी की है। उन्होंने नौकरी का वादा करके भी पीड़ितों को ठगा और करीब 18,50,000/-(18.5 लाख) वसूले।

राचकोंडा पुलिस सभी लोगों से अपील की है कि 2बीएचके घरों के आवंटन के लिए कभी भी किसी व्यक्ति/बिचौलिए से संपर्क न करें। पुलिस ने यह भी अपील की है कि अगर किसी अन्य निर्दोष व्यक्ति को पकड़े गए आरोपी द्वारा धोखा दिया जाता है तो वे कीसरा पुलिस से संपर्क कर सकते हैं। साथ ही जनता से अनुरोध किया कि वे धोखेबाजों से सावधान रहें जो सरकारी अधिकारियों/प्रभावशाली व्यक्तियों के नाम पर खुद को पेश करते हैं और नौकरी दिलाने/2बीएचके घरों के आवंटन के नाम पर धोखा देते हैं।

मंत्रिमंडल विस्तार, नये पीसीसी प्रमुख की संभावना !

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

क्या एआईसीसी मंत्रिमंडल विस्तार को मंजूरी देगी और कम से कम इस बार टीपीसीसी के नए अध्यक्ष के नाम की घोषणा करेगी? यह बड़ा सवाल है जो मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, एन उत्तम कुमार रेड्डी, भट्टी विक्रमार्क और दीपादास मुंशी के नई दिल्ली दौरे के मद्देनजर पार्टी हलकों में घूम रहा है। शुक्रवार को वे एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और अन्य नेताओं से मुलाकात की।

उत्तम एआईसीसी की सीईसी बैठक में भाग लेंगे। बाद में रेवंत पार्टी नेताओं से बातचीत करेंगे। वे उन्हें कर्ज माफी योजना और चुनाव के दौरान पार्टी द्वारा दी गई गारंटी के क्रियान्वयन के बारे में बताएंगे।रेवंत राजीव गांधी की प्रस्तावित प्रतिमा की स्थापना के उद्घाटन के लिए राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी को भी आमंत्रित करेंगे।

मुख्यमंत्री चाहते हैं कि आलाकमान जल्द ही नए पीसीसी अध्यक्ष के नाम की घोषणा करे क्योंकि पार्टी को स्थानीय निकाय चुनावों का सामना करना पड़ेगा। पता चला है कि पार्टी आलाकमान विधायक अदलूरी लक्ष्मण कुमार के नाम पर सक्रिय रूप से विचार कर रहा था। वह एससी समुदाय से हैं और कहा जाता है कि उन्हें डी. श्रीधर बाबू, एन. उत्तम कुमार रेड्डी और जीवन रेड्डी का समर्थन प्राप्त है। गौरतलब है कि एमएलसी बी. महेश कुमार गौड़, पीसीसी अभियान समिति के अध्यक्ष मधु यशकी गौड़, सांसद बलराम नाइक के अलावा पूर्व सांसद एम. अंजन कुमार यादव भी पीसीसी अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी कर रहे हैं।

पैराडाइज होटल में बड़ी आपदा टली

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद के मशहूर पैराडाइज होटल में शुक्रवार को आग लगने से अधिकारियों की समय पर प्रतिक्रिया ने एक बड़ी आपदा को टाल दिया। पुलिस ने बताया कि इस घटना से ग्राहकों और कर्मचारियों में दहशत फैल गई, लेकिन त्वरित बचाव प्रयासों की बदौलत कोई हताहत नहीं हुआ। होटल के कर्मचारियों द्वारा सूचना दिए जाने पर, पास के अग्निशमन विभाग के कर्मचारी और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचे और संयुक्त प्रयास से इमारत को खाली कराया और आग बुझाई। यह घटना उस समय हुई जब होटल में ग्राहकों की भीड़ थी। आग की लपटें देखते ही ग्राहक अपना खाना छोड़कर घबराकर बाहर भाग गए। होटल के कर्मचारियों और दमकल विभाग की समय पर प्रतिक्रिया ने एक बड़ी आपदा को टाल दिया। शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी।

तेलंगाना सरकार पशुओं की मूक पुकार सुनें : हरीश राव

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री और सिद्दीपेट बीआरएस विधायक टी. हरीश राव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार की आलोचना की है, जो कृषि और डेयरी उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण पशुधन के कल्याण की उपेक्षा कर रही है।

मुख्यमंत्री को संबोधित एक पत्र में, जिसकी प्रति शुक्रवार को यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को जारी की गई, राव ने गाय, भैंस, भेड़ और बकरियों जैसे मूक पशुओं की जरूरतों पर ध्यान न देने पर अपनी चिंता व्यक्त की।

उन्होंने सवाल किया कि पशुपालन विभाग, जो मुख्यमंत्री के अधिकार क्षेत्र में आता है, इन पशुओं की तत्काल जरूरतों को पूरा करने में विफल क्यों रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले नौ महीनों से सरकारी पशु चिकित्सा अस्पतालों में दर्द निवारक, विटामिन और एंटीबायोटिक सहित आवश्यक दवाओं की भारी कमी है।राव ने डेयरी किसानों पर वित्तीय बोझ को उजागर किया, जो अपने पशुओं को थन की सूजन और वायु लंगड़ापन जैसी बीमारियों से पीड़ित होने पर 2,000 रुपये तक खर्च करने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने कृमिनाशक दवाओं की अनुपलब्धता के कारण पशुओं पर परजीवियों के खतरनाक प्रभावों का भी उल्लेख किया, जिससे एनीमिया और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली होती है। पशु कल्याण मुद्दों के अलावा, राव ने उल्लेख किया कि पशुपालन विभाग में काम करने वाले वाहन कर्मचारियों को उनके वेतन में देरी के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनके परिवारों पर तनाव बढ़ रहा है। उन्होंने सरकार से इन मुद्दों की अनदेखी बंद करने और मूक पशुओं और इस क्षेत्र पर निर्भर श्रमिकों के कल्याण की रक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया।

आंध्र प्रदेश में एक और औद्योगिक दुर्घटना, चार मजदूर घायल

विशाखापत्तनम, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में एक और औद्योगिक दुर्घटना में एक फार्मा इकाई के चार कर्मचारी घायल हो गए।

यह दुर्घटना शुक्रवार तड़के परवाड़ा में जवाहरलाल नेहरू फार्मा सिटी की इकाई में हुई।

अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना सिनर्जीज़ एक्टिव इंग्रेडिएंट्स में हुई। रसायन मिला रहे मजदूर झुलस गये। घायलों को तुरंत विशाखापत्तनम के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।सभी घायल मजदूर झारखंड के बताये जा रहे हैं। हादसा कैसे हुआ इसकी विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने अनकापल्ली जिला कलेक्टर विजय कृष्णन से बात की और घटना की जानकारी ली। उन्होंने कलेक्टर को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिये कि घायलों को पूरा उपचार मिले।मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री वी. अनीता और शीर्ष अधिकारियों को मौके पर पहुंचने का निर्देश दिया। उन्होंने उनसे विशाखापत्तनम के एक निजी अस्पताल में इलाज करा रहे श्रमिकों से मिलने के लिए भी कहा।48 घंटे से भी कम समय में अनकापल्ली जिले में यह दूसरी दुर्घटना है। 21 अगस्त को अच्युता पुरम स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एसईजेड) में एसिएंटिया एडवांस्ड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड में एक रिएक्टर में विस्फोट होने से सत्रह लोगों की मौत हो गई थी और 36 लोग घायल हो गए थे।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को विशाखापत्तनम और अनकापल्ली के अस्पतालों में घायलों से मुलाकात की था। उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिवार को एक-एक करोड़ रुपये, गंभीर रूप से घायलों को 50-50 लाख रुपये और अन्य घायलों को 25-25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की थी।

जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में भाजपा बुरी तरह हारेगी : डी राजा

हनमकोंडा, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के महासचिव डी. राजा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा पर निशाना साधते हुए उन पर आम लोगों के लिए हानिकारक होने का आरोप लगाया। हनमकोंडा में सीपीआई के राज्य सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के लोग आने वाले चुनावों में भाजपा को नकार देंगे। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के निवासी अनुच्छेद 370 को हटाने का विरोध कर रहे हैं और भाजपा शासन से असंतुष्ट हैं। उन्होंने कहा, इसी तरह, हरियाणा के लोग भी आने वाले चुनावों में भाजपा को उखाड़ फेंकने की तैयारी कर रहे हैं क्योंकि वे मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए कृषि कानूनों से नाराज हैं। केंद्र ने विनेश फोगट का समर्थन करने में विफल रहा राजा ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की ओलंपिक के दौरान विनेश फोगट का समर्थन करने में विफल रहने के लिए भी आलोचना की और सुझाव दिया कि यह केंद्र की लापरवाही थी जिसके कारण वह पदक से चूक गई।

वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता ने एनडीए सरकार पर आरोप लगाया कि वह आम आदमी के कल्याण के बजाय कॉर्पोरेट हितों को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने तर्क दिया कि आरएसएस का एक राष्ट्र, एक चुनाव का दृष्टिकोण संविधान के धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के विपरीत है। उन्होंने आरक्षण, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10% कोटा और आरक्षण के उप-वर्गीकरण पर केंद्र सरकार के रुख पर भी सवाल उठाए। उन्होंने न्यायपालिका के साथ कथित छेड़छाड़ पर चिंता व्यक्त की और सरकारी भर्ती में पार्श्व प्रवेश के प्रस्ताव की आलोचना की। राजा ने पश्चिम बंगाल में हाल ही में हुई दुखद घटना का भी जिक्र किया, जहां एक चिकित्सक के साथ क्रूरतापूर्वक बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। उन्होंने डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए विशेष कानून बनाने और सुरक्षा प्रदान करने में केंद्र सरकार की विफलता की आलोचना की। हनमकोंडा में आयोजित तीन दिवसीय सीपीआई सम्मेलन में कुनामनेनी संबाशिव राव सहित पार्टी के कई प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया।

श्री संत ज्ञानेश्वर महाराज भजन मंडळ विठ्ठल रुक्मिणी मंदीर. महाराज गंज की भजन मंडळ के सभी सदस्सरें के साथ अखंड हरिनाम सप्ताह बाबत मुख्य अतिति समाज सेवी गोपाल बल्दवा के सान्निध्य में एक बैठक मिटींग सम्पन्न हुई।

सरकार ने विवाह प्रोत्साहन के लिए 1,225.43 करोड़ रुपए जारी किए

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य सरकार ने 2024-25 के बजट में योजना के लिए आवंटित राशि 2,175 करोड़ रुपये में से कल्याण लक्ष्मी योजना के लिए 1,225.43 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी कर दी है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस राशि का उपयोग लंबित आवेदनों और इस वित्तीय वर्ष में प्राप्त आवेदनों को निपटाने के लिए किया जाएगा। इसमें कहा गया है कि इस योजना के तहत 65,026 आवेदन प्राप्त हुए। वित्त वर्ष 2024-2025 में सरकार को 33,558 आवेदन प्राप्त हुए और 31 मार्च, 2024 तक लंबित आवेदनों की संख्या 31,468 थी। बयान में आगे कहा गया, कुल लंबित आवेदनों में से 28,225 तहसीलदारों के पास और 12,555 राजस्व मंडल अधिकारियों (आरडीओ) के पास लंबित थे। सरकार ने 208 आवेदनों को खारिज कर दिया। इसमें कहा गया है कि अस्वीकृत आवेदनों को छोड़कर 24,038 आवेदनों को निपटाने के लिए धनराशि जारी कर दी गई है।

राजेंद्र नगर काटेदन के दुर्गा नगर जंक्शन के पास रोड पर बने हुए गड्ढों में मिट्टी डाल कर राहगीरों की परेशानी को सुलझाते हुए राजेंद्र नगर ट्रैफिक पुलिस इंस्पेक्टर नरसिम्हा गौड़ व टीम।

सड़क पर पैसे उछालने वाले यूट्यूबर पर मामला दर्ज

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक यूट्यूबर, जिसका कुकटपल्ली में व्यस्त सड़क पर मनोट उछालनेफ का वीडियो हाल ही में फिर से सामने आया, अब कानूनी परेशानी का सामना कर रहा है क्योंकि उस पर लापरवाही से गाड़ी चलाने और सार्वजनिक उपद्रव सहित कई मामलों में आरोप लगाए गए हैं।

मोतीनगर निवासी यूट्यूबर हर्षा चैनल चलाता है।

उसने एक महीने पहले यह वीडियो पोस्ट किया था, जो हाल ही में वायरल हुआ। यूट्यूबर के कृत्यों के खिलाफ़ काफ़ी आक्रोश था क्योंकि इससे इलाके में भयंकर ट्रैफ़िक जाम और अन्य संबंधित समस्याएँ पैदा हुईं।

उसने इस तरह के और भी कृत्य करने की अपनी मंशा भी जताई और अपने सब्सक्राइबर्स से अपने टेलीग्राम चैनल को फ़ॉलो करने की अपील की, जहाँ वे स्टंट के बारे में विवरण पोस्ट करना चाहता था।

हरकत में आई साइबराबाद पुलिस ने यूट्यूबर के खिलाफ केपीएचबी में मामला दर्ज किया था।

इसके अलावा, सनतनगर पुलिस ने भी मामला दर्ज किया था। इस बीच, तेलंगाना पुलिस ने मएक्सफ (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के माध्यम से नागरिकों को इस तरह के कृत्य करने के खिलाफ आगाह किया और कहा कि सोशल मीडिया वीडियो और रील्स के लिए, अगर इस तरह के कुकर्म और पागलपन भरे काम समाज को परेशान करने के लिए किए जाते हैं... तो कानून सख्त मामलों का स्वागत करेगा। सावधान रहें।

सुल्तान बाजार में कज्रली तीज की पूजा सम्पन्न हुई। इस अवसर पर उपस्थित पुष्पा, वीणा दवे, प्रीति जाजू, मंजू वैष्णव, निशा सारड़ा, दीपा कांकरिया, विजयलक्ष्मी और अन्य।

बोइनपल्ली, हशमतपेट में बड़ी तीज की पूजा में सम्मिलित अन्नपूर्णा -अनुराधा - धृति झंवर-स्वाती बसेर -श्रीती रंगा-किरती-स्नेहा तोषनीवाल-शोभा-पूजा पुरोहित-अंजली अट्टल-मीना-मेघा सारडा-अंशु-नम्रता सिखची।

आया राम-गया राम ने बढ़ाई भाजपा-कांग्रेस की टेंशन

चंडीगढ़, 23 अगस्त (एजेंसियां)।

विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद राज्य के प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस मजबूत उम्मीदवार को उतारने की तैयारी में जुट गए हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि अगले हफ्ते की शुरुआत में उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जा सकते हैं। मगर राजनीतिक दलों के लिए यह सब इतना आसान नहीं होने वाला।

दरअसल, पिछले एक साल में दोनों ही दलों में कई बागी शामिल हुए हैं। कांग्रेस में तो 45 से ज्यादा पूर्व विधायक व चेयरमैन शामिल हो चुके हैं। भाजपा में भी शामिल हुए ऐसे नेताओं की लंबी सूची है। ये सभी बागी भी विधानसभा चुनाव में दावेदारी जता रहे हैं। जिन इलाकों से यह चुनाव लड़ना चाहते हैं, वहां पहले से पार्टी के उम्मीदवार मौजूद हैं, जो लंबे समय से ग्राउंड पर मेहनत कर रहे हैं। ऐसे में भाजपा और कांग्रेस के सामने दिक्कत यह है कि राज्य में माहौल बनाने के लिए इन बागियों को पार्टी में शामिल तो कर लिया, मगर टिकटों के बंटवारे को लेकर पुराने व नए साथियों के बीच सामंजस्य बैठाना पहाड़ जैसी चुनौती है। पार्टी को उनकी नाराजगी का भी डर सता रहा है।

भाजपा के सामने ताजा चुनौती राज्य के ऊर्जा मंत्री रणजीत चौटाला ने पेश की है। वह पिछली बार निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर रानियां सीट से विधानसभा चुनाव जीते थे। भाजपा में शामिल होने के बाद वह भाजपा से दावा ठोक चुके हैं। वहीं, इसी सीट से भाजपा के साझेदार हलोपा के गोपाल कांडा के भतीजे धवल कांडा भी दावेदारी जता चुके हैं। दोनों के बीच चल रहे घमासान ने भाजपा को परेशानी में डाल दिया है। गोपाल कांडा लगातार भाजपा के शीर्ष नेताओं से मिल रहे हैं और सीट की दावेदारी छोड़ने को तैयार नहीं है। हिसार में भाजपा से दावेदारी को लेकर अंदरखाने जोर आजमाइश चल रही है। हिसार से स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कमल गुप्ता भाजपा के टिकट से सबसे मजबूत दावेदार हैं। वहीं, लोकसभा चुनाव से ऐन पहले कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुईं सावित्री जिंदल भी दावेदारी जता चुकी हैं। हिसार सावित्री जिंदल की परंपरागत सीट है। इस सीट पर जिंदल परिवार का 2009 तक कब्जा रहा है। कमल गुप्ता ने 2014 में सावित्री जिंदल को हराकर यह सीट हथिया ली थी। पिछले चुनाव में भी गुप्ता ने जीत दर्ज की थी। पिछले दिनों सावित्री जिंदल ने हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात अपनी दावेदारी और मजबूत कर दी है।

ऐसे ही कुछ हालात चरखी दादरी में भी बन रहे हैं। पिछली बार भाजपा से चुनाव मैदान में उतरीं बबीता फोगाट फिर से तैयारी में जुट गई है। वह लगातार लोगों से मिल रही हैं। इसी सीट से पूर्व मंत्री सतपाल सांगवान भी भाजपा से दावेदारी जता रहे हैं। सांगवान कुछ समय पहले ही पूर्व सीएम मनोहर लाल के माध्यम से जजपा से भाजपा में शामिल हुए थे। वह छह बार विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। 2009 में कैबिनेट मंत्री भी रह चुके हैं। इसी तरह यमुनानगर की रादौर सीट से पूर्व राज्यमंत्री कर्ण देव कांबोज दावेदारी पेश करते आए हैं। पिछला चुनाव हारने पर उन्होंने जिस पर अपनी हार का ठीकरा फोड़ा था, वह श्याम सिंह राणा पिछले दिनों भाजपा में शामिल हो गए। इनेलो ने उनकी टिकट भी घोषित कर दी थी। उधर, ऐलनाबाद सीट से भाजपा नेता गोबिंद कांडा दावेदारी जताते रहे हैं। मगर कुछ दिन पहले जजपा से भाजपा में शामिल हुए मीनू बेनीवाल भी दावा ठोक चुके हैं।

भाजपा की तरह कांग्रेस के सामने भी यही दुविधा है कि वह अपने लोगों को टिकट दे या फिर दल-बदुलओं को। इसके अलावा यहां पर हुड्डा और सैलजा गुट होने की वजह से दावेदार भी अधिक हैं। 90 सीटों के लिए करीब 2500 उम्मीदवारों ने आवेदन कर रखा है। लोकसभा चुनाव के दौरान तीन निर्दलीय विधायक सोमबीर सांगवान (दादरी), रणधीर सिंह गोलन (पुंडरी) और धर्मपाल गोंदर (नीलोखेड़ी) ने भाजपा से समर्थन खींच कांग्रेस को दिया था। बताया जा रहा है कि तीनों निर्दलीय विधायक कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ना चाहते हैं और इसी शर्त पर उन्होंने कांग्रेस को समर्थन दिया था। मगर कांग्रेस में पहले से इन तीनों सीटों पर कई दावेदार हैं। दादरी से कांग्रेस में सोमबीर सांगवान के अलावा 35 दावेदार हैं। इसमें तीन पूर्व विधायक भी शामिल हैं। वहीं, रणधीर सिंह गोलन और धर्मपाल गोंदर भी चुनाव लड़ना चाहते हैं, मगर इन दोनों ने कांग्रेस से आवेदन नहीं किया है।

जजपा के बागी विधायक रामकरण काला ने शाहबाद से कांग्रेस से आवेदन कर रखा है, जबकि इस सीट से पूर्व विधायक अनिल कुमार धंनतोरी, लेहरी सिंह और प्रदीप नरवाल भी प्रमुख दावेदार हैं। जजपा के एक अन्य बागी विधायक व पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह बबली भी कांग्रेस से चुनाव लड़ना चाहते हैं। यहां भी तगड़ा मुकाबला है। जजपा के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व विधायक निशान सिंह और पूर्व मंत्री परमवीर सिंह भी दावेदार हैं। इसी तरह लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस में शामिल हुए अवतार सिंह भड़ाना नांगल चौधरी से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने कांग्रेस दफ्तर में आवेदन भी किया। इसी सीट से पूर्व विधायक मोला राम, पूर्व विधायक जसवंत सिंह सहरावत, रिटायर्ड आईएएस विनय सिंह यादव भी टिकट के लिए प्रबल दावेदार हैं।

मल्लन्ना मंदिर में यज्ञ महोत्सव 26 से

बीदर, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

श्रावण के अवसर पर भालकी तालुका के खानापुरा में मल्लन्ना मंदिर में 26 अगस्त से 2 सितंबर तक रुद्र स्वाहाकार यज्ञ महोत्सव का आयोजन किया गया था। महोत्सव के तहत सुबह 4.00 बजे मल्लन्ना भगवान की काकड़ा आरती, सुबह 5.00 बजे रुद्राभिषेक, दोपहर 12.00 बजे नैवेद्य मंगलारती, अपराह्न 3.00 बजे मल्हारी महात्म्य पुराण और रात 8.00 बजे नैवेद्य मंगलारती की जाएगी।

देवी घृतमारि (गुरतमल्लम्मा) को घी का रुद्राभिषेक और मूललिंग (ज्योतिर्लिंगा) को क्षीर रुद्राभिषेक सात दिनों में सुबह 9.00 से 11.30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। दि. 2 सितंबर को सुबह 9.00 बजे रुद्र स्वाहकार यज्ञ, अपराह्न 3.10 बजे से यज्ञ पूर्णाहुति, शाम 4.00 बजे तीर्थ महाप्रसाद, रात्रि 9.00 बजे भगवान मल्लन्ना का पालकी उत्सव, उसके बाद भजन कार्यक्रम होगा।वैदिक विद्वानों द्वारा धारा रुद्राभि पूजा की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी। मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रकाश मैत्रे और कार्यकारी निदेशक अनंतराव कुलकर्णी ने भक्तों को बड़ी संख्या में धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने का आग्रह किया।

डॉ. जीएन राव हुए सम्मानित

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

एल वी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट (ङ्तझएख) के संस्थापक-अध्यक्ष डॉ. गुल्लापल्ली एन. राव को वैंकूवर, कनाडा में आयोजित विश्व नेत्र विज्ञान कांग्रेस 2024 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय नेत्र विज्ञान परिषद (आईओसी) द्वारा 2024 के लिए प्रतिष्ठित परिषद जूल्स फ्रांकोइस गोल्डन मेडल से सम्मानित किया गया।2024 के लिए परिषद जूल्स फ्रांकोइस गोल्डन मेडल मसर्वोच्च वैज्ञानिक गुणवत्ता के नेत्र संबंधी कार्यफके लिए हर चार साल में एक बार दिया जाता है। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि डॉ. राव पहले भारतीय हैं और इस पदक से सम्मानित होने वाले दुनिया के केवल ग्यारह लोगों में से एक हैं। अपनी वार्षिक बैठक में, परिषद अंतरराष्ट्रीय नेत्र विज्ञान के नेताओं को सम्मानित करता है, जिन्हें उनके साथियों द्वारा नामित किया जाता है और परिषद द्वारा पदकों के एक सेट के साथ चुना जाता है। 2013 में, डॉ. राव को वैश्विक नेत्र देखभाल में उनके नेतृत्व के लिए जीओएच न्यूमैन पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। डॉ. राव ने कहा कि मैं अंतर्राष्ट्रीय नेत्र विज्ञान परिषद से मिले सम्मान को संजोकर रखूंगा।

कोलकाता में डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या का मामला

परिसर में दहशत, 143 महिला डॉक्टर हॉस्टल छोड़ कर भागी

हॉस्टल में भय के माहौल में रह रहीं 17 महिला जॉक्टर

700 रेजिडेंट डॉक्टरों में से केवल सौ ही ड्यूटी पर मौजूद

कोलकाता, 23 अगस्त (एजेंसियां)।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में जब से लेडी डॉक्टर के साथ दरिंदगी की घटना हुई है, तब से पूरे परिसर में दहशत का माहौल है। कॉलेज के हॉस्टल में भी हालात ठीक नहीं हैं। अब हॉस्टल में कोई रहने को भी तैयार नहीं है। 143 महिला डॉक्टर हॉस्टल छोड़ कर अन्यत्र सुरक्षित स्थानों पर भाग गई हैं। अब हॉस्टल में केवल 17 महिला डॉक्टर बची हैं, जो भीषण डर के माहौल में वहां रह रही हैं।

एमबीबीएस की 24 वर्षीय चौथे वर्ष की छात्रा ने कहा, अब हमारे छात्रावास में केवल 17 लड़कियां हैं। 9 अगस्त से पहले यहां विभिन्न पाठ्यक्रमों से जुड़ी 160 जूनियर महिला डॉक्टर रहती थीं। जूनियर डॉक्टरों के अनुसार, नर्सिंग छात्रावास के अलावा आरजी कर मेडिकल कॉलेज के लगभग सभी छात्रावास खाली पड़े हैं। 9 अगस्त को ही छात्रों का यहां से निकलने का सिलसिला शुरू हो गया था, जब संस्थान के सेमिनार रूम में जूनियर डॉक्टर का शव मिला था। एमबीबीएस छात्रा ने अस्पताल के गेट के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान भीड़ द्वारा एक हिस्से में की गई तोड़फोड़ का जिक्र करते हुए कहा, 9 अगस्त के बाद से छात्र परिसर छोड़कर जाने लगे। कुछ छात्र कुछ दिनों बाद वापस आ गए, लेकिन 14 अगस्त की रात को उपद्रवियों के हमले के बाद और अधिक छात्र, खासकर लड़कियां वहां से चली गईं। आरजी कर अस्पताल परिसर में महिला डॉक्टरों और छात्राओं के लिए पांच छात्रावास हैं। 22 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में प्रदर्शनकारी डॉक्टरों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने कहा था कि 14 अगस्त की बर्बरता के बाद करीब 700 रेजिडेंट डॉक्टरों में से केवल 30-40 महिला डॉक्टर और 60-70 पुरुष डॉक्टर ही परिसर में रह रहे थे। एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की एक अन्य छात्रा ने कहा, हम उस रात (14 अगस्त) इतने डरे हुए थे कि हम इसे बयां नहीं कर सकते। यहां प्रदर्शन करने आई कई महिला नर्स और डॉक्टर भीड़ के हमले के बाद हमारे छात्रावास की ओर भागीं और हमारे साथ रात बिताई। हममें से कोई भी उस रात सो नहीं सका। इस घटना पर संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार की खिंचाई की और पूछा कि जब अस्पताल में भीड़ जमा हो गई, प्रदर्शनकारियों पर हमला कर दिया और परिसर में तोड़फोड़ की, तो पुलिस क्या कर रही थी।

इसके बाद पीठ ने सीआईएसएफ को अस्पताल को सुरक्षा मुहैया कराने का निर्देश दिया। भीड़ की हिंसा के सिलसिले में अब तक 37 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब कैंपस में 150 सीआईएसएफ कर्मियों की तैनाती के साथ, मेडिकल छात्रों ने कहा कि कुछ अपने छात्रावासों में वापस आ सकते हैं, लेकिन वे इसके बारे में निश्चित नहीं हैं।

पुरुलिया के एक अन्य एमबीबीएस छात्र ने कहा अस्पताल में सीआईएसएफ कर्मियों को तैनात किया गया है। अब, हम बहुत अधिक सुरक्षित महसूस करते हैं, लेकिन जब तक जांच एजेंसी सभी दोषियों को गिरफ्तार नहीं करती, तब तक हम पूरी तरह से सुरक्षित कैसे महसूस करेंगे? मैं अस्पताल में काम नहीं करना चाहता, जहां मेरे बगल में बलात्कारी और हत्यारे खड़े हों। दूसरी ओर, नर्सों ने कहा कि हालांकि वे डरी हुई हैं, लेकिन उनके पास छात्रावास में रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। 42 वर्षीय एक नर्स ने कहा, डॉक्टर अपनी ड्यूटी छोड़ सकते हैं या पुरुष डॉक्टर महिला सहकर्मी की ड्यूटी कर सकते हैं, लेकिन हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज परिसर में, दो नर्सिंग छात्रावास हैं। सभी लगभग भरे हुए हैं, क्योंकि हमें अपनी ड्यूटी करनी है। ऐसी डरावनी घटनाओं के बाद भी, हम रात की ड्यूटी कर रहे हैं और कभी-कभी हम खुद को वार्ड में अकेले पाते हैं। हम अब वास्तव में असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

कुछ महिला जूनियर डॉक्टर, जो यहीं रह गई हैं, ने कहा कि उनके माता-पिता चाहते हैं कि वे वापस आ जाएं। एक मेडिकल छात्रा ने कहा, लेकिन मैंने आंदोलन का समर्थन करने के लिए यहीं रहने का फैसला किया। हमारे बिना, न्याय की लड़ाई कैसे चल सकती है? इस लड़ाई को जारी रखना ज़रूरी है ताकि भविष्य में मेरे या किसी अन्य महिला डॉक्टर या छात्रा के साथ ऐसा न हो।

जमानत पर सुनवाई टली, पांच सितंबर तक रहेंगे जेल में

केजरीवाल पर चलेगा केस सीबीआई को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)।

आपा विधायक दुर्गेश पाठक पर भी चलेगा मुकदमा

दिल्ली शराब नीति घोटाले में दिल्ली के जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आपा विधायक दुर्गेश पाठक के खिलाफ मुकदमा चलाने की सीबीआई को अनुमति मिल गई है। सीबीआई कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने मामले की अगली सुनवाई 27 अगस्त के लिए तय की है। इस मामले में केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 27 अगस्त को समाप्त होने वाली है। अदालत ने 12 अगस्त को सीबीआई को मामले में केजरीवाल और पाठक पर मुकदमा चलाने के लिए आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने के लिए 15 दिन का समय दिया था।

दूसरी तरफ केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से भी झटका मिला। उनकी जमानत पर आज सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई टल गई। सीबीआई ने अदालत से जवाब देने के लिए एक हफ्ते का और समय मांगा है। केजरीवाल की जमानत याचिका पर अगली सुनवाई पांच सितंबर को होगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने सीबीआई को मामले में जवाबी हलफनामा दाखिल करने की अनुमति दी। इसके साथ ही केजरीवाल को जवाब दाखिल करने के लिए दो दिन का समय दिया। केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि सीबीआई ने केवल एक याचिका पर जवाबी हलफनामा दायर किया है और यह गुरुवार रात आठ बजे उन्हें दिया गया।अतिरिक्त सॉलीसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि वे एक सप्ताह में जवाब दाखिल करेंगे। इसके बाद पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए पांच सितंबर की तारीख तय की। शीर्ष अदालत ने मामले में केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से 14 अगस्त को इन्कार कर दिया था और उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर जांच एजेंसी से जवाब मांगा था। केजरीवाल को 26 जून को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अब पांच सितंबर तक जेल में ही रहने वाले हैं। सीबीआई ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से और वक्त मांगा है, ऐसे में अगली सुनवाई 5 सितंबर को होने वाली है। वैसे पहले यही सुनवाई आज शुक्रवार को होनी थी, तब कहा गया था कि अरविंद केजरीवाल को जमानत मिल सकती है। लेकिन इस सुनवाई का टलना ही केजरीवाल के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वैसे शराब घोटाले में मनीष सिसोदिया को जमानत मिल चुकी है। उसके बाद से ही कयास लगाए जा रहे थे कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी बाहर आ सकते हैं। बड़ी बात यह है कि ईडी मामले में तो केजरीवाल को जमानत पहले ही मिल चुकी है, वे तो जेल में इसलिए हैं क्योंकि सीबीआई ने भी उनके खिलाफ केस दर्ज किया था। इस बार जो सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी थी, वो भी इस सीबीआई वाले केस को लेकर ही थी। सीबीआई को जांच करने के लिए थोड़ा वक्त और चाहिए, उसके बाद ही वो कोर्ट में अपना विस्तृत जवाब रख पाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने भी सीबीआई को अतिरिक्त समय दे दिया है, ऐसे में अब 5 सितंबर को केजरीवाल की किस्मत तय होने वाली है। तब पता चलेगा कि सिसोदिया के बाद क्या उन्हें भी राहत मिलती है या नहीं। वैसे अरविंद केजरीवाल खुद के लिए राहत की उम्मीद इसलिए लगा रहे हैं क्योंकि मनीष सिसोदिया को जिन आधार पर जमानत मिली है, वो मायने रखती है।

असल में सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा है कि किसी भी मामले में जेल को अपवाद मानना चाहिए और बेल हर किसी का अधिकार है। इसी वजह से अरविंद केजरीवाल भी जमानत को अपना हक मानते हैं, वे तो लगातार यहां तक कहते आ रहे हैं कि जांच एजेंसी को उनके खिलाफ एक सबूत नहीं मिला है। आम आदमी पार्टी भी यही दावा कर रही है कि फर्जी मामले में भाजपा के दबाव में आकर उनके नेताओं को अंदर किया गया है। तीन साल पहले 17 नवंबर 2021 को राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार ने नई शराब नीति को लागू करने का फैसला किया था। इस नई नीति के मुताबिक दिल्ली को कुल 32 जोन में बांट दिया गया और कहा गया कि हर जोन में 27 शराब की दुकानें खोली जाएंगी। अगर इसी आंकड़े के हिसाब से टोटल किया जाए तो पूरी दिल्ली में 849 शराब की दुकानें खुलनी थीं। एक बड़ा बदलाव यह होने वाला था कि जो भी शराब की दुकानें खुलनी थीं, वो सारी प्राइवेट सेक्टर की थीं, सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं रहने वाला था।

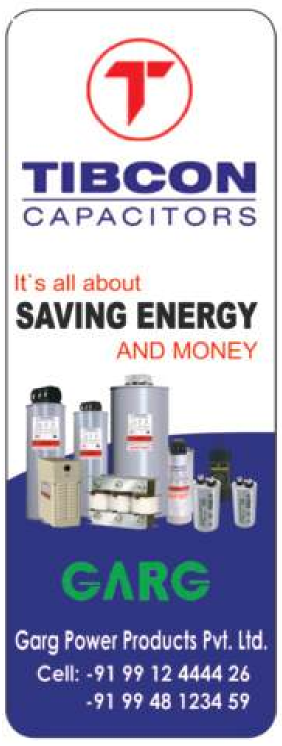

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,910/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 87,300/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,086.21
+33.02 +0.04% ↑

एनएसई :24,823.15
11.65 (0.05%) ↑

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28°

न्यूनतम : 23°

शुभ लाभ Classifieds — FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

Army No.14449726W. HAV. RAMESH PALAKEETI, S/o. Late SANKARAIH PALAKEETI, R/O. 1-160-11, Reddy Nagar, Papaipalli, Bestawaripeta, Prakasam, Andhra Pradesh-523334, india I had Intended to change My Son's Name From **PALAKAVETI JAYASANKAR** to **JAYASANKAR PALAKEETI**, in My Army records as per affidavit dated: 23-Aug-2024.

CHANGE OF NAME

I, Service No.JC 705200M SUB/NURASST MANDIP KUMAR SINGH of Unit:1(T) Girls, Battalion NCC Secunderabad C/o.56 APO, permanent resident of Vill:Dhanoura, Post:Kothiya(Naraon), Dist:Saran, Bihar-841216 that my wife name is to be changed from **MADHURI KUMARI** to **MADHURI DEVI** vide affidavit dt:23-8-2024 before Zeenath Begum, Advocate and Notary, Karkhana Bazar, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, G UMA spouse of Service No. 15101243Y Ex.Naik GRANDHE RATHNAKAR, R/o.Flat No 103, Hema Durga Classic Apartment, Cine Town Lane, Miyapur, Serilingampally Mandal, Hyderabad-500049 have changed my name from **G UMA** to **GRANDHE UMA** vide affidavit dt:23-8-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME AND DOB

I, LALITHA RAM Spouse of Service No. 613211A Ex.Sgt. MANGALI ANANTHARAM, R/o.1-1-29/123, Jai Jawan Colony, Durga Matha Temple Road, Kapra, ECIL Post, Medchal Malkajgiri Dist-500062 have changed my name and DOB from **LALITHA RAM, DOB:07-06-1965** to **MANGALI LALITHARAM, DOB: 14-10-1960** vide affidavit dt:23-08-2024 before IV Spl Metropolitan Magistrate, Hyderabad.

ज्योतिष ASTROLOGY

नाकोड़ा भैरव ज्योतिष

(जय जिनेन्द्र) मारवाड़ी, गुजराती महाराज, माजिशा भक्त हस्तरेखा, जन्माक्षर, पूजा-पाठ, संतान प्राप्ति, शारीरिक पीड़ा, मानसिक पीड़ा, व्यापार, सगाई, लग्न विलंब, शत्रुनिवारण, प्रेम समस्या, कर्ज मुक्ति, गृहक्लेश आकर्षण प्रयोग, पतिवश, सास-बहू झगड़ा, एकतरफा प्रेम (वशीकरण के जानकार) जीवन की जटिल समस्याओं का A+Z समाधान। बेगम बाजार, हैदराबाद. संपर्क : 9032460847.

CHANGE OF NAME AND DOB

I, SM RASUL BIBI spouse of Service No.JC 704905M Sub(Hony Lt) SHAIK R.ABDUL RAHIMAN, R/o.5-51, Anumalaveedu, Racherla, Prakasam Dist, Andhra Pradesh-523368 have changed my name and DOB from **SM RASUL BIBI, DOB:12-5-1981** to **SHAIK RASUL BIBI, DOB:23-4-1981** vide affidavit dt:23-8-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Secunderabad.

TG RERA

Telangana Real Estate Regulatory Authority (TG RERA) is granted certificate under section 5 to the following project.

Pushpa Residency-1 (Regn. No. P02200008353) | Pushpa Residency-2 (Regn. No. P02200008349)

PUSHPA RESIDENCY-1

Quality Living Starts Here

Ready to occupy @ Thumkunta << SHAMIRPET

TYPICAL FLOOR PLAN

- 2 Bhk
- Parking 2 wheeler & 4 Wheeler
- 100% Vaastu

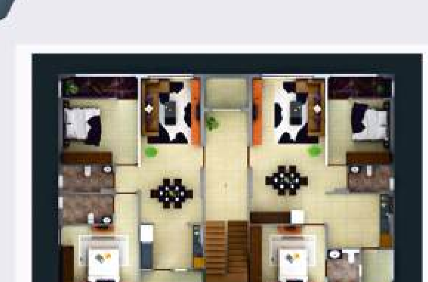

SCAN FOR SITE LOCATION

Everyone love to live in a beautiful & luxurious home where elders are happy & children grow up in a healthy environment. To experience the comfort of a spacious flat in a good neighbourhood, where fresh air & abundant water & the blissful silence of environment invites your family to live in comfort. Pushpa Residency is a prestigious project by Basai Group who have executed several successful projects. Their strength in the construction field can be gauged by the quality and dedication they bring to every project. we work hard to ensure customer satisfaction ... So why to wait now we provide you the luxurious flat in Thumkunta, Shamirpet .

FOR DETAILS

+91 77991 23471
98853 00700

Email : pushparesidency1@gmail.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.